www.epaper.azadsipahi.in

04 जनवरी, 2023
पौष, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी
संवत 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 08, अंक 77

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

कैप्टन शिवा चौहान ने रचा इतिहास, सेना ने सियाचिन ग्लेशियर की कुमार पोस्ट पर किया तैनात

सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने का विरोध तेज

जयपुर में जैन मुनि ने प्राण त्यागे रांची में जैन समाज की बड़ी रैली

- सत्ता पक्ष और विपक्ष भी आया आमने-सामने

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/जयपुर। झारखंड में गिरिडीह जिले के पारसनाथ पहाड़ी स्थिति जैन तीर्थ सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल बनाये जाने का विरोध तेज होता जा रहा है। जैन समाज इसे पर्यटन नहीं तीर्थ स्थल घोषित करने की मांग कर रहा है। जयपुर में इसका विरोध कर रहे जैन मुनि सुज्ञेयसागर महाराज ने मंगलवार को प्राण त्याग दिये। वहीं, रांची में जैन समाज ने मौन रैली निकाल कर पर्यटन स्थल घोषित किये जाने का विरोध जताया और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। इधर, सत्ता पक्ष और विपक्ष भी इस मुद्दे को लेकर आमने सामने है। भाजपा नेता अमर बाउरी ने कहा है कि हेंमत सरकार लोगों को गुमराह कर रही। भाजपा सरकार ने इसे तीर्थ स्थल घोषित किया था। तो झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा झूठ फैला रही। उधर, सरकार एक्ट में परिवर्तन की तैयारी कर रही है।

जैन मुनि सुज्ञेयसागर महाराज 10 दिन से थे अनशन पर : जयपुर। झारखंड में जैन तीर्थ सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल बनाये जाने का विरोध कर रहे जैन मुनि सुज्ञेयसागर महाराज ने मंगलवार को प्राण त्याग दिये। वे झारखंड सरकार के फैसले के खिलाफ पिछले 10 दिन से आमरण अनशन कर रहे थे। सुज्ञेयासागर 72 साल के थे। मंगलवार सुबह उनकी डोल यात्रा सांगानेर संघीजी मंदिर से निकाली गयी। इस दौरान आचार्य सुनील सागर सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग मौजूद रहे। जैन मुनि को जयपुर के सांगानेर में समाधि दी गयी।

एक और जैन मुनि समर्थ सागर ने भी अन्न त्यागा : अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम के अध्यक्ष भागचन्द्र जैन ने बताया कि मुनीश्री ने सम्मेद शिखर को बचाने के लिए बलिदान दिया है। वे उससे जुड़े हुए थे। जैन मुनि सुनील सागर ने कहा कि सम्मेद शिखर हमारी शान है। आज 6 बजे मुनि सुज्ञेयसागर महाराज का निधन हो गया। जब उन्हें मालूम पड़ा था कि सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित किया गया है, तो वे इसके विरोध में लगातार उपवास पर थे। राजस्थान की इस भूमि पर धर्म के लिए अपना समर्पण किया है। अब मुनि समर्थ सागर ने भी अन्न का त्याग कर तीर्थ को बचाने के लिए पहल की है। जयपुर में जैन मुनि आचार्य शंशाक ने कहा कि सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने को लेकर जैन समाज अभी अहिंसक तरीके से अभी आंदोलन कर रहा है, आगे और तेज किया जायेगा।

जैन समाज ने निकाली मौन रैली राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा

रांची। रांची में भी जैन समाज ने मौन रैली निकालकर पर्यटन स्थल घोषित करने का विरोध किया। मौन रैली अपर बाजार स्थित जैन मंदिर से जाकिर हुसैन पार्क स्थित राजभवन तक निकाली गयी। इसके बाद जैन समाज ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। दिगंबर जैन समाज के पूर्व मंत्री दिगंबर सेठी ने कहा कि आंदोलन कई महीनों से चल रहा है। जैन समाज की मांग है कि सम्मेद शिखर तीर्थ स्थल को पर्यटन स्थल नहीं बनाया जाये। अगर सरकार उनकी मांग पूरी नहीं करेगी तो जैन समाज का आंदोलन तेज होगा। जितेंद्र जैन ने कहा कि सम्मेद शिखर जैन समाज का सदियों से आस्था का केंद्र रहा है। इस जगह पर तीर्थ शंकर और ऋषि-मुनियों ने तपस्या कर मोक्ष प्राप्त किया। सम्मेद शिखर का कन-कन पवित्र है। जहां की भूमि पूजनीय है, अगर उस स्थल को पर्यटन स्थल बनायेंगे तो यह कतिपय मंजूर नहीं होगा। पर्यटन स्थल और तीर्थ स्थल दोनों के भाव अलग होते हैं। चेतन जैन ने कहा कि सरकार जल्द से जल्द इस मामले पर संज्ञान ले। इसको जल्द धार्मिक तीर्थ स्थल घोषित करे।

केंद्र ने गजट प्रकाशित किया है, इसमें हमारा कोई निर्णय नहीं : हेमंत सोरेन

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को कहा कि वह इस विषय पर अपनी बात अभी नहीं रख पायेंगे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा गजट प्रकाशित हुआ है, इस पर हमने न तो कोई टीका-टिप्पणी की है और न ही कोई निर्णय लिया है। यह किस संदर्भ में है, इसकी जानकारी लेनी होगी। जो भी जैन समाज के सवाल हैं, उन सवालों के क्या हल हो सकते हैं, ये हम देख रहे हैं। इस मुद्दे पर मीडिया ट्रायल का कोई फायदा नहीं है। अभी तक क्या कार्रवाई हुई है, उसे देखने के बाद ही सरकार कोई निर्णय करेगी। मुख्यमंत्री मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे।

जो बेहतर होगा, वही निर्णय लिया जायेगा: हफिजुल

रांची। सम्मेद शिखर मामले को लेकर पर्यटन मंत्री हाफिजुल हसन ने कहा कि इस मामले की जानकारी मुख्यमंत्री के संज्ञान में है। वे इसे देख रहे हैं। जो बेहतर होगा, वही निर्णय लिया जायेगा। उधर, झारखंड के पर्यटन सचिव मनोज कुमार ने कहा कि पर्यटन स्थल की सूची संबंधी नोटिफिकेशन से बाहर कर देना समाधान नहीं है। विभाग इसके एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव बना रहा है। इसमें पर्यटन स्थल को जैनों के धार्मिक पर्यटन क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया जाएगा। ऐसा करके यहां की व्यवस्थाएं बेहतर की जा सकेंगी।

भाजपा सरकार ने तीर्थ स्थल घोषित किया था : बाउरी

रांची। पूर्व पर्यटन मंत्री अमर बाउरी ने कहा है कि झारखंड की हेमंत सरकार लोगों को गुमराह करने का काम कर रही है। झारखंड सरकार का कहना है कि रघुवर दास की सरकार के दौरान पारसनाथ को पर्यटन स्थल घोषित करने का कार्य किया गया है। जबकि सच्चाई इसके उलट है। रघुवर दास सरकार ने हमेशा ही सम्मेद शिखरजी की पवित्रता को अक्षुण्ण रखने के लिए कार्य किया है। हमारी सरकार ने इसे तीर्थ स्थल घोषित किया था। (विस्तृत खबर पेज-3)

भाजपा के प्रपंच में न फंसे जैन समाज: सुप्रियो

रांची। झामुमो ने जैन समाज को आश्वस्त किया है कि राज्य सरकार गिरिडीह स्थित सम्मेद शिखर की पवित्रता अक्षुण्ण बनाये रखने को संवेदनशील है। कहा जा रहा है कि हेमंत सोरेन सरकार ने इसे पर्यटन स्थल घोषित किया है जो झूठ है। रघुवर दास सरकार में पर्यटन विभाग से एक गजट प्रकाशित करते हुए गिरिडीह के पारसनाथ को पर्यटन स्थल के तौर पर चिन्हित किया गया। जैन समाज से आग्रह है कि वे भाजपा के प्रपंच में न फंसें। भाजपा को झूठ फैलाने के लिए माफी मांगनी चाहिए। (विस्तृत खबर पेज-3)

सीएम खतियानी जोहार यात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत करेंगे

17 जनवरी को कोडरमा से हेमंत करेंगे आगाज

- कांग्रेस भी 26 जनवरी से हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू कर रही

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की राजनीति के लिए 2023 का जनवरी माह पूरी तरह से राजनीतिक रैलियों और कार्यक्रम पर केंद्रित रहेगा। जनवरी माह में राज्य की प्रमुख राजनीतिक पार्टियां झामुमो, कांग्रेस और भाजपा कई कार्यक्रम आयोजित करेगी।

17 जनवरी से शुरू होगी हेमंत की यात्रा : खातियानी जोहार यात्रा का नेतृत्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कर रहे हैं। पहले चरण की सफलता के बाद अब दूसरे चरण की तैयारी है। दूसरे चरण की शुरुआत 17 जनवरी 2023 को कोडरमा से होगी। इसके बाद 18 जनवरी को गिरिडीह, 23 जनवरी को सिमडेगा, 24 जनवरी को पश्चिम सिंहभूम, 31 जनवरी को सरायकेला-खरसावां और 31 जनवरी को पूर्वी सिंहभूम जिला में कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

कांग्रेस शुरू करेगी हाथ से हाथ जोड़ो अभियान : भारत जोड़ो यात्रा के सफल अभियान को देख झारखंड कांग्रेस एक व्यापक जनसंपर्क अभियान की शुरुआत करेगी। अभियान को हाथ से हाथ जोड़ो अभियान नाम दिया गया है। अभियान की शुरुआत 26 जनवरी से होगी। इसके तहत प्रखंड कांग्रेस कमिटी द्वारा पदयात्रा कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जो ग्राम पंचायतों व गांव, मतदान केंद्रों को कवर करेगा।

कक्षा 1 से 5 तक के सभी सरकारी और निजी स्कूल 8 जनवरी तक रहेंगे बंद

रांची (आजाद सिपही)। सरकारी स्कूलों के साथ-साथ अब निजी स्कूलों में भी कक्षा 1 से 5 की कक्षाएं 8 जनवरी तक संचालित नहीं होंगी। शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के आदेश पर इस संबंध में शिक्षा विभाग ने नया आदेश जारी किया है। इसके तहत अब राज्य में संचालित सभी तरह के प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 1 से 5 तक के शैक्षणिक कार्य 8 जनवरी तक बंद रहेंगे। सामान्य रूप से 9 जनवरी से स्कूल खुलेंगे। सचिव ने जारी आदेश में लिखा है कि जनवरी 2023 के प्रथम सप्ताह में शीतलहरी के प्रकोप को देखते हुए झारखंड के सरकारी, सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित), निजी प्राथमिक विद्यालयों में वर्ग 1 से 5 तक का शैक्षणिक कार्य 8 जनवरी तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है। 9 जनवरी से सामान्य रूप से कक्षा संचालित होंगे। इस अवधि में शिक्षक विद्यालय में उपस्थित होकर सभी अभिलेख अद्यतन करेंगे और ऑनलाइन डाटा इंट्री करेंगे।

गरीब बच्चों के खाद्य सुरक्षा के आलोक में कक्षा 1 से 5 के उपस्थित बच्चों को इस अवधि में मध्याह्न भोजन यथावत उपलब्ध कराया जायेगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

पूजा सिंघल को सुप्रीम कोर्ट से मिली एक महीने की अंतरिम जमानत, बेटी के मेडिकल ग्राउंड पर मिली छूट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मनरेगा घोटाला और मनी लांड्रिंग मामले के आरोप में जेल में बंद झारखंड की निर्लंबित आइएएस अधिकारी पूजा सिंघल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट से मेडिकल ग्राउंड पर पूजा सिंघल को एक महीने की अंतरिम जमानत मिली है। अदालत ने उन्हें बेटी की बीमारी के आधार पर अंतरिम जमानत दी है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस अभय ओका की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। अब पूजा सिंघल की नियमित जमानत याचिका पर अगले महीने सुनवाई होगी। बता दें कि खूंटी में हुए मनरेगा घोटाला मामले में इडी ने पूजा सिंघल को 11 मई 2022 को गिरफ्तार किया था। तब से वह जेल में ही हैं।

रांची इडी की विशेष कोर्ट ने 3 अगस्त 2022 को पूजा सिंघल की बेल पिटीशन खारिज करते हुए उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद पूजा सिंघल ने झारखंड हाइकोर्ट से जमानत की गुहार लगायी थी। जहां से 3 नवंबर 2022 को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गयी थी। इसके बाद पूजा सिंघल सुप्रीम कोर्ट के शरण में गयीं थीं।

बांग्लादेश के ऊर्जा राज्यमंत्री पहुंचे गोड्डा

अडाणी पावर प्लांट का नजरुल हमीद करेंगे निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

गोड्डा। झारखंड से बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति की जा रही है। गोड्डा में अडाणी पावर प्लांट से बंग्लादेश को बिजली आपूर्ति की जा रही है। बांग्लादेश के ऊर्जा राज्य मंत्री नजरुल हमीद मंगलवार को इसका जायजा लेने के लिए गोड्डा पहुंचे। गोड्डा में अडाणी पावर प्लांट के पीआरओ प्रवीण कुमार ने इसकी पुष्टि की है।

प्रवीण ने बताया कि बांग्लादेश के विजय दिवस यानी 16 दिसंबर 2022 से 800 मेगावाट बिजली की आपूर्ति शुरू हुई है। इसी को लेकर बांग्लादेश के ऊर्जा, बिजली व खनिज संसाधन राज्य मंत्री नजरुल हमीद गोड्डा पहुंचे हैं। ऊर्जा राज्य मंत्री सिकटिया स्थित हेलीपैड से सीधे अडाणी पावर प्लांट परिसर गये। इसके बाद वो जिला के मोतिया स्थित पावर प्लांट का मुआयना किया।

इस मौके पर मंत्री ने कहा कि गोड्डा आने का मूल उद्देश्य अडाणी पावर प्लांट का जायजा लेना है, क्योंकि झारखंड के गोड्डा अडाणी पावर प्लांट से सीधे बांग्लादेश को बिजली मिल रही है। इसी संबंध में मंत्री प्लांट के पदाधिकारियों के बैठक करेंगे, साथ ही विद्युत आपूर्ति की अद्यतन स्थिति को देखेंगे।

गोड्डा जिला के मोतिया में यह पावर प्लांट 15000 हजार करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है। अडाणी पावर प्लांट का निर्माण चीन की कंपनी सेप्को थ्री और एसटीजी की देखरेख में हुआ है। गंगा नदी से पानी लाने के लिए साहिबगंज से इस पावर प्लांट तक पाइप लाइन बिछायी जा चुकी है। गोड्डा से लेकर मुर्शिदाबाद तक 105 किलोमीटर लंबी ट्रांसमिशन लाइन बिछायी गयी है। गोड्डा में रेल कनेक्टिविटी के साथ गोड्डा रेलवे स्टेशन से पावर प्लांट तक करीब सात किमी लिंक लाइन पर ट्रायल हुआ। इस लिंक लाइन के जरिए पावर प्लांट के लिए कोयले की ढुलाई की जा रही है। ग्लोबल पैनडेमिक कोरोना की वजह से प्रोजेक्ट को शुरू करने एक साल की देर हुई है। इसे दिसंबर 2021 में ही शुरू कर दिया जाना था। अडाणी के साथ बांग्लादेश का करार 25 साल का है।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 52,500 रु./10 ग्राम
चांदी 74,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 04 जनवरी, 2023
www.azadsipahi.in

पहले साहिबगंज में रेबिका पहाड़िया की हत्या, उसके बाद बरही में 50 बिरहोरों का धर्मांतरण

झारखंड में आखिर आदिम जनजाति के लोगों को धर्मांतरण के लिए क्यों टारगेट किया जा रहा है

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड के हजारीबाग जिले के बरही अनुमंडल में सामने आयी धर्मांतरण की सनसनीखेज घटना ने देश भर को चौकन्ना कर दिया है। धर्मांतरण का यह रैकेट इतना संगठित और योजनाबद्ध तरीके से चलाया जा रहा है कि यदि इस पर कड़ाई से लगाम नहीं लगायी गयी, तो झारखंड के आदिवासियों का नामो-निशान मिट जायेगा। संथाल परगना में पिछले कुछ दिनों से आदिम जनजातियों के अस्तित्व और उनकी पहचान पर धर्मांतरण के साथ दूसरे तरीकों से हमला किया जा रहा है। उनकी लड़कियों को प्रेम जाल में फांस कर शादी कर ली जाती है और फिर या तो उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर कर दिया जाता है या फिर उनकी हत्या कर संपत्ति पर कब्जा कर लिया जाता है। लेकिन बरही के बिरहोर टोला में खलील मियां उर्फ खलील अंसारी और उसके सहयोगियों ने जिस तरह सीधे-सीधे धर्मांतरण का खेल खेला, वह बेहद खतरनाक है। वैसे झारखंड ही नहीं, पूरे देश में आदिवासी बहुल क्षेत्र में धर्मांतरण का यह खेल नया नहीं है। झारखंड में पहले इसाई मिशनरियों पर आदिवासियों का धर्मांतरण करने का आरोप लगता था, अभी भी लगता है, लेकिन अब तो बांग्लादेशी घुसपैठियों के साथ पीएफआइ जैसी देश विरोधी ताकतें इस रैकेट में शामिल हो गयी हैं। आनेवाले दिनों में यह एक गंभीर संकट पैदा करेगा और इससे पार पाना आसान नहीं होगा। बरही की घटना की पृष्ठभूमि में झारखंड में चल रहे धर्मांतरण के रैकेट और आदिम जनजातियों की पहचान मिटाने की साजिश को उजागर कर रहे हैं आजाद सिपाही के **बरही प्रमुख प्रभाकर पाठक।

प्रभाकर पाठक

यह कौन सा खेल चल रहा है, क्या होगा झारखंड में विलुप्त होती आदिम जनजातियों का भविष्य

हजारीबाग के बरही अनुमंडल की बारसोत पंचायत का बरियाट्ठा बिरहोर टोला चर्चा के केंद्र में है। नये साल की पूर्व संध्या पर दुलमाहा निवासी खलील मियां ने अपने एक सहयोगी के साथ मिल कर इस टोला के करीब 50 बिरहोरों को शराब पिलाने के बाद गोमांस खिला कर धर्म परिवर्तन करा दिया, उसके बाद से यहां के लोगों ने खुद को कैद कर लिया है। धार्मिक पवित्रता धोखे से छीन लिये जाने के बाद से ये बिरहोर मानसिक रूप से सदमे में हैं। उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि वे क्या करें और किस तरह इस पाप के कलंक को धोयें। पुलिस प्रशासन की कार्यवाही और राजनीतिक दलों-संगठनों की आवाजाही के बीच इन बिरहोरों का एक ही सवाल है कि आखिर उन्हें निशाना क्यों बनाया गया।

कौन हैं बिरहोर

झारखंड में बिरहोरों को आदिम जनजाति का दर्जा मिला हुआ है। इनकी आबादी पूरे राज्य में महज 10 हजार से कुछ अधिक है। इसलिए इन्हें विलुप्तप्राय जनजातियों की श्रेणी में रखा गया है। सरकार की ओर से इनके संरक्षण के लिए कई योजनाएं चलायी जाती हैं। बिरहोर आम तौर पर एकल परिवार में रहते हैं, जिसमें पति-पत्नी और बच्चे होते हैं। बच्चों की शादी होने पर वे अलग घर बना लेते हैं। बिरहोरों का मुख्य पेशा जंगली जड़ी-बूटियों को इकट्ठा कर उन्हें बेचना है। इसलिए इनका टोला अमूमन जंगलों के आसपास होता है।

आदिम जनजातियां निशाने पर क्यों

धर्मांतरण के इन तमाम पहलुओं की जानकारी के बाद यह सवाल उठता है कि आखिर आदिम जनजातियां इस तरह के रैकेट चलानेवालों के निशाने पर क्यों आ गयीं। चाहे साहिबगंज की रेबिका पहाड़िया हो या चंदन रविदास या फिर बरही के बिरहोर टोला का मनोज बिरहोर और अन्य लोग, इन सभी को निशाना क्यों बनाया गया। रेबिका का हत्यारा दिलदार अंसारी हो या फिर बरही का खलील मियां, केवल इनके नाम अलग हैं। इनका काम एक जैसा ही है। यहां इस बात का उल्लेख करना भी जरूरी होगा कि खलील मियां उसी दुलमाहा का निवासी है, जहां का पप्पू खान था, जो रूपेश हत्याकांड का मुख्य आरोपी है। खलील अवैध शराब का कारोबारी है और उस पर मवेशी तस्करी का भी आरोप है। इसी तरह रेबिका का हत्यारा दिलदार भी कई तरह के अवैध धंधों में शामिल था। ये लोग दरअसल अवैध घुसपैठिये हैं, जो झारखंड को अपना ठिकाना बनाना चाहते हैं। आदिम जनजातियों को ये अपना शिकार इसलिए बनाते हैं, क्योंकि इन जनजातियों के पास आवाज नहीं होती है। इनकी आबादी इतनी कम है कि इन्हें कोई राजनीतिक दल भी तवज्जो नहीं देते। अब बिरहोरों को ही लिया जाये। झारखंड में इनकी आबादी महज 10 हजार से कुछ अधिक है। इसी तरह दूसरी आदिम जनजातियां भी हैं। धर्मांतरण का यह रैकेट इतने संगठित और योजनाबद्ध तरीके से चलाया जा रहा है कि सहसा किसी को संदेह ही नहीं होता। इनकी पहचान पर हमला इनकी बेटियों को प्रेम जाल में फंसाने से शुरू होता है। उन लड़कियों को निशाना बनाया जाता है, जिनके घर में कोई पुरुष सदस्य नहीं है। फिर इनसे शादी कर इनसे पैदा होनेवाले बच्चे को इस्लाम की दीक्षा दिला दी जाती है। इसके साथ ही लड़कियों की पहचान खत्म हो जाती है। धर्मांतरण कराने के पीछे भी यही साजिश काम करती है। इसलिए आज झारखंड के संथाल परगना में आदिवासी बच्चियों को लव जिहाद के जाल में फांस कर उनके साथ बांग्लादेशी घुसपैठिये शादी कर रहे हैं। उनका धर्म परिवर्तन कर रहे हैं। उनकी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। उनके घरों को हथिया रहे हैं और काम निकलने पर उनकी हत्या कर दे रहे हैं। पुलिस के रिकॉर्ड बताते हैं कि संथाल परगना आज संगठित अपराध के मामले में झारखंड का सबसे अशांत इलाका बन गया है। वर्ष 2021 में संथाल परगना प्रमंडल में 723 लोगों की हत्या हुई और बलात्कार के 404 मामले दर्ज किये गये। हाल के दिनों में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण साहिबगंज का इलाका बेहद संवेदनशील बन गया है। इस इलाके की करीब 10 हजार एकड़ जमीन पिछले सात सालों में खरीदी-बेची गयी है। हैरत की बात यह है कि इनमें से 95 प्रतिशत सौदे स्थानीय महिलाओं के नाम पर हुए हैं, जिनके पति या पिता के रूप में किसी मुस्लिम का नाम है।

धर्मांतरण के खिलाफ अभियान

झारखंड में 2017 में तत्कालीन भाजपा सरकार ने धर्मांतरण के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू किया था। इसे आजाद भारत के इतिहास में धर्मांतरण के खिलाफ सबसे बड़ा अभियान कहा गया था। इसके तहत तत्कालीन सरकार ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा और आदिवासियों के सबसे बड़े नेता कार्तिक उरांव का सहारा लिया था। अभियान के दौरान जारी विज्ञापन में धर्मांतरण विरोधी कानून लाने के सरकार के फैसले को भगवान बिरसा मुंडा और स्व. कार्तिक उरांव का सपना पूरा करने की दिशा में पहल बताया गया था। विज्ञापन में मोटे-मोटे अक्षरों में बापू का एक उद्धरण भी लिखा गया था, जो उन्होंने धर्मांतरण के खिलाफ हरिजन पत्रिका में लिखा था। इसके बाद राज्य सरकार ने एक कानून भी लागू किया, लेकिन इसका कोई खास असर नहीं पड़ा। धर्मांतरण का खेल उसी तरह चलता रहा, हालांकि तब बहुसंख्यक हिंदू समाज भी इसके खिलाफ आक्रामक रूप से सामने आया। कई धर्मांतरित परिवारों की घर वापसी करायी गयी।

झारखंड के लिए धर्मांतरण का यह रैकेट एक गंभीर चुनौती है। इस पर तत्काल ध्यान देने और तत्काल नियंत्रण पाने की जरूरत है। यदि इस रैकेट पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो झारखंड इन अवैध घुसपैठियों के साथ देश विरोधी ताकतों का सुरक्षित ठिकाना बन जायेगा।

मिथुन राशि 2023 वार्षिक राशिफल

जीवन में बदलाव की असीम संभावनाएं हैं

नया साल 2023 का आगाज हो चुका है। नया साल 2023 सभी के लिए नयी उम्मीदें, नये सपने, नया लक्ष्य और चुनौतियों से रूबरू होने का साल होगा। नया साल 2023 सभी के जीवन में ढेर सारी उम्मीदें लेकर आने वाला वर्ष होगा। सभी यह सोचते हैं कि बीते साल जो हमारे काम अधूरे रह गये हैं, वे आने वाले नये साल में जरूर पूरे हों। नये साल पर करियर में एक नया मुकाम हासिल हो, जीवन में पैसे से संबंधित सभी तरह की बाधाएं आने वाले साल में न रहें और अपनों का प्यार नये साल में मिलता रहे ऐसी उम्मीदें रखते हैं। हम सभी लोगों के मन में आने वाले नये साल में नौकरी, बिजनेस, धन-दौलत, ऐशोआराम, शिक्षा, प्यार और सेहत कैसा रहेगा, इस बात को जानने की उत्सुकता हमेशा रहती है। इन सभी सवालों के जवाब को जानने के लिए ज्योतिष शास्त्र के माध्यम से वार्षिक राशिफल की मदद ली जाती है। वैदिक ज्योतिषशास्त्र की गणना और चंद्र राशि के आधार पर **ज्योतिषाचार्य डॉ एनके बेरा हमें बता रहे हैं कि सभी 12 राशियों के लिए नया वर्ष 2023 कैसा रहने वाला होगा**

ज्योतिषाचार्य डॉ एनके बेरा

नये साल 2023 में मिथुन राशि जीवन में बदलाव की असीम संभावनाएं लेकर आया है। विवाह योग्य लोगों के लिए शुभ समय है। मनोनुकूल जीवन साथी मिलने की योग है। ग्रहों की स्थिति आपको जीवन की योजनाओं को प्राथमिकता प्रदान करने में मदद करेगी। वर्ष के मध्य में आपका भाग्योदय होनेवाला है।

आपकी राशि मिथुन कालचक्र की तीसरी राशि है। यह राशि वायु तत्त्व, सत्त्व गुण,(द्विस्वभाव चर व स्थिर) एवं बुध ग्रह से प्रभावित होती है। आपकी राशि का प्रतीक चिह्न जुड़वां मानवीय आकृति है जो बुद्धिमत्ता की परिचायक है।

मिथुन राशि का ज्योतिषात्मक परिचय

इस राशि को राशि चक्र में 61 से 90 अंश तक का राशि क्षेत्र प्राप्त है। इस राशि में मृगशिरा नक्षत्र के 2 चरण (का, की), आर्द्रा नक्षत्र के 4 चरण (कू,घ,ङ,छ) एवं पुनर्वसु के 3 चरण (के,को,हा) से मिलकर बनी है। सायन अर्थात पाश्चात्य मतानुसार यह अवधि 22 मई से 21 जून तक और निरयन अर्थात भारतीय मतानुसार 15 जून से 15 जुलाई तक रहती है। सूर्य मत से राशि निर्धारण करने वाले इस अवधि में उत्पन्न व्यक्ति को मिथुन राशि मानते हैं।

आपका स्वभाव एवं व्यक्तित्व

आप पुरुष हैं तो

आप भावुक एवं महत्वाकांक्षी होते हैं। आपका उद्देश्य सांसारिक सुखों की प्राप्ति तथा भोग साधन जुटाने का होता है। आप परिस्थिति के अनुसार स्वयं को ढाल लेते हैं। आप धैर्य, व्यवहार कुशलता एवं सहनशक्ति के बल पर कठिनाई को दूर करके लक्ष्य पा लेते हैं। आप मितव्ययी, वाकपटु,कठोर, परिश्रमी एवं काम क्रीड़ा में निपुण होते हैं।

आप स्त्री हैं तो

आप अस्थिर मनोवृत्ति वाली, परिश्रमी, कार्यदक्ष एवं चतुर होती हैं। आपको जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखने पड़ते हैं। पारिवारिक समस्याएं जीवन में बनी रहती हैं। मान-सम्मान के लिए मर-मिटने का स्वभाव होता है। आपकी दूरदर्शिता एवं संघर्ष की क्षमता सुख जुटाने को तत्पर रहती है। सामाजिक कार्य में आपकी विशेष रूचि रहती है।

आपमें गुण हैं

1.आपमें साहस, उत्साह और बुद्धि का अदभुत समन्वय है।
2.परिस्थिति के अनुरूप स्वयं को ढाल लेना आपकी विशेषता है।
3.किसी भी जटिल समस्याओं का समाधान सहज में खोज लेना आपको आता है।
4.आप मानसिक कार्य में दक्ष एवं दूसरों के मन की थाह लेने में चतुर हैं।
5.जिज्ञासा और उत्सुकता के कारण हर विषय को जल्दी सीख लेते हैं।

आपके जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष

आपका भाग्योदय 33वें वर्ष में हुआ होगा या होगा। 22 व 25वां वर्ष विशेष परिवर्तन, भाग्योदय एवं उन्नतिकारक है। आप जीवन में 32 से 36 वर्ष के मध्य विशेष प्रगति करेंगे। 28 व 36 वर्ष में अनायास परिवर्तन और बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

करियर

इस वर्ष अनुकूल ग्रहों की उपस्थिति से कार्यक्षेत्र में सक्रियता बनाये रखने में मदद मिलेगी। आप किसी दीर्घकालिक योजना पर कार्य कर सकते हैं। वर्ष के अंत तक आप सफलता की बुलंदियां छू सकते हैं। करियर की दृष्टि से अप्रैल-जून की महीना सफलतादायक रहेगा। नये कार्यक्षेत्र में जुड़ने के लिए यह वर्ष शुभ है। सरकारी सेवारत लोगों का स्थानातंरम या विभागीय परिवर्तन होगा।

आपका प्रेम एवं वैवाहिक जीवन

रिश्ते-नाते हों या फिर आपके व्यक्तिगत संबंध, आपसी आकांक्षाओं का लाभ मिलेगा और संबंधों की आत्मीयता बढ़ेगी, प्यार के सिलसिले में मधुरता आयेगी। अविवाहित युवक-युवतियों का इस वर्ष विवाह बंधन में बंधने का योग है। इस वर्ष 2023 में आपका वैवाहिक जीवन मिश्रित फलदायक रहेगा। आपका मेष, सिंह एवं धनु राशि से उत्कृष्ट प्रेम संबंध रहता है। कर्क, वृश्चिक एवं मीन राशि भी आपके लिए अनुकूल है। वृष, कन्या, मकर राशि से विरोध रहता है। तुला एवं कुंभ राशि से सामान्य संबंध रहता है।

आपका व्यवसाय एवं कार्य रुचियां

आप गणितज्ञ, एकाउंटेंट, लेखक, साहित्यिक, पत्रकारिता, संपादक, अध्यापक, कैमिकल, आटोमोबाइल पार्टस, शिल्प, वकालत, मैनेजमेंट, भवन निमार्ता, प्रिटिंग, डेरी फार्म, प्रकाशक आदि कार्यों में धन अर्जन कर सुख-समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं।

फाइनेंस

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष 2023 उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। पूरे वर्ष आपके परिवार की समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। अक्टूबर-नवंबर महीने में आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। फ्लैट तथा वाहन खरीदने का योग है। वर्ष के अंत तक बचत अच्छी होगी।

हेल्थ

मिथुन राशि वाले जातकों के लिए वर्ष 2023 स्वास्थ की दृष्टि से सामान्य रहेगा। वर्ष की आंरभ में मौसम से जुड़ी बीमारियां होंगी। मधुमेह तथा हृदयरोग से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी रखनी चाहिए।

इस वर्ष 2023 की निम्नलिखित समयावधियां उन्नतिकारक, धनलाभ, मांगलिक उत्सव की खुशी, शुभ व अनुकूल समाचार मिलेंगे।

- 14 मार्च से 12 अप्रैल तक का समय
- 13 अप्रैल से 12 मई तक का समय
- 17 अगस्त से 16 सितंबर तक का समय
- 14 नवंबर से 14 दिसंबर तक का समय

सफलता के लिए ध्यान दें

1. एस्ट्रो टिप्स-

दूसरों की महत्ता समझें। अति आत्मविश्वास और अंधविश्वास से स्वयं को बचाकर रखें। भावुकता में न बहें, उतावलापन और जल्दबाजी कदापि न करें।

आपके लिए बुधवार, रविवार एवं शुक्रवार शुभ दिन है। हरा, नीला, सफेद रंग शुब है। बुधवार का व्रत एवं श्रीगणपतिजी का उपासना करें।

2.वास्तु टिप्स

आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए घर और ऑफिस में बांस का पौधा रखें तथा व्यापार वृद्धि यंत्र स्थापित करें।

सुदूरवर्ती इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दें : प्रतुल शाहदेव

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव मंगलवार को लातेहार में सिविल सर्जन से मुलाकात की। प्रतुल के साथ लातेहार प्रखंड अध्यक्ष रितेश कुमार और युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष कुमार सागर भी उपस्थित थे। इस दौरान शाहदेव ने जिले के विभिन्न स्थानों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी से सिविल सर्जन को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कई ऐसे सुदूरवर्ती क्षेत्र हैं, जहां उप-स्वास्थ्य केंद्र हैं, लेकिन वहां चिकित्सक, नर्स नहीं पहुंचते। उन्होंने सिविल सर्जन डॉ दिनेश से आग्रह किया कि एक रूटीन बनाकर इन उप स्वास्थ्य केंद्रों में एमबीबीएस डॉक्टरों को भी भेजें। महुआमिलन, लोहरसी, गारू, हेरहंज और बरियातू प्रखंड में स्वास्थ्य सेवा में वृद्धि करने का भी आग्रह किया।

वहीं हेरहंज कान बाली कांड में प्रतुल शाहदेव ने संबंधित दोनों नर्स के खिलाफ कड़ी विभागीय नियमों के अनुसार कठोर कार्रवाई करने का आग्रह किया। शाहदेव ने कहा कि कार्रवाई इसलिए भी जरूरी है ताकि दोबारा इस प्रकार की घटना जिले में नहीं हो। कार्रवाई नहीं होने से एक दलित गरीब के साथ अन्याय होगा जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। प्रतुल ने जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था में कमी की भी जानकारी ली। प्रतुल ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य सचिव से मिलकर जिले में चिकित्सक और उपकरण की कमी से अवगत करवाऊंगा। जिले में स्वास्थ्य सेवा दुरुस्त हो सबकी सहभागिता जरूरी है।

सरना धर्म कोड की मांग को लेकर आठ को महारैली

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरना धर्म कोड की मांग को लेकर आठ जनवरी को हरमू मैदान में महारैली का आयोजन किया जायेगा। केंद्रीय सरना समिति के अजय तिर्की ने मंगलवार को बताया कि आठ जनवरी को सरना धर्म कोड मांग को लेकर हरमू मैदान में महारैली की जायेगी। इसमें सभी जिलों से सरना धर्मावलंबी भारी संख्या में पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि आदिवासियों को बचाने के लिए सरना धर्म कोड की लड़ाई लड़नी होगी। 2023 में हर हाल में सरना कोड लागू करना होगा। आदिवासियों की पहचान बचाने के लिए हरमू मैदान में राज्य भर के हजारों आदिवासी सरना झंडा के साथ पहुंचेंगे।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	23.2 ℃	11.6 ℃
सूर्यास्त (आज)	:	17.16 बजे
सूर्योदय (कल)	:	06.31 बजे

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 04 जनवरी, 2023
www.azadsipahi.in

जैन समाज भाजपा के प्रपंच में न फंसे

भाजपा को झूठ फैलाने के लिए माफी मांगनी चाहिए : सुप्रियो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो ने जैन समाज को आश्वस्त किया है कि राज्य सरकार गिरिडीह स्थित सम्मेद शिखर की पवित्रता अक्षुण्ण बनाये रखने को लेकर संवेदनशील है। भाजपा झूठ फैला रही है। सम्मेद शिखर मामले पर भाजपा को माफी मांगनी चाहिए। उक्त बातें मंगलवार को झामुमो केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में पार्टी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहीं। श्री भट्टाचार्य ने कहा कि सम्मेद शिखर मसले पर राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड की किरकिरी हो रही है। कहा जा रहा है कि हेमंत सोरेन सरकार ने इसे पर्यटन स्थल घोषित किया है, जो झूठ है।

श्री भट्टाचार्य ने सरकारी संकल्प दिखाते हुए बताया कि रघुवर दास सरकार में पर्यटन विभाग के (ज्ञापांक- 1391, 22-10-2018) में कहा कि सदियों से जैन धर्मावलंबियों का पवित्र तीर्थस्थल है। इसके बाद विभाग से एक गजट प्रकाशित करते हुए गिरिडीह के पारसनाथ को पर्यटन स्थल के तौर पर चिह्नित किया गया। इसी गजट के आधार पर भारत सरकार का गजट, 2 अगस्त 2019 को केंद्र से जारी हुआ। ऐसे में राष्ट्रीय मीडिया से भी सवाल है कि वे बिना सिर पैर की खबर ना चलायें, जैन समाज से भी आग्रह है कि वे भाजपा के प्रपंच में न फंसें, भाजपा को झूठ फैलाने के लिए माफी मांगनी चाहिए। भट्टाचार्य ने कहा कि गुजरात (भावनगर) में एक जैन मंदिर है, इसमें 12 दिसंबर को तोड़फोड़ हुई। गृह मंत्री और पीएम उसी राज्य से आते हैं, वे इस पर क्यों नहीं कुछ कह रहे। दिल्ली, मुंबई, रांची में रैलियां निकल रही हैं। झारखंड को निशाने पर रखा जा रहा है। केंद्र सरकार को चाहिए कि वह 2019 में पारसनाथ पर जारी संकल्प को सबों के सामने स्पष्ट करे, झूठ न फैलाये। वास्तव में भाजपा जैन समाज की विशुद्ध रूप से दुश्मन है। पारसनाथ की पवित्रता को खत्म करने की साजिश भाजपा की है, जो एक्सपोज हो गयी है। 20 दिसंबर 2022 को जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से भेंट की थी। इसके बाद अगले ही दिन पर्यटन सचिव ने जैन समाज की भावनाओं को देखते गिरिडीह डीसी को लेटर लिखते हुए वहां की पवित्रता बनाये रखने को कहा था। पिछले तीन वर्षों में कोई भी छेड़छाड़ नहीं की गयी है।

सीएम से सांसद, विधायक समेत कई ने की मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से काके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मंगलवार को सांसद, विधायक सहित कई अधिकारियों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में सांसद महुआ माजी, विधायक शिल्पी नेहा तिर्की। अधिकारियों में रेल के डीजी अनिल पालटा, एसीबी के डीजी अजय कुमार सिंह, विकास आयुक्त अरुण कुमार सिंह, सचिव सुनील कुमार तथा आइजी प्रशिक्षण प्रिया दुबे, मुख्य वन संरक्षक संजय श्रीवास्तव, कार्मिक विभाग की प्रधान सचिव वंदना डाडेल, कल्याण विभाग के सचिव के श्रीनिवासन, झारखंड सेवा संघ के पदाधिकारी, जेपीएससी की अध्यक्ष डॉ मेरी नीलिमा केरकेट्टा, सदस्य जमाल अहमद, डॉ अजिता भट्टाचार्य, डॉ अनिमा हांसदा आदि शामिल थे। सभी ने मुख्यमंत्री को नववर्ष की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। दूसरी ओर महाधिवक्ता राजीव रंजन ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात कर नववर्ष की बधाई एवं मंगलकामनाएं दीं।

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
एक मिनीरत्न कंपनी
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी)

सूचना

सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट **www.coalindia.in/** सम्बंधित अनुषंगी कम्पनी (सीसीएल, **www.centralcoalfields.in**) सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://coalindiatenders.nic.in** एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://eprocure.gov.in** पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, जीईएम पोर्टल **https://gem.gov.in** के माध्यम से भी खरीद की जाती है।

भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक-753006 (ओडिशा), भारत
ICAR- NATIONAL RICE RESEARCH INSTITUTE
CUTTACK-753 006, (ODISHA), INDIA
PHONE: 0671–2367768-783, FAX: 0671–2367663

Advertisement No. 42/GA/2022-23

Walk-in-Interview is to be held on **17.01.2023 for selection of one (01) Graduate Assistant (GA)** at the ICAR-National Rice Research Institute, Cuttack in the scheme **"Development of climate smart practices for climate resilient varieties" (EAP-260)**. The details regarding essential qualifications, age, amount of emoluments etc. and other terms and conditions are available in NRRI website - **https://icar-nrri.in.**

PRINCIPAL INVESTIGATOR

रेलवे रिक्रूटमेन्ट सेल
पूर्व तट रेलवे
दूसरी मंजिल, साउथ ब्लॉक, रेल सदन, चंद्रशेखरपुर, भुवनेश्वर, ओड़िशा-751017

शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) के लिए सांकेतिक सूचना

रोजगार सूचना संख्या (CEN) RRC-01/2019, दिनांक. 23.02.2019

केंद्रीकृत रोजगार सूचना संख्या (CEN) RRC-01/2019, दिनांक 23.02.2019 के संदर्भ में, शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों की सूची 26.12.2022 को आर.आर.सी. की वेबसाइट: rrcbbs.org.in पर प्रकाशित की गई है।

रेलवे रिक्रूटमेन्ट सेल (आरआरसी), पूर्व तट रेलवे, भुवनेश्वर, 10.01.2023 से 12.01.2023 तक पूर्व तट रेलवे स्टेडियम, मंचेश्वर, भुवनेश्वर में शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) आयोजित करेगा। पीईटी की तिथिवार एवं समयवार सूचना दिनांक 26.12.2022 को प्रकाशित की गयी है।

शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) में उपस्थित होने के लिए कॉल लेटर डाउनलोड करने हेतु उनके पंजीकृत ई-मेल पर एक लिंक भेजा जाएगा। उम्मीदवार पीईटी कॉल लेटर के साथ एक वैध पहचान पत्र, जैसा कि रोजगार सूचना में दर्शाया गया है, के साथ पीईटी में शामिल हो सकते हैं।

उम्मीदवारों को किसी भी अपडेट के लिए नियमित रुप से आरआरसी/बीबीएस की वेबसाइट rrcbbs.org.in देखने की सलाह दी जाती है।

PR-871/N/22-23 | उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/HQ

सम्मेद शिखर मामले में हेमंत सरकार लोगों को कर रही गुमराहः अमर बाउरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सम्मेद शिखर मामले को लेकर झारखंड सरकार के पूर्व पर्यटन, कला संस्कृति मंत्री अमर बाउरी ने हेमंत सरकार को घेरा है। अमर बाउरी ने कहा है कि झारखंड की हेमंत सरकार लोगों को गुमराह कर रही है।

झारखंड सरकार का कहना है कि रघुवर दास की सरकार के दौरान पारसनाथ को पर्यटन स्थल घोषित करने का कार्य किया गया है, जबकि सच्चाई इसके उलट है। रघुवर दास सरकार ने हमेशा ही सम्मेद शिखरजी की पवित्रता को अक्षुण्ण रखने के लिए कार्य किया है। अमर बाउरी ने आगे कहा कि हमारी सरकार ने इसे तीर्थ स्थल घोषित किया था। उन्होंने रघुवर सरकार के कार्यकाल में जारी पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के लेटर नंबर 1391 के तहत कार्यलाय ज्ञापांक जारी किया था। इसमें कहा

अमर बाउरी ने कहा कि हमारी सरकार ने इसे तीर्थ स्थल घोषित किया था

गया कि पारसनाथ सम्मेद शिखरजी पर्वत सदियों से जैन धर्मावलंबियों का विश्व प्रसिद्ध पवित्र एवं पूजनीय तीर्थ स्थल है। इसकी पवित्रता अक्षुण्ण रखने हेतु सरकार प्रतिबद्ध है।

विवाद हेमंत सोरेन सरकार द्वारा 17 फरवरी 2022 को जारी झारखंड गजट (संख्या - 117) के असाधारण अंक के प्रकाशन के बाद शुरू हुआ है। इसमें पर्यटन कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के 28 दिसंबर 2021 के संकल्प (संख्या पर्य नि./यो.- में झारखंड पर्यटन नीति, 2021 की घोषणा की थी। इसमें कहा गया कि झारखंड राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। यहां प्रकृति द्वारा कितने ही आकर्षक

पर्यटन स्थल वरदानस्वरूप प्राप्त हुए हैं।

यहां के मनमोहक जलप्रपात, जंगल, जलाशय व दृश्य देश-विदेश से अधिकाधिक पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। राज्य में विभिन्न जनजातियां, जिनकी अलग- अलग संस्कृति है, भी ग्रामीण पर्यटन की संभावना को बढ़ाते हैं। धार्मिक दृष्टिकोण से राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थल बाबा बैद्यनाथधाम मंदिर (देवघर), धार्मिक पारसनाथ मंदिर (गिरिडीह), मां भद्रकाली मंदिर (इटखोरी), रजरप्पा मां छिन्नमस्तिका मंदिर (रामगढ़), कौलेश्वरी मंदिर (चतरा), बासुकीनाथ धाम (दुमका) राज्य में धार्मिक पर्यटन की संभावना को बढ़ाते हैं। इसी प्रकार राज्य में खनन पर्यटन, साहसिक पर्यटन, स्वास्थ्य पर्यटन आदि की भी अपार संभावना है।

अमर बाउरी ने कहा कि इसी संकल्प के माध्यम से हेमंत सरकार ने सम्मेद शिखरजी को धार्मिक पर्यटन स्थल घोषित किया था। सारा विवाद इसके बाद से ही शुरू हुआ है। मेरी हेमंत सरकार से अपील है कि सम्मेद शिखरजी की पवित्रता को ध्यान में रखते हुए इसे पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के ज्ञापांक संख्या 1391, दिनांक 22.10.2018 के तहत तत्काल तीर्थ स्थल घोषित किया जाये और इसकी पवित्रता अक्षुण्ण बनायी रखी जाये।

रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव में झापा देगी प्रत्याशी

पूर्व महाधिवक्ता अजीत कुमार हो सकते हैं उम्मीदवार !

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ विधानसभा की विधायक रही ममता देवी की सदस्यता समाप्त हो गयी है। इसके बाद रामगढ़ विधानसभा में उपचुनाव होना है। हालांकि उपचुनाव की तारीख की घोषणा नहीं की गयी है, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के अलावा अन्य राजनीतिक पार्टियां भी इस उपचुनाव में ताल ठोंकने की तैयारी में हैं।

फेसबुक पेज पर लिखा हमारी पार्टी साफ सुथरी छवि का उम्मीदवार देगी

जेएमएम और बीजेपी के बीच बयानबाजी का दौर चल रहा है। इसी बीच झारखंड पार्टी (झापा) के कार्यकारी अध्यक्ष अजीत कुमार ने ये संकेत दिये हैं कि झारखंड पार्टी से रामगढ़ विधानसभा उप चुनाव में खुद चुनावी मैदान में उतर सकते हैं। पूर्व महाधिवक्ता और झारखंड पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष अजीत कुमार ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा है कि रामगढ़ का उप चुनाव हमारे लिए अहम होगा, हमारी पार्टी रामगढ़ में एक पढ़ा लिखा और साफ सुथरी छवि का उम्मीदवार देगी अथवा यदि पार्टी ने निर्णय लिया तो मैं स्वयं यानी अजीत कुमार, वरीय अधिवक्ता, पूर्व महाधिवक्ता उम्मीदवार हो सकता हूं। जाहिर है कि लूट, झूठ और धन तो विरोधियों के ही पास है तो हम सिर्फ सुनीति और सच्चाई के साथ ही चलेंगे।

जिहादियों की प्रयोगशाला बन गया है झारखंड : रघुवर दास

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। साहिबगंज में एक दलित युवक चंदन रविदास को समुदाय विशेष के युवकों द्वारा नंगा करके पीटने और जबरन प्रतिबंधित मांस खिलाने का मामला सामने आने के बाद भाजपा ने सरकार पर हमला बोला है। पीड़ित ने पांच मुस्लिम युवकों पर आरोप लगाते हुए एफआइआर दर्ज करायी है। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास ने कहा कि हेमंत राज में झारखंड जिहादियों की प्रयोगशाला बन गयी है। पीएफआइ के बढ़ते

प्रभाव के कारण राज्य में इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। हेमंत सरकार में इन पर कड़ी कार्रवाई की उम्मीद करना बेमानी ही है। अब जनता ही झामुमो, कांग्रेस और राजद सरकार को सबक सिखायेगी।

ये गैंग्स ऑफ साहिबगंज है: बाबूलाल

कहा- यहां डीसी और एसपी पंकज मिश्रा के इशारे पर नाच रहे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। साहिबगंज मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि ये गैंग्स ऑफ साहिबगंज है। वहां के डीसी और एसपी गुंडे, बदमाशों, लुटेरों के गिरोह के साथ मिल कर जेल में बंद सरगना पंकज मिश्रा के इशारे पर नाचते हैं। 1000 करोड़ रुपये की पत्थर लूट के इन गुनहगारों को जब तक सजा नहीं मिलेगी, तब तक वहां दलितों और आदिवासियों पर

ऐसे ही जुल्म होता रहेगा।

सोची-समझी साजिश के तहत कराया जा रहा धर्मांतरण: दीपक प्रकाश

उधर हजारीबाग के बरही अनुमंडल के बरसोत में 50 लोगों को जबरन शराब पिला कर और मांस खिला कर धर्म परिवर्तन कराने के मामले में भाजपा के

प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा है कि एक सोची-समझी साजिश के तहत इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा देने वाले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हजारीबाग की इस घटना की जितनी निंदा की जाये कम है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जरूरत है।

राज्यसभा चुनाव 2016 हॉर्स ट्रेडिंग मामले में इडी ने पुलिस से मांगी सुपरविजन रिपोर्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने राज्यसभा चुनाव 2016 हॉर्स ट्रेडिंग मामले में झारखंड पुलिस से सुपरविजन रिपोर्ट मांगी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इडी ने इससे पहले झारखंड पुलिस को पत्र लिख कर एफआइआर की कॉपी मांगी थी। इसके बाद इडी ने इस मामले में सुपरविजन और इंटरनल रिपोर्ट की मांग की है। साथ ही इडी द्वारा यह भी पूछा गया है कि क्या केस में प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट लगा है। पत्र द्वारा झारखंड पुलिस से जल्द से जल्द सभी जानकारी इडी को उपलब्ध करवाने की बात कही गयी है। झारखंड पुलिस से मिलनेवाले दस्तावेज में वर्णित तथ्यों की कानूनी नजरिये से समीक्षा के बाद प्राथमिकी दर्ज करने पर अंतिम निर्णय होगा। राज्यसभा हार्स ट्रेडिंग-2016 में चुनाव आयोग के निर्देश पर जगन्नाथपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी।

साल 2016 में मामला दर्ज हुआ था

केंद्रीय निर्वाचन आयोग के आदेश पर रांची के जगन्नाथपुर थाने में वर्ष 2016 में चुनाव को प्रभावित करने संबंधी मामला (154/18) दर्ज किया गया था। इस मामले की जांच के दौरान पूर्व मंत्री योगेंद्र साव और उनकी पत्नी तथा तत्कालीन विधायक निर्मला देवी का भी बयान लिया गया था। निर्मला देवी ने अपने बयान में आरोप लगाया था कि तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास और उनके सहयोगियों, विशेष शाखा के तत्कालीन एडीजी, तत्कालीन मुख्यमंत्री के सलाहकार ने उन्हें एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने के एवज में पांच करोड़ रुपये देने का लालच दिया था। साथ ही भाजपा में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था।

चाइबासा : गृह मंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

सिंहभूम में लोस चुनाव की तैयारी को लेकर शंखनाद करेंगे अमित शाह

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा । आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी को लेकर भाजपा के चाणक्य सह गृहमंत्री अमित शाह आगामी 7 जनवरी को चाइबासा पहुंचेंगे। इस दौरान सिंहभूम में लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर शंखनाद करेंगे। साथ ही भावी उम्मीदवारों को तैयारी करने का आश्वासन देकर जायेंगे। कौन उम्मीदवार होगा, इसकी पुष्टि अभी तक नहीं हो पायी है। लेकिन कई वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी लोकसभा सीट की

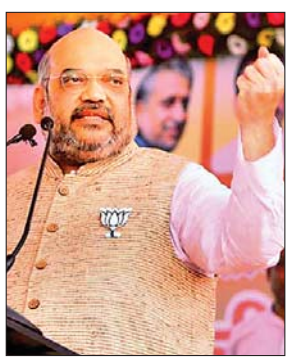

टिकट को लेकर तैयारी में जुटे हैं। भाजपा के जिला अध्यक्ष सतीश पुरी ने कहा कि फिलहाल किसी

कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए आ रहे अमित शाह

की भी उम्मीदवारी को लेकर विचार नहीं किया जा रहा है। संसदीय बोर्ड की ओर से लोकसभा सीट के उम्मीदवार का निर्णय लिया जाता है। भाजपा अपने संविधान के तहत हर कार्य करती है। कोल्हान में पहली बार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आगमन हो रहा है, जिसको लेकर तैयारी जोर शोर से की जा रही है। इसमें सभी वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि चांडिल, सरायकेला, चक्रधरपुर, चाइबासा, जगन्नाथपुर समेत विभिन्न स्थानों से हजारों की संख्या में लोग पहुंचेंगे।

जिला भाजपा कार्यालय में तैयारी को लेकर बैठक

जिला भाजपा अध्यक्ष सतीश पुरी की अध्यक्षता में जिला भाजपा कार्यालय में मंगलवार को बैठक आयोजित की गयी। बैठक में किस तरह से तैयारी बेहतर हो इस पर रणनीति बनायी गयी। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यहां के कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह गृहमंत्री अमित शाह पहुंचेंगे। आगामी लोकसभा की तैयारी अभी से शुरू कर दी गयी है। हमारा प्रयास है कि सिंहभूम लोक सभा सीट भाजपा के खाते में ही आये। बैठक में मुख्य रूप से जेबी तुबिद, हेमंत केसरी के अलावा कई वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव पर अमन साहू के नाम पर रंगदारी मांगने का आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मंगलवार को अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी किया है। जारी की गयी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मैं अमन साहू गैंग से मयंक सिंह यह बताना चाहता हूं, कि हमें अपने कई सूत्रों से यह सूचना प्राप्त हुई है कि पूर्व मंत्री योगेंद्र साव और उनके लोग हजारीबाग, रामगढ़, चतरा जिले के कई कोयला कारोबारियों, ट्रांसपोर्टरों, रेलवे ठेकेदारों, सरकारी कार्य कर रहे संवेदकों से भयादोहन कर

अमन साहू गैंग से मयंक सिंह ने लगाया आरोप

रंगदारी वसूली करने के लिए हमारे गैंग और हमारे बॉस अमन साहू के नाम ले रहे हैं। इसको लेकर पत्र के माध्यम से मयंक सिंह ने राज्य के सभी कोयला कारोबार से जुड़े लोगों, रेलवे ठेकेदारों, कोल खनन कंपनियों और कोल ट्रांसपोर्टिंग कर रही कंपनी के लोगों से आगाह किया है और कहा कि हमारे गैंग का पूर्व मंत्री योगेंद्र साव से किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं है। मयंक सिंह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि योगेंद्र साव की बेटी अंबा प्रसाद बड़कागांव से वर्तमान विधायक हैं और सत्ताधारी दल की सहयोगी। इसलिए योगेंद्र साव प्रशासन में अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर कई तरह के अनैतिक कार्य करते हैं। देश के जाने माने ठग सुकेश चंद्रशेखर की तर्ज पर ठगी और वसूली की दुकान चला रहे हैं। योगेंद्र साव की कार्यशैली के कारण हमारे गैंग के ऊपर लगातार कई फर्जी मुकदमे दर्ज हो रहे हैं।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 04 जनवरी, 2023
www.azadsipahi.in
04

जैक स्टूडेंट्स के लिए बड़ी खबर

14 मार्च से शुरू हो सकती है मैट्रिक-इंटर की परीक्षाएं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल यानी जैक बोर्ड के स्टूडेंट्स के लिए एक बड़ी खबर सामने आयी है। जानकारी के अनुसार राज्य सरकार के निर्देश के बाद जैक बोर्ड के चेयरमैन डॉ अनिल कुमार महतो ने मैट्रिक और इंटर परीक्षा को लेकर जानकारी दी है। जिसमें उन्होंने बताया कि मैट्रिक-इंटर की परीक्षा का डेटशीट जल्द जारी किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 14 मार्च 2023 से मैट्रिक और इंटर की परीक्षा आयोजित की जा सकती है। जैक बोर्ड मैट्रिक-इंटर परीक्षा की अधिक जानकारी के लिए झारखंड एकेडमिक काउंसिल की आधिकारिक वेबसाइट जैक.झारखंड.गर्वमेंट.इन या जैक.एनआइसी.इन पर लॉगइन किया जा सकता है। जैक बोर्ड के चेयरमैन डॉ अनिल कुमार महतो से मिली जानकारी के मुताबिक, होली के बाद मैट्रिक और इंटर की परीक्षा ली जा सकती है। परीक्षा एक ही टर्म में आयोजित की जायेगी। जिसमें पूरे सिलेबस से सवाल पूछे जायेंगे। उन्होंने बताया कि पिछले साल के मुकाबले इस बार परीक्षा केंद्रों की संख्या कम हो सकती है।

सर्वे में सिर्फ डेढ़ प्रतिशत लोगों ने लिया भाग

अर्बन आउटकम फ्रेमवर्क फीडबैक में पिछड़ रही रांची

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। देशभर के शहरों में शहरी विकास के लिए सरकार को दिये जाने वाले सुझाव अर्बन आउटकम फ्रेंमवर्क में फीडबैक देने के मामले में रांची पिछड़ रही है। जबकि, देश के अन्य शहरों में इसके लिए होड़ मची है। अभी तक महज डेढ़ प्रतिशत लोगों ने ही सर्वे में भाग लिया है। रांची के लिए यह चिंता की बात है क्योंकि कई शहर फीडबैक देने के मामले में आगे चल रहे हैं।

वहीं, रांची के लोग दूसरे शहरों की तुलना में सुस्त दिख रहे हैं। मालूम हो कि भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने अर्बन आउटकम फ्रेंमवर्क में दिये जाने वाले फीडबैक के लिए निर्धारित अवधि बढ़ा दी है। इसके लिए अंतिम तिथि 23 दिसंबर 2022 से बढ़ाकर 7 जनवरी 2023 कर दी गयी है। दूसरी ओर रांची को पिछड़ते हुए देखकर रांची नगर निगम और रांची स्मॉर्ट सिटी कॉरपोरेशन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वो अपने शहर की प्रतिष्ठा के लिए अधिक से अधिक संख्या में सर्वे में भाग लें। अपना फिडबैक दें।

कोई भी नागरिक अपने फोन के गूगल सर्च में जाकर इओएल 2022 में सिटिजेन प्रसेप्शन सर्वे पर क्लिक कर अपना डिटेल्स भरें। वहां पूछे गये चंद सवालों का जवाब देकर अपना फिडबैक सबमिट कर सकते हैं। इसके लिए रांची नगर निगम और रांची स्मार्ट सिटी के सोशल मीडिया एकाउंट पर एक क्यूआर कोड और लिंक भी पोस्ट किया जा रहा है।

रांची नगर निगम और रांची स्मॉर्ट सिटी कॉरपोरेशन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वो अपने शहर की प्रतिष्ठा के लिए अधिक से अधिक संख्या में सर्वे में भाग लें

कई शहरों से है कड़ा मुकाबला

अब तक प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक शहर के मात्र डेढ़ प्रतिशत लोगों ने अर्बन आउटकम फ्रेमवर्क में भाग लिया है। हालांकि, राहत की बात है कि रांची ने भी फीडबैक में जरूरी अहर्ता न्यूनतम 1% की संख्या पार कर लिया। मगर दूसरे शहरों की तुलना यह काफी कम है। यही वजह है कि अर्बन आउटकम फ्रेमवर्क फीडबैक में कई शहरों से रांची का कड़ा मुकाबला है।

ऐसे फैलायी जा रही जागरूकता

- रांची स्मार्ट सिटी द्वारा शहर के 50 चौक-चौराहों पर वैरिएबल मैसेज साइन बोर्ड के माध्यम से जानकारी दी जा रही है।
- रांची स्मार्ट सिटी सभी पब्लिक एड्रेस सिस्टम से लोगों के जानकारी दे रही है।
- रांची नगर निगम की सॉलिड वेस्ट कलेक्शन वाहनों पर लगे ध्वनी प्रसारण यंत्र से भी हो रहा प्रचार प्रसार।
- रांची नगर निगम के सुपरवाइजर लोगों से मिलकर फीडबैक देने का कर रहे आग्रह।
- अखबार व डिजीटल मीडिया के माध्यम से भी समय-समय पर दी जा रही है लोगों को जानकारी।

अखबार विक्रेता को दी गयी आर्थिक मदद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मंगलवार को रांची के बस डिपो अखबार विक्रय सेंटर पर अखबार विक्रेता किशोरी साहू के परिवार के सदस्य सुरेंद्र साहू को अखबार अभिकर्ता और विक्रेता द्वारा 7500 रुपये की आर्थिक मदद की गयी। इस दौरान अखबार अभिकर्ता मांधाता सिंह (मंटू सिंह), संजय शर्मा, राम चौधरी शामिल रहे। वहीं अखबार विक्रेता की ओर से सुनील केसरी, अनिल कुमार साहू, शंकर चौधरी, साही, गणेश, एचएन चौधरी शामिल रहे। सेंटर इंचार्ज राम जी, विजय, अरविंद, ब्रिज, गुड्डू आदि मौजूद थे।

जयंती पर याद किये गये जयपाल सिंह मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजयुमो कला और खेल प्रकोष्ठ रांची महानगर ने मंगलवार को जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रांची नगर निगम की मेयर डॉ आशा लकड़ा, विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजयुमो कला और खेल प्रकोष्ठ के संयोजक आशुतोष द्विवेदी, प्रधानमंत्री जन कल्याणकारी जागरुकता अभियान के प्रदेश अध्यक्ष राहुल कुमार दुबे सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। आशा लकड़ा ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा ने संविधान सभा के सदस्य के रूप में 1946 को आदिवासियों के हितों की रक्षा में मुखर होकर बोले थे। इसलिए हमें और हम सभी लोगों को उनके बताये हुए रास्ते पर चलने की जरूरत है। आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा भारतीय आदिवासियों और झारखंड आंदोलन के एक सर्वोच्च नेता थे। वर्ष 1925 में ऑक्सफोर्ड फोर्ड ब्लू का खिताब पाने वाले हॉकी के एकमात्र अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी थे। उनकी कप्तानी में 1928 के ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक प्राप्त कर पूरे देश में अपना नाम रोशन किया है। इस दौरान समाजसेवी रवि मुंडा, रजत आनंद, ऋषि राज दुबे, रुहानिका दुबे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भाजयुमो कला और खेल प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित था कार्यक्रम

कांग्रेस ने जयपाल सिंह मुंडा की जयंती मनायी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर की अध्यक्षता में रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में मनायी।

मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए जयपाल सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जयपाल सिंह मुंडा दृढ़ इच्छाशक्ति वाले और कुशल संगठनकर्ता थे। अपने बुलंद इरादों और दृढ़ इक्षाशक्ति के कारण ही उन्होंने खेल के मैदान से लेकर राजनीति में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। भले ही उन्हें पहचान एक आदिवासी नेता के रूप में मिली, पर उनकी शख्शियत ने ये भांप लिया था कि झारखंड अलग राज्य बनाना है तो सभी को साथ लेकर चलना होगा।मौके पर प्रदेश महासचिव अमूल्य नीरज खलखो, राकेश सिन्हा, राजीव रंजन प्रसाद, नेली नाथन, निरंजन पासवान, सुंदरी तिर्की, केदार पासवान, पप्पू अजहर सहित अन्य उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुआ कार्यक्रम

रांची में सांसद खेल महोत्सव के लिए पंजीकरण 20 जनवरी से

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सांसद खेल महोत्सव के आयोजन को लेकर मंगलवार को रांची के सांसद संजय सेठ के केंद्रीय कार्यालय में हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। यह निर्णय लिया गया कि रांची लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्र हटिया, कांके, खिजरी, ईचागढ़, सिल्ली क्षेत्रों के खिलाड़ियों को इस महोत्सव में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा।

निर्णय हुआ कि संबंधित क्षेत्रों के विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों से भी संपर्क किया जायेगा। 17, 18 और 19 फरवरी को मेगा स्पोर्ट्स कंपलेक्स, खेलगांव में आयोजित इस खेल महोत्सव को लेकर दो हजार से अधिक खिलाड़ियों के शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है। खेल महोत्सव में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, वुशू, कबड्डी, योगासन और बैडमिंटन जैसे खेलों को स्थान दिया गया है। बैठक के बाद सांसद ने कहा कि खेल महोत्सव की तैयारियों और इसके व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी दी गयी हैं। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 20 जनवरी से शुरू होगी, जो पांच फरवरी तक चलेगी। बहुत जल्द विभिन्न खेलों से जुड़े लोगों का संपर्क सूत्र भी जारी किया जायेगा। इसके माध्यम से भाग लेने वाले खिलाड़ी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। बैठक में पूर्व राज्यसभा सांसद और महोत्सव के संयोजक अजय मारू, वरिष्ठ भाजपा नेता संदीप वर्मा, झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के मधुकांत पाठक, शिवेंद्र कुमार दुबे, चंचल भट्टाचार्य, श्रीदेव सिंह, रमेंद्र कुमार मौजूद थे।

डॉ रेमी सिन्हा का निधन, शोक

रांची (आजाद सिपाही)। मंगलवार को संजय गांधी मेमोरियल कॉलेज में शोकसभा का आयोजन किया गया। संजय गांधी मेमोरियल कॉलेज की मानव विज्ञान विभाग की शिक्षिका का निधन होने पर शोकसभा का आयोजन किया गया। डॉ रेमी सिन्हा का निधन 02/03/2023 को दोपहर 1 बजे निजी अस्पताल में हुआ था।

पिछले 1 महीने से वह काफी अस्वस्थ चल रही थीं। उनके निधन से संजय गांधी मेमोरियल कॉलेज में शोक की लहर व्याप्त है। वह बहुत ही मृदुभाषी और सौम्य व्यवहार की शिक्षिका थीं। उनके जाने से शिक्षा जगत में एक शून्य पैदा हुआ है जिसे भरा नहीं जा सकता है। कॉलेज के शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारी तथा छात्रों ने उनकी याद में 2 मिनट का मौन रखा। इस दौरान उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रर्थना की गयी।

डीएसपीएमयू में सावित्रीबाई फुले की जयंती मनायी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मंगलवार को श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची में भारत की प्रसिद्ध समाज सुधारिका और मराठी कवियत्री सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर उन्हें स्मरण कर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके समाज के प्रति, विशेष तौर पर स्त्री अधिकारों और शिक्षा की दिशा में योगदानों की चर्चा की गयी। गौरतलब है कि उन्हें आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना जाता है। मौके पर कुलसचिव डॉ नमिता सिंह, डीएसडब्ल्यू डॉ एस एम अब्बास, वित्त पदाधिकारी आनंद कुमार मिश्रा, डॉ सर्वोत्तम कुमार, डॉ पीयूषबाला सहित विद्यार्थी उपस्थित थे। यह जानकारी पीआरओ प्रो राजेश कुमार सिंह ने दी।

झारखंड विधानसभा 2023 का कैलेंडर जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो के कार्यालय में मंगलवार को सभा सचिवालय के विभिन्न संवर्गों के पदाधिकारियों ने भेंट कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किये तथा नववर्ष की बधाइयां दीं।

इस अवसर पर झारखंड विधानसभा के प्रभारी सचिव सैयद जावेद हैदर ने झारखंड विधानसभा का 2023 का कैलेंडर विधानसभा अध्यक्ष को प्रस्तुत किया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने उसे जारी किया। इस मौके पर शिशिर कुमार झा, रंजीत कुमार, अनूप कुमार लाल, गुरु चरण सिंकु, रीता बसावतिया, राव दीपेंद्र, सरोज कुमार, रामाशीष यादव, सुनील कुमार, एवं अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

10 जनवरी को होगी कैबिनेट की बैठक

रांची (आजाद सिपाही)। नये साल 2023 में हेमंत सरकार की कैबिनेट की पहली बैठक 10 जनवरी को प्रोजेक्ट भवन में होगी। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) द्वारा सूचित किया गया है कि मंत्रिपरिषद् की बैठक रांची में मंगलवार (10 जनवरी, 2023) को अपराह्न 4 बजे से होगी। यह बैठक झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद् कक्ष में होनी है। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण मामलों पर निर्णय लिया जा सकता है।

चंदन रविदास और उनके परिजनों से मिले भाजपा विधायक

ऐसी घटना बर्दाश्त करने योग्य नहीं: अनंत ओझा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची /उधवा। राधानगर थाना क्षेत्र के पाकीजा मोड़ स्थित टावर के पास बीते शनिवार की रात को प्रतिबंधित मांस व शराब का सेवन नहीं करने पर पांच लोगों ने मिलकर दलित व्यक्ति चंदन रविदास (40) की निर्ममता पूर्वक जमकर पिटाई कर दी थी। राजमहल से भाजपा विधायक अनंत ओझा ने पीड़ित परिवार के मोहनपुर पंचायत के तालबन्न तीन घड़ियां गांव में स्थित उनके घर पर पहुंच कर घटना में घायल चंदन रविदास और उनके परिजनों से मिले। पीड़ित के भाई मनोज रविदास और मां सावित्री वेबा ने विधायक को घटना की पूरी जानकारी दी। उन्होंने ने बताया कि पहाड़गांव के मिठुन शेख सहित पांच लोगों एक साथ गौ मांस और शराब का सेवन कर रहा था। चंदन रविदास को देखकर मिठुन शेख और उसके साथी ने उस पर गौ मांस खाने के लिए दबाव बनाने लगा जब चंदन ने गौ मांस खाने से मना किया और गौ मांस खाना अपने धर्म के विरुद्ध जाने की बात कही तब अपराधियों ने चंदन रविदास के मुहं में जबरदस्ती गौ मांस ठूस दिया और शराब उसके मुहं पर छिड़क दिया। उसके बाद बोल्डर से उसको निर्ममतापूर्वक पिटाई करके के उसको दौड़ा- दौड़ा के मारा। चंदन ने भागकर अपनी जान बचायी और अपने भाई को घायल स्थित में घटना की जानकारी दी। अनंत ओझा ने कहा कि कानून हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं है। साल के पहले दिन ही इस तरह की वीभत्स कारी घटना जिस तरह से चरमपंथी विचार के अपराधियों द्वारा दलित समाज के युवक को निर्ममतापूर्वक पिटाई किया। ऐसी घटना बर्दाश्त करने योग्य नहीं हैं। उन्होंने ने कहा कि हमने पुलिस प्रसासन को कहा है कि आगे इस तरह का घटना ना उसके लिए अपराधियों पर कठोर कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी इसी जिला से आते हैं और मुख्यमंत्री संज्ञान में ले कर इस तरह से सामाजिक सौहार्द्र बिगाड़ने वाले तत्वों पर कार्रवाई करें। इस मौके पर जिला अध्यक्ष रामदरश यादव, रामानंद साह, गौतम यादव, विनोद चौधरी, प्रताप राय, विक्रम सरकार सहित अन्य मौजूद थे।

मनरेगा आयुक्त सह झारखंड राज्य बाल संरक्षण संस्था की निदेशक राजेश्वरी बी ने कहा

बाल अधिकार के क्षेत्र में कार्यरत लोग बच्चों की देखभाल करें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मनरेगा आयुक्त सह झारखंड राज्य बाल संरक्षण संस्था की निदेशक राजेश्वरी बी ने कहा कि विभिन्न आपदा एवं सामाजिक कारणों से गैर संस्थागत देखभाल अंतर्गत आच्छादित बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए ऐसे बच्चों को पश्चवर्ती देखभाल कार्यक्रम से जोड़ना अति महत्वपूर्ण है, ताकि इन बच्चों को आधारभूत सुविधाओं के साथ-साथ एक उज्ज्वल भविष्य दिया जा सके। राजेश्वरी बी मंगलवार को ग्रामीण विकास विभाग के सभागार में बच्चों की पश्चवर्ती देखभाल मार्गदर्शिका का विभिन्न हितधारकों द्वारा गठित प्रारूप की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न गृहों में आवासित बच्चों का समाज में एकीकरण की दिशा में कड़े कदम उठाना अति महत्वपूर्ण मामला है। हमें इस दिशा में कार्य करना होगा। राजेश्वरी बी बच्चों के पश्चवर्ती देखभाल मार्गदर्शिका का विभिन्न हितधारकों द्वारा गठित प्रारूप की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि नीति प्रारूप का निर्धारण करने के उपरांत इसे क्रियान्वित करने को अतिरिक्त मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित करना अति आवश्यक है। मनरेगा आयुक्त ने हितधारकों के सुझाये गये प्रस्तावों पर सहमति जताते हुए कहा कि विभिन्न आपदा और सामाजिक कारणों से गैर संस्थागत देखभाल के अंतर्गत आच्छादित बच्चों का बेहतर भविष्य करने के लिए इन बच्चों की आवश्यकता का आकलन जिला स्तर पर करते हुए इन्हें पश्चवर्ती देखभाल कार्यक्रम से जोड़ना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष काजल यादव, यूनिसेफ बाल रक्षक भारत, सिनी, मिरकल फाउंडेशन, विधि विश्वविद्यालय, जिला बाल संरक्षण इकाई, केंद्रीय मनः चिकित्सा संस्थान और राज्य बाल संरक्षण इकाई के प्रतिनिधि मौजूद थे।

गवाह नहीं आये तो कड़ा रुख अपनायेगा कोर्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विधानसभा चुनाव में कांके विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी रहे सुरेश बैठा की इलेक्शन पिटीशन पर झारखंड हाइकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान भाजपा विधायक समरी लाल की ओर से गवाह प्रस्तुत किया जाना था, लेकिन उनकी ओर से कोई गवाह अदालत में उपस्थित नहीं हुआ। इस पर अदालत ने नाराजगी जाहिर करते हुए विधायक समरी लाल को निर्देश दिया कि अगली सुनवाई में ऑफिशियल नहीं पहुंचे, तो कोर्ट उनके खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार करेगा। याचिकाकर्ता सुरेश बैठा की ओर से हाइकोर्ट के अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, विभास सिन्हा और अविनाश अखौरी ने कोर्ट के समक्ष पक्ष रखा।

वहीं समरी लाल की ओर से अधिवक्ता अमर कुमार सिन्हा ने पक्ष रखा। बता दें कि वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में कांके विधानसभा की आरक्षित सीट से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार सुरेश बैठा और बीजेपी के प्रत्याशी समरी लाल चुनाव लड़े थे। मतगणना के बाद भाजपा के प्रत्याशी समरी लाल को निर्वाचित घोषित किया गया था। जिसके बाद सुरेश बैठा ने झारखंड हाइकोर्ट में याचिका दाखिल कर समरी लाल के निर्वाचन को रद करने की मांग की है। इसके पीछे उन्होंने आधार दिया है कि समरी लाल द्वारा चुनाव के दौरान दिया गया जाति प्रमाण गलत है।

आध्यात्मिक जीवन शैली : कोविड-19 के परिप्रेक्ष्य में एक्सपर्ट टॉक का आयोजन

आत्म तत्व को पहचान कर उसके सम्मुख जीवन जीने की विधि अध्यात्म है : आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय के सभागार में आध्यात्मिक जीवन शैलीः कोविड-19 के परिप्रेक्ष्स में शीर्षक पर एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि सह वक्ता महंत सिद्ध पीठ, हनुमंत निवास श्रीअयोध्या धाम, उत्तर प्रदेश के आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण महाराज ने अपने आध्यात्मिक एवं प्रेरक विचारों से ना केवल ज्ञानवर्धन किया, बल्कि विश्वविद्यालय के छात्रों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों को जीवन मूल्यों, उद्देश्यों, दैनिक व्यवहार एवं आचरण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर सकारात्मक एवं उपयोगी विचारो द्वारा आध्यात्मिकता से परिचित कराया।

आध्यात्मिकता की व्यापक भूमिका के बारे में विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि अध्यात्म जीवन प्रबंधन की अवधारणा है। आत्म तत्व को पहचान कर उसके सम्मुख जीवन जीने की विधि अध्यात्म है। उन्होंने मानव जीवन के लिए निर्धारित धर्म के दस लक्षणों की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि निर्माण सदैव प्रतिकूलता में होती है, अनुकूलता में तो केवल विकास होती है। धर्म, योग, अध्यात्म, सत्संग, विवेक व कल्याण आदि की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आज धर्म उपेक्षा और अरुचि का विषय बन गया है। जीवन में धर्म की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार धर्म है। जो हमें धारण करे वह धर्म है। हमारे आचार, व्यवहार से धर्म परिलक्षित होता है।

धर्म एवं अध्यात्म का परस्पर संबंध है। धर्म किसी उपासना का नहीं अपितु मनुष्य बनाने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। उन्होंने जीवात्मा एवं परमात्मा के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि असुरक्षा बोध एवं मृत्यु का डर ही हिंसा का कारक है। उन्होंने भय एवं आशंकाओं से रहित होकर कर्तव्य पथ पर चेतनायुक्त भाव से लगे रहने की सलाह दी।

छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में मुश्किलों को चुनने वाले हैं महान बन पाते हैं। राम ने सारी सुविधाओं को परित्याग कर दंडकवन को स्वीकार किया था तो ही वे श्रीराम बन पाए।

मनुष्य होने के लिए श्रीराम को आदर्श मानकर उनके विचारों को जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है। आगे उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक होने का अर्थ देशकाल एवं परिस्थिति के अनुकूल व्यवहार करना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर गोपाल पाठक ने रामचरितमानस के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि परहित से बड़ा कोई धर्म नहीं है और दूसरों को कष्ट देने से बड़ा कोई पाप नहीं है। उन्होंने छात्रों एवम प्राध्यापकों से आध्यात्म मार्गों को अपनाने की प्रेरणा प्रदान करते हुए रामचरितमानस एवं भगवद्गीता को अध्ययन करने की सलाह दी।

कार्यक्रम में स्वागत अभिभाषण प्रस्तुत करते हुए मानविकी की डीन प्रोफेसर नीलिमा पाठक ने अध्यात्म के अर्थ की चर्चा करते हुए कहा कि मन को सार्थक रूप देना तथा उसे उदात्तता तक पहुंचाना जीवन का उद्देश्य है। हम जीवन में धैर्य, करुणा, सत्य, ईमानदारी को विकसित कर ही आध्यात्मिक बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं की सीमा से बाहर निकल कर हम की सीमा में प्रवेश ही आध्यात्मिक होना है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ नम्रता चौहान एवं डॉ नीतू सिंघी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन की औपचारिकता डॉ अशोक कुमार अस्थाना द्वारा प्रस्तुत की गयी।

कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो विजय कुमार सिंह, उप कुलसचिव प्रो अमित गुप्ता, डॉ संदीप कुमार, डॉ सुबानी बाड़ा, आशुतोष द्विवेदी, डॉ रिया मुखर्जी, अजय कुमार, प्रवीण कुमार, डॉ संजीव कुमार सिन्हा, डॉ राधा माधव झा, डॉ पूजा मिश्रा, डॉ भारद्वाज शुक्ल, डॉ मनोज पांडे, डॉ कुणाल सिन्हा, प्रो एलजी हनी सिंह, डॉ पिंटू दास, अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, डॉ अभिषेक चौहान, रविंद्र तिवारी, डॉ अरविंद भंडारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
ICAR- NATIONAL RICE RESEARCH INSTITUTE
CUTTACK-753 006, (ODISHA), INDIA
PHONE: 0671–2367768-783, FAX: 0671–2367663, E-mail: crrictc@nic.in
Advertisement No. 43/YP-I/2022-23
Walk-in-interview is to be held on **16.01.2023 for selection of one (01) Young Professional-I (YP-I)** at the ICAR-National Rice Research Institute, Cuttack in the scheme **"Biological Nitrification Inhibition (BNI) in Rice: A Novel Approach to Enhance Nitrogen (N) use Efficiency *vis a vis* reducing denitrification N-loss" (EAP-350)**. The details regarding essential qualifications, age, amount of emoluments etc. and other terms and conditions are available in ICAR-NRRI website **https://icar-nrri.in.**
PRINCIPAL INVESTIGATOR

महत्वपूर्ण न्यूज

कैप्टन शिवा चौहान बनी दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर में तैनात होनेवाली पहली महिला ऑफिसर

रांची (आजाद सिपाही)। कैप्टन शिवा चौहान फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स (सियाचिन ग्लेशियर के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र में तैनात होने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं हैं, कैप्टन शिवा चौहान की तैनाती दुनिया की सबसे ऊंची रण भूमि सियाचिन ग्लेशियर के कुमार पोस्ट पर हुई है, सियाचिन ग्लेशियर पृथ्वी पर सबसे ऊंचा युद्ध का मैदान है। कैप्टेन शिवा की इस उपलब्धि की चर्चा पूरे देश हो रही है भारतीय सेना के फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से कैप्टन शिवा चौहान की इस सफलता के बारे में खुद जानकारी दी है। बताते चलें कि इस चुनौती वाली पोस्टिंग से पहले कैप्टन शिवा को बहुत ही कठोर प्रशिक्षण के दौर से गुजरना पड़ा है। फायर एंड फ्यूरी कॉप्स भारतीय सेना की एक कॉर्प्स है, ये सेना के उधमपुर स्थि नॉर्दर्न कमांड का एक हिस्सा है, सियाचिन ग्लेशियर की देखभाल और रखवाली भी इसके पास है।

अंकिता कैटरर और टेंट हाउस के 30 वर्ष पूरे

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड रांची के अंकिता कैटरर और टेंट हाउस का तीस वर्ष पुरा हो चुका है इस अवसर पर अंकिता कैटरर और टेंट हाउस के संचालक जयंत राय और सौरभ राय ने झारखंड विधान सभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो से भेट कर नव वर्ष की बधाई दी और कैलेंडर सौंपा मौके पर विधान सभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने प्रतिष्ठान के तीस वर्ष होने पर बधाई दी और कहा नव वर्ष पर प्रतिष्ठान और बुलंदियो को छुये और आगे बढे। रांची की महापौर आशा लकड़ा, रांची के विधायक सीपी सिंह, राज्यसभा सांसद महुआ मांझी , उप महापौर संजीव विजय वर्गीय समेत कई वरिष्ठ लोगों ने अंकिता कैटरर एवं टेंट हाउस के 30 वर्ष होने पर उन्हें बधाई और उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह कैटरर और टेंट हाउस लगातार इसी तरह अपनी प्रगति की राह पर बढ़ते हुए ग्राहकों को अच्छी सेवा देते रहे।

यंग इंडियन ने बच्चियों की स्वास्थ्य जांच करायी

रांची (आजाद सिपाही)। यंग इंडियन ने मंगलवार को रांची स्थित एक शेल्टर होम में स्वास्थ्य शिविर लगा कर बच्चियों के रक्त की जांच करायी। सीआइआइ की आनुषांगिक इकाई 'यंग इंडियन' के रांची चैप्टर ने यह आयोजन किया। लड़कियों के आश्रय स्थल में उनके विद्यालय जाने के पूर्व शिविर लगा रक्त जांच कर उनके ब्लड ग्रुप एवं हीमोग्लोबिन की जांच रिपोर्ट दी गयी। लालपुर स्थित हेल्थ केयर डायग्नोस्टिक सेंटर के संचालक अभिषेक मोदी के सहयोग से यह रक्त जांच शिविर लगाया गया। यंग इंडियन के रांची चैप्टर के चेयरपर्सन हर्ष पसारी ने इस अवसर पर बताया कि समाज की अंतिम पंक्ति के लोगों तक स्वास्थ्य, स्वच्छता, सामाजिक सुरक्षा पहुंचाना यंग इंडियन के हर सदस्य का संकल्प है। यंग इंडियन का रांची चैप्टर लगातार कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम में सहचेयर पर्सन निखिल अग्रवाल, निवर्तमान चेयर विकास सिन्हा, राहुल पांडेय, सुरेश कयाल, शामिल हुए।

अस्पतालों को नहीं हो रहा भुगतान, आयुष्मान योजना के मरीजों का इलाज करने से इनकार

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी के निजी अस्पतालों ने आयुष्मान भारत योजना के लाभुक गंभीर मरीजों को भर्ती लेना बंद कर दिया है। 35 करोड़ रुपये से अधिक बकाया होने के कारण निजी अस्पतालों ने यह फैसला लिया है। जिन मरीजों के इलाज में एक लाख रुपये से अधिक का खर्च आ रहा है, उन्हें रिम्स समेत दूसरे सरकारी अस्पतालों का रास्ता दिखाया जा रहा है। इससे कैंसर समेत अन्य गंभीर रोगों से पीड़ित लाभुक मरीजों के समक्ष बड़ी समस्या खड़ी हो गयी है। बड़े निजी अस्पताल ब्रेन और हार्ट सर्जरी नहीं कर रहे हैं। जब इस मामले की पड़ताल की गयी तो पता चला कि कई अस्पताल संचालकों पर पांच करोड़ से ज्यादा का कर्ज हो चुका है। बच्चों के सबसे बड़े अस्पताल रानी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल का आठ करोड़ का क्लेम बकाया है। ये सभी क्लेम एक लाख से ऊपर के हैं। प्रति माह यहां आयुष्मान से 50 लाख से 75 लाख तक का इलाज होता है। सरकारी अस्पताल रिम्स का भी एक करोड़ रुपये से अधिक के क्लेम का भुगतान पेंडिंग है।

69 वर्षीय सुरेंद्र प्रसाद के परिजनों ने मौत के बाद उनका देह रिम्स में मेडिकल स्टूडेंट्स की पढ़ाई के लिए दान किया

रांची (आजाद सिपाही)। डोरंडा स्थित मेकॉन कॉलोनी के रहने वाले 69 वर्षीय सुरेंद्र प्रसाद के परिजनों ने मौत के बाद उनका देह रिम्स में मेडिकल स्टूडेंट्स की पढ़ाई के लिए दान कर दिया। मंगलवार को सुबह 11 बजे उनका पार्थिव शरीर रिम्स के एनाटॉमी विभाग को सौंप दिया गया। परिजनों ने बताया कि वे पश्चिम बंगाल में हिंदुस्तान मोटर्स में कार्यरत थे। रिटायरमेंट के बाद रांची में अपने भाई के साथ रहते थे उनकी इच्छा थी कि मृत्यु के बाद उनका देह दान कर दिया जाए। साथ ही कहा था कि मरने के बाद यदि उनका शरीर किसी काम आ जाये तो यही सच्चा मोक्ष होगा। परिजनों ने यह भी बताया कि समाज सेवा से जुड़े रहते हुए उन्होंने तकरीबन 55 लावारिस लाशों का दाह संस्कार किया था। सोमवार को उनकी सांसे थम गई और उनकी इच्छा अनुसार शव रिम्स को सौंप दिया गया। एमबीबीएस फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट्स को शारीरिक संरचना की शिक्षा देने में इनके शरीर का उपयोग किया जाएगा। एनाटॉमी विभाग में स्टूडेंट्स को शरीर का वाह्य, आंतरिक और सूक्ष्मदर्शी अध्ययन कराया जाएगा, वहीं रिम्स के पीआरओ ने बताया कि रिम्स के वेबसाइट पर देहदान (बॉडी डोनेशन) फॉर्म उपलब्ध है। इच्छुक लोग इस फॉर्म को दो सेट में भर कर रिम्स में जमा कर सकते हैं मृत्यु के बाद सूचना मिलने पर रिम्स से एम्बुलेंस भेजा जाता है और इसके लिए कोई चार्ज नहीं लिया जाता। बताते चलें कि रिम्स में अब तक 37 लोगों ने बॉडी डोनेट करने का संकल्प लिया है और 6 बॉडी रिम्स को मिल चुके हैं।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा ने मनायी सावित्रीबाई फुले की जयंती

रांची (आजाद सिपाही)। मंगलवार को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा रांची महानगर के तत्वावधान में महान समाज सुधारक प्रथम शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की 193 जयंती समारोह कांके रोड स्थित मोर्चा के महानगर कार्यालय में संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष राम लगन राम, और संचालन महामंत्री विनोद राजन ने किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से भाजपा नेता उपेंद्र कुमार रजक, नकुल तिर्की, राजेश भगत, विकास कुमार रवि, राकेश राम, मनोज कुमार मालाकार, संजय मालाकार उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि के साथ की गयी। मौके पर उपस्थित उपेंद्र रजक, राम लगन राम, नकुल तिर्की ,राजेश भगत, राकेश राम, नीरज नायक ने कहा कि कहा कि भारतीय जनता पार्टी बहुजन समाज में जन्मे सभी संत महात्माओं को जीवन एवं संघर्षों को आगे लाने का प्रयास किया है। पूर्ववर्ती सरकारों ने बहुजन समाज में जन्मे संत महात्माओं को जीवन संघर्षों को कभी सामने नहीं लाया। वह सिर्फ वोट के लिए यूज एंड थ्रो के रूप में उपयोग किया। कार्यक्रम में राकेश राम, नीरज नायक, संतोष कुमार रवि, संजय मालाकार, संतोष मालाकार, कुंदन सिंह, नैन पवार, राजा भट्टाचार्य, बबन कुमार, जगदीश दास, नारायण नायक, सुग्रीव साहू, लल्लू मालाकार, अमन सैनी ,करण नायक, शंकर करमाली ,राजेंद्र राम, राजू रजक, प्रदीप लकड़ा, रंजीत रजक, संजय रविदास, उपस्थित थे। यह जानकारी प्रदीप कुमार रवि ने दी।

इरफान अंसारी को ग्राम प्रधानों ने घेरा

रांची (आजाद सिपाही)। जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी को मंगलवार को नारायणपुर मोड़ के पास ग्रामीणों ने 1 घंटे के लिए रोक लिया। उनकी गाड़ी रोककर ग्राम प्रधानों ने अपनी मांगों को रखा। ग्राम प्रधानों और मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि जहां पुर्वती सरकार ने उनके साथ अन्याय किया है। वहीं मौजूदा सरकार में कुछ पदाधिकारियों की लापरवाही के कारण हमारी मांगों को जानबूझकर दबाया जा रहा है। इसके बाद विधायक विधायक इरफान अंसारी ने ग्राम प्रधानों को काफी देर समझाया। काफी समझाए जाने के बाद ग्रामीण माने और विधायक को जाने दिया। वहीं विधायक ने उन्हें यह भरोसा दिलाया कि हेमंत सोरेन सरकार आपके साथ खड़ी है और पदाधिकारियों के मनमानी यहां नहीं चलने देंगे। आप लोगों की मांगों पर जल्द सरकार संज्ञान में लेकर सकारात्मक निर्णय लेगी।

माता सावित्रीबाई फुले को राजेश गुप्ता ने दी श्रद्धांजलि

उनके नाम से योजना आरंभ करने के लिए सीएम का आभार जताया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। माता सावित्रीबाई फुले ने देश में कठिन संघर्ष कर महिलाओं के लिए शिक्षा का द्वार खोलने का आंदोलन चलाया था, जिसका परिणाम है कि आज भारत की नारियां देश ही नहीं; बल्कि विदेशों में भी परचम लहरा रही है। उक्त बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कहीं। उन्होंने राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्यालय में देश की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की जयंती पर उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा झारखंड सरकार के प्रति आभार व्यक्त करता है कि सरकार ने सावित्री बाई फुले बालिका समृद्धि योजना का शुभारंभ किया है। श्री गुप्ता ने सरकार से मांग किया है कि जिस तरह से देश में शिक्षक दिवस मनाया जाता है, उसी तरह से देश में महिला शिक्षिका दिवस मनाई जाये, ताकि बच्चों के बीच उनके बारे में संदेश और प्रेरणा जा सके, जो संघर्ष और बलिदान माता सावित्रीबाई फुले ने दिया है, उसके लिए देश के समस्त नारी जाति के साथ पुरुष जाति भी आज उनका कृतज्ञ है इस अवसर पर अभय प्रसाद, राम लखन साहू, संतोष शर्मा, श्याम सुंदर प्रसाद, शिव प्रसाद साहू आदि उपस्थित थे।

छह से श्रीमद्भागवत कथा का रसपान करायेंगे सदानंद महाराज

आठ को 151 जोड़ों का आदर्श सामूहिक विवाह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी रांची के तत्वावधान में 06 से 9 जनवरी 2023 तक रांची के शिवगंज हरमू रोड सत्संग भवन में स्वामी श्री सदानंद जी महाराज श्रीमद् भागवत कृष्ण कथा का रसपान कराएंगे। 8 जनवरी को पुंदाग टीओपी के पीछे निमार्णाधीन श्री कृष्ण प्रणामी सेवा आश्रम के प्रांगण में श्री स्वामी सदानंद जी महाराज के सानिध्य में 151 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया जाएगा। अभी तक लगभग 9500 से अधिक कन्याओं का विवाह योग्य वर से कराया जा चुका है। विवाह का कार्य आचार्य श्री शंकर लाल शास्त्री और उनके सहयोगियों द्वारा कराया जायेगा। इस बात की जानकारी मंगलवार को रांची के अग्रसेन भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में संस्था के सदस्यों ने दी। बताया कि स्वामी श्री सदानंद जी महाराज की 2110 वीं और रांची में 35 वीं भागवत कथा होगी। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर भाग लेती है। इस मौके पर संरक्षक बसंत कुमार गौतम, अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, सचिव मनोज चौधरी, उपाध्यक्ष निर्मल जैन, राजेंद्र प्रसाद, अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, नंदकिशोर चौधरी, सुरेश चौधरी आदि मौजूद थे।

मंराग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की 120वीं जयंती मनायी

उम्मीद फाउंडेशन ने राज्य के खिलाड़ियों और समाज सेवियों को किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मंराग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की 120वीं जयंती पर उम्मीद फाउंडेशन की ओर से राज्य के खिलाड़ियों और अन्य क्षेत्र में विशिष्ठ योगदान देने वालों को सम्मानित किया गया। मंगलवार को कांके रोड स्थित सीएमपीडीआइ के मयूरी सभागार में आयोजित जयपाल सिंह मुंडा अवार्ड 2022 समारोह में इन सभी विभूतियों को सम्मान मिला। मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव और हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने सभी को सम्मानित किया।

मौके पर वित्त मंत्री ने कहा कि मंराग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एक विद्वान पुरूष थे। संविधान निर्माण में भी उनकी भूमिका अहम है। उन्होंने ही संविधान में आदिवासी शब्द जोड़ने को कहा था, लेकिन संविधान निमार्ताओं ने उस शब्द का इस्तेमाल नहीं कर एसटी शब्द का डाल दिया। मंत्री ने कहा कि वे एक अच्छे खिलाड़ी के साथ एक बेहतरीन पायलट भी थे। उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उम्मीद फाउंडेशन के फाउंडर प्रेसिडेंट रितेश उरांव ने कहा कि इस अवार्ड्स के माध्यम से मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के संघर्ष, त्याग, बलिदान और उनके जीवन गाथा को जन-जन तक पहुंचाना है और राज्य के माटी के विभूतियों को सम्मानित कर मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के सपनों और उद्धेश्यों को साकार करना है। इस कार्यक्रम में सलीमा टेटे, निक्की प्रधान, मोनालिशा पहाड़िया, महेश तिर्की, दिनेश कुमार, फरीद खान, लवली चौबे, सुजीत मुंडा, प्रदीप मिर्धा, नीतू लिंडा, असतं उरांव, प्रियंका केरकेट्टा, गीता खलखो, रूपा रानी तिर्की, अंजलि मुंडा, शुभलक्ष्मी शर्मा, दीपक कच्छप के नाम शामिल है। वहीं जयपाल सिंह मुंडा अवार्ड्स 2022 लाइफ टाइम अचीवमेंट से मनोहर टोपनो, मनोज यादव, भोला नाथ सिंह, हरेन्द्र सिंह, संजय कुमार झा, विनोद कुमार सिंह, मंगल मिंज, असुंता लकड़ा, सरोजनी लकड़ा, उमाशंकर जयसवाल, यूथ आइकॉन में सोनू खलखो, संतोष महतो और कमलेश राम, क्रांतिकारी पत्रकारिता के लिए सुरेन्द्र सोरेन, जयपाल सिंह मुंडा समाज रत्न 2022 के लिये हेमलाल मेहता और झारखंड आन्दोलनकारी वीर क्रांति योद्धा सरजीत मिर्धा समेत अन्य लोगों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर सचिव निरंजन भारती, कोषाध्यक्ष राजेश टोप्पो, अंतू तिर्की, नंदलाल नायक, झारखंड चैंबर के अध्यक्ष किशोर मंत्री सहित अन्य लोग मौजूद थे।

इस हिंसा को रोकें

केंद्र शासित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर के राजौरी इलाके में हुई ताजा आतंकी वारदात कई वजहों से ध्यान खींचती है। अव्वल तो यह किसी सार्वजनिक स्थान पर किया गया आतंकी हमला नहीं है। रविवार शाम दो बंदूकधारी गांव में घुस आये और मिले ब्योरे के मुताबिक उन्होंने आधारकार्ड चेक करने के बाद तीन घरों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गयी और नौ घायल हुए। मगर मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। अगले दिन सुबह इन्हीं घरों के पास आइइडी ब्लास्ट हुआ, जिसमें एक बच्चे की मौत हो गयी और पांच अन्य जख्मी हो गये। यह आतंकवादियों की बढ़ी हुई हिम्मत और सुरक्षा बलों की चूक का दोहरा संकेत है। स्वाभाविक ही इस घटना के बाद स्थानीय निवासियों की ओर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। उनका यह डर बिलकुल जायज है कि अब जब आतंकवादी घरों में घुस कर हमें मार रहे हैं तो हम इनसे बचने के लिए कहां जायें। गौर करने की बात यह भी है कि जब भी आतंक की कोई बड़ी वारदात होती है, तो सुरक्षा बल उस इलाके की घेराबंद करते, वहां गश्त बढ़ा देते हैं। उस पूरे क्षेत्र की अच्छे से खोजबीन की जाती है। अचरज की बात है कि अगर यह सब किया गया था, तो उसके बाद भी रविवार शाम की वारदात के बाद अगली सुबह उन्हीं घरों के सामने आइइडी ब्लास्ट कैसे हो गया? और, यह कोई इकलौती वारदात नहीं है इस इलाके में। दो सप्ताह पहले ही राजौरी आर्मी कैंप के बाहर दो लोगों की हत्या की गयी थी। ध्यान रहे, राजौरी, जम्मू का ऐसा इलाका है, जो आतंकवाद से काफी हद तक मुक्त माना जाता रहा है। विरोधी दलों ने स्वाभाविक रूप से इन घटनाओं पर तीखी प्रतिक्रिया जतायी है, लेकिन बात उनकी प्रतिक्रियाओं की उतनी नहीं है। जिस तरह से जम्मू-कश्मीर में आम लोगों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है, उसमें भले ही एक खास पैटर्न हो, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि वह कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। चाहे धारा 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को मिला विशेष दर्जा समाप्त करने की बात हो या स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व को कटघरे में खड़े करने की या राष्ट्रपति शासन लागू करने की- इन सबके औचित्य का सबसे बड़ा आधार यही बताया जा रहा था कि इससे जम्मू-कश्मीर के लोगों का अलगाव खत्म होगा, उन्हें आतंकवाद के चंगुल से मुक्ति मिलेगी और इस पूरे क्षेत्र का तेजी से विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा। ऐसा नहीं है कि इन आधारों की प्रासंगिकता समाप्त हो गयी है या इन कसौटियों पर केंद्र या प्रदेश प्रशासन पूरी तरह नाकाम साबित हो गया है। उसके प्रयास कई मामलों में सराहनीय रहे हैं। लेकिन आतंकवादी घटनाओं का जारी रहना उन पर पानी फेर सकता है।

जब भी आतंक की कोई बड़ी वारदात होती है, तो सुरक्षा बल उस इलाके की घेराबंद करते, वहां गश्त बढ़ा देते हैं। उस पूरे क्षेत्र की अच्छे से खोजबीन की जाती है। अचरज की बात है कि अगर यह सब किया गया था, तो उसके बाद भी रविवार शाम की वारदात के बाद अगली सुबह उन्हीं घरों के सामने आइइडी ब्लास्ट कैसे हो गया?

अभिमत
आजाद सिपाही

आज जब शिक्षा के मौलिक अधिकार का दायरा बढ़ाने के लिए तरह-तरह के मंच, आयोग और समितियां संघर्ष कर रहे हैं, तो यह नहीं भूलना चाहिए कि इसका डंका सावित्रीबाई फुले बहुत पहले ही बजा चुकी थीं। उनका मानना था कि क्रांतिकारी चेतना न हो तो समाज के बदलने का हर रास्ता बंद हो जाता है। 19वीं शताब्दी के भारत में जब महिला, खास कर शूद्र महिला के लिए पढ़ पाना एक सपना था, तब सावित्रीबाई फुले ने बहुसंख्यक शोषित-पीड़ित लोगों और महिलाओं को इसका सपना देखना और साकार करना सिखाया।

सावित्रीबाई फुले की गौरवमयी विरासत

चिंटू कुमारी

किसी भी समाज में व्यक्ति के संपूर्ण विकास की पहली और जरूरी शर्त शिक्षा होती है। शिक्षा किसी भी देश के सजग और समग्र विकास का मजबूत बेस होती है। हमारे देश में भी समावेशी शिक्षा की नींव रखने वाली सावित्रीबाई फुले की गौरवमयी विरासत मौजूद है। 3 जनवरी को सावित्रीबाई फुले के जन्म के 192 साल हो चुके हैं। सवाल है कि आज के हमारे पढ़े-लिखे सभ्य समाज ने अपनी इस विरासत का क्या किया?

ढेरों संस्थाएं और सरकारें सावित्रीबाई की 200वीं जयंती का समारोह मनायेंगी, लेकिन उनके शैक्षणिक, साहित्यिक चेतना, सामाजिक और राजनीतिक विरासत को बचाने की न तो सुगबुगाहट है और न ही कोई इच्छाशक्ति दिखायी पड़ती है। ऐसा लगता है मानो उनकी क्रांतिकारी चेतना को जिंदा न रहने देने में ही वर्ग विशेष की भलाई है। जबकि शिक्षा को लेकर सावित्रीबाई की परिकल्पना बहुत गहरी, दूरदर्शी और समावेशी थी। शिक्षा से उनका तात्पर्य शोषण आधारित मानसिकता की जगह वैज्ञानिक आधार और मानवीय मूल्यों को सुनिश्चित करना था।

तीन जनवरी को सावित्रीबाई फुले के जन्म के 192 साल हो चुके हैं।

आज जब शिक्षा के मौलिक अधिकार का दायरा बढ़ाने के लिए तरह-तरह के मंच, आयोग और समितियां संघर्ष कर रहे हैं, तो यह नहीं भूलना चाहिए कि इसका डंका सावित्रीबाई फुले बहुत पहले ही बजा चुकी थीं। उनका मानना था कि क्रांतिकारी चेतना न हो तो समाज के बदलने का हर रास्ता बंद हो जाता है। 19वीं शताब्दी के भारत में जब महिला, खास कर शूद्र महिला के लिए पढ़ पाना एक सपना था, तब सावित्रीबाई फुले ने बहुसंख्यक शोषित-पीड़ित लोगों और महिलाओं को इसका सपना देखना और साकार करना सिखाया। जब भी सबाल्टर्न इतिहास लेखन की परंपरा की बात होगी तो फुले दंपती के योगदान को दरकिनार करना मुश्किल होगा।

सावित्रीबाई फुले का जन्म एक ऐसे समय में हुआ, जब बंगाल में राजा राम मोहन रॉय, दयानंद सरस्वती और ईश्वरचंद्र विद्यासागर जैसे महान समाज सुधारकों ने लोगों को जागरूक करना शुरू कर दिया था। उनके सामाजिक सुधार कार्यक्रमों की गूंज महाराष्ट्र तक भी पहुंचने लगी थी। इसी कड़ी में ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले और फातिमा शेख जैसे समाज सुधारक आगे आये।

समाज के निम्न वर्गों, किसानों, गरीबों, शूद्रों, अतिशूद्रों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के अगुआ दस्ते के रूप में उन्होंने नया समाज बनाने का सपना देखना सिखाया। सावित्रीबाई फुले पहली असाधारण महिला पॉलिटिकल थिंकर भी थीं, जिन्होंने न्याय के सिद्धांतों को वास्तव में धरातल पर स्थापित करने का काम किया। उनकी इसी दूरदर्शिता के चलते 1852 में महिला सेवा मंडल नाम से महिलाओं का एक संघ बना। इस संगठन ने महिलाओं के बुनियादी अधिकारों और ह्यूमन राइट्स के प्रति जागरूक किया। वह जाति और पितृसत्ता के गठजोड़ को उसकी संपूर्णता में समझती थीं, इसलिए उन्होंने महिलाओं के प्रति दोहरे मापदंड को तो उठाया ही, साथ ही यह पितृसत्ता से कैसे जुड़ा हुआ है उसको भी उजागर किया।

उन्होंने विधवाओं के प्रति समाज की असंवेदनशीलता, शोषण और दमन के खिलाफ लोहा लिया। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह का न केवल समर्थन किया बल्कि इसे एक आंदोलन का रूप दिया। उन्होंने ऐसी महिलाओं और विधवाओं के बच्चों के लिए आश्रम खोले। उनके तथाकथित 'नाजायज' बच्चों को भी संरक्षण दिया। ऐसे बच्चों के लिए उन्होंने अनाथालय खोले और उनको सम्मान की जिंदगी दी। उन्होंने विधवा महिलाओं के बाल काटकर गंजे करने के खिलाफ नाई लोगों को संगठित कर इसके खिलाफ हड़ताल करायी।

सावित्रीबाई फुले का जन्म एक ऐसे समय में हुआ, जब बंगाल में राजा राम मोहन रॉय, दयानंद सरस्वती और ईश्वरचंद्र विद्यासागर जैसे महान समाज सुधारकों ने लोगों को जागरूक करना शुरू कर दिया था। उनके सामाजिक सुधार कार्यक्रमों की गूंज महाराष्ट्र तक भी पहुंचने लगी थी। इसी कड़ी में ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले और फातिमा शेख जैसे समाज सुधारक आगे आये। सावित्रीबाई फुले की जनचेतना और दूरदृष्टि हर मायने में उन तमाम सुधारकों से कहीं आगे थी। हमारे देश में समाज सुधारकों की लंबी विरासत होने बावजूद महिलाओं को ध्यान में नहीं रखा गया। आज भी किसी कमांडिंग पोजिशन पर उन्हें स्थापित करने में हिचकिचाहट होती है। स्कूल, विश्वविद्यालय और अदालतों में महिला प्रिंसिपल, कुलपति या जजों की संख्या बेहद कम है, तो इसलिए, क्योंकि हमारी पितृसत्तात्मक व्यवस्था को किसी महिला से कमांड लेने की आदत नहीं। लेकिन इसके उलट हमारी ऐतिहासिक विरासत जेंडर रोल्स को तोड़ कर एक व्यापक नजरिए के प्रति अगर सजग करती है, तो उसमें सावित्रीबाई फुले, फातिमा शेख जैसी महान नायिकाओं का बड़ा रोल है।

जमशेदपुर की खबरें

साकची में भाई ने ही करायी थी घर में चोरी, छह गिरफ्तार

चोरी के सारे सामान बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर के साकची थाना की पुलिस ने चोरी के मामले का उदभेदन कर दिया है। इस मामले में जिसकी घर में चोरी हुई थी, उसके अपने ही भाई ने चोरी की घटना को अपराधियों के माध्यम से अंजाम दिलवाया था। पुलिस ने इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से चोरी करने के लिए जरूरी कटर, लोहे का सब्बल, छोटा सब्बल, बांस का सीढ़ी, 7 लाख 70 हजार रुपये नगद, 6 मोबाइल, वाशिंग मशीन, वाटर प्यूरिफायर, रेफ्रीजरेटर, टीवी, एक कार, दोपहिया बुलेट, दोपहिया स्कूटी, चांदी का सिक्का, बर्तन, पूजा का सामान जब्त किया गया है। गिरफ्तार लोगों में मानगो पुरुलिया रोड नंबर 3 के कब्रिस्तान के पास रहने वाले शेख इसराफिल, बागबेड़ा गांधीनगर निवासी निरंजन गौड़, मानगो रोड नंबर 7 मदिना अपार्टमेंट निवासी मोहम्मद अफरोज, जुगसलाई गरीब नवाज कॉलोनी निवासी रहमतुल्ला उर्फ बुटुक अंसारी, मानगो ओल्ड पुरुलिया रोड नंबर 1 निवासी परवेज आलम अंसारी और साकची शितला मंदिर के पीछे रहने वाले शैलेश मोदी शामिल है।

नौ अक्टूबर को साकची निवासी अजय कुमार मोदी ने चोरी की घटना को लेकर एक एफआइआर साकची थाना में दायर किया था। इस छानबीन के दौरान शिकायतकर्ता अजय कुमार मोदी के भाई शैलेश मोदी ने ही अपराधियों को यह जानकारी दी गयी कि घर के सारे लोग विदेश गये है, इस कारण घर में घुसकर चोरी कर लें। दो अक्टूबर को बाजार से चोरी करने के लिए सामान खरीद कर रॉड काट कर सारे चोर निरंजन गौड़, अफरोज, रहमतुल्ला उर्फ बटकू अंसारी गये और फिर सारे सामान की चोरी कर ली। इसके बाद चोरी करने के बाद सारे लोग बागबेड़ा चले गये, जहां आपस में चोरी के सामान का बंटवारा किया। इसके बाद फिर से चोरों ने 3, 4 और 5 अक्टुबर को उसके भाई के कहने पर ही चोरी करायी और बचे हुए आभूषण और पैसों की भी चोरी कर ली। इसके बाद भाग निकले। बाद में पुलिस ने शिकायतकर्ता के भाई समेत अन्य अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया।

चोरी के सामान के साथ एक गिरफ्तार

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। जमशेदपुर के ग्रामीण इलाका कमरडीह ग्राम लावा निवासी बंशी दास के मकान में घुसकर पैसों की चोरी करने के मामले में पुलिस ने उसी गांव के रहने वाले बुद्धेश्वर हेंब्रम को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सके पास से पर्स और पैसा भी बरामद किया है। बंशी दास के पैंट से चुराये गये तमाम दस्तावेज भी बरामद कर लिये है। पुलिस ने उसके पास से सारे पैसों को भी बरामद कर लिया है। बताया जाता है कि वह छत के रास्ते घर में घुसकर दीवार पर टंगे पैंट में रखे जेंटस पर्स, जिसमें करीब सात हजार रुपये और अन्य दस्तावेज थे, कि चोरी कर लिया था। पुलिस ने मामले की जांच की और 24 घंटे में कांड का उद्भेदन कर दिया।

गालूडीह में महिलाओं ने चलाया शराबबंदी अभियान, दी चेतावनी

गालूडीह (आजाद सिपाही)। गालूडीह थाना अंतर्गत बड़ाखुर्शी पंचायत के पैरागुड़ी गांव में शराबबंदी को लेकर महिलाएं अब एकजुट होकर जागरूक हो चुकी हैं। मंगलवार को पैरागुड़ी की महिलाओं ने उपमुखिया लालमोहन रजक तथा ग्रामप्रधान बासंती प्रसाद सिंह के नेतृत्व में पैरागुड़ी गांव में शराबबंदी अभियान चलाया। इस दौरान महिलाओं ने किसी भी हाल में गांव में शराब नहीं बनाने एवं बेचने का फरमान जारी किया। महिलाओं ने शराब बेचने वाले और उसका सेवन करने वाले दोनों को चेतावनी दी है। महिलाओं ने साफ कह दिया है कि अगर किसी ने गांव में शराब बेची, तो उसे सजा मिलेगी। अगर किसी ने मदिरा का सेवन किया, तो उसे भी सजा मिलेगी। इससे पहले गांव के महिला समितियों ने बैठक भी की। वहीं बैठक में निर्णय लिया गया कि दूसरे गांव से आने वाले शराब आपूर्तिकर्ताओं को गांव में किसी भी हाल में घुसने नहीं दिया जायेगा। मौके पर महिलाओं ने कहा कि शराब पीने से शरीर खोखला होने लगता है और पैसा भी बर्बाद हो जाता है। परिवार बेघर हो जाता है। रोजाना घरों में पति-पत्नी के बीच बढ़ते विवाद से कलह होता है और परिवार तबाह हो जाता है, जिसे लेकर हमलोगों ने शराब पर प्रतिबंध के लिए शराबबंदी अभियान चला रहे है।

विशाल झारखंड शहीद मेला में शामिल हुए विधायक

शहीदों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता : मंगल कालिंदी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बालीडुंगरी फुटबॉल मैदान में तेतुल बगान ब्यॉज क्लब के द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल झारखंड शहीद मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सोमवार को शहीदों की याद में आयोजित विशाल झारखंड शहीद मेला सह 61वां वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता मे मुख्य अतिथि जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी शामिल हुए। मौके पर क्लब के सदस्यों ने विधायक मंगल कालिंदी का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक मंगल कालिंदी ने क्लब के सदस्यों बीच शहीद स्मारक में पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मौके पर दीप प्रज्वलित कर विशाल शहीद मेला का उद्घाटन किया। मौके पर विधायक मंगल कालिंदी ने कहा खरसावां गोलीकांड में गदड़ा के शहीदों की याद में प्रत्येक वर्ष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाता है। विधायक ने कहा खरसावां गोलीकांड में बलिदान हुए शहीदों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। ग्रामीणों के द्वारा मेला के माध्यम से शहीदों के विचारों व स्मृतियों को संजोये रखने का एक प्रयास है। विधायक मंगल कालिंदी ने कहा झारखंड राज्य अलग हुए 22 वर्ष बीत गए। राज्य में 17 वर्ष तक भाजपा और आजसू का सरकार ने मिल कर सरकार चलाई। लेकिन झारखंड में किसी भी शहीद परिवार को सम्मान देने का काम नहीं किया। उन्होंने बताया 2013-14 में झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार में दिशुम गुरु शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन के द्वारा शहीद परिवार को सम्मान देते हुए नौकरी देने का काम झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार ने किया। उन्होंने बताया आजादी के बाद से सड़क का निर्माण नहीं हो सका। विधायक मंगल कालिंदी ने कहा उस सड़क का निर्माण आज हेमंत सरकार के पहल पर किये गये वादा के अनुसार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान जनता से जो वादा किया गया था, उसे पूरा किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान संस्था के मुख्य संरक्षक दुवराज नाग, लखन सामद, उत्तर पश्चिमी गदड़ा पंचायत मुखिया सुनिता नाग, अध्यक्ष विश्वजीत भगत, कार्यकारिणी अध्यक्ष दिनेश बोदरा, उपाध्यक्ष सुरेश दिग्गी, टुंडकू दिग्गी, लीली हेमब्रम, सचिव बिरजू पात्रो, उपसचिव विवेक गुप्ता, चमरू हेमब्रम, कोषाध्यक्ष गणेश भूमिज, सहसचिव सीताराम हेमब्रम, राकेश सिंह, सह कोषाध्यक्ष छोटु जामुदा, खेलकुद अध्यक्ष जेना सिंकू, विजय पूर्ति, रतन लाल टूडू, विकास स्वर्णकार, उत्तर पूर्वी गदड़ा पंचायत अध्यक्ष बबलू महतो, मनोज यादव उपस्थित रहे।

नीट परीक्षा में सफल छात्र सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट ने मंगलवार मानगो में एक कार्यक्रम आयोजित कर नीट क्वालिफाई करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। जिन छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया, उनमें आफिया नाहिद काजमी, स्वाति कुमारी मुंडा, देवराज राय, फौजिया सुल्तान, अरहान रोशन, काशिफ हसन, फरदीन, शर्फा हरीम, महबूब, अजहर इमाम और हमजा खान शामिल हैं। इन सभी को अतिथि के रूप में उपस्थित सिटी एसपी के विजय शंकर और एडीएम एनके लाल ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में गोविंद विद्यालय के निदेशक को भी सम्मानित किया गया। वेलफेयर ट्रस्ट के मुख्तार आलम खान ने बताया कि छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाने की कवायद की जा रही है। मतीनुल हक अंसारी ने कहा कि ट्रस्ट लगातार शिक्षा की अलग जगाने की कवायद में जुटा है। इलाके में जरूरतमंदों के बीच गर्म कपड़ा और भोजन बांटने का भी काम करता है। इस अवसर पर ट्रस्ट के संरक्षक आसिफ महमूद समेत कई बुद्धिजीवी और अभिभावक उपस्थित थे।

बागुननगर में याद किये गये मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बागुननगर डी ब्लॉक ग्राम पूजा स्थल में मरांग गोमके झारखंड आंदोलन के प्रणेता एवं प्रखर वक्ता जयपाल सिंह मुंडा एवं भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती समारोह पूर्वक मनायी गयी। समारोह में समाजसेवी शंभू मुखी डुंगरी, मुंडा समाज के केंद्रीय अध्यक्ष नंदलाल पातर, वरिष्ठ सलाहकार परशुराम सामंत, बागुन नगर शाखा के अध्यक्ष संतोष नाग, मुंडा समाज के समाजसेवी काजू सांडिल ने सर्वप्रथम माराम गोमके जयपाल सिंह मुंडा एवं प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाइ फुले के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शंभु मुखी ने कहा कि आज पूरे देश में आदिवासी दलित मूल निवासी की यदि पहचान है तो इसका श्रेय हमारी इन महान विभूतियों को जाता है। ऐसी ही महान विभूतियों में प्रखर वक्ता मारम गोमके जयपाल सिंह मुंडा के संघर्ष एवं बलिदानों की देन है। उन्होंने कहा कि राजनीति ही नहीं खेल में भी विशेष रूप से भारत की हॉकी टीम में सर्वप्रथम मेजर ध्यानचंद्र की टीम मैं माराम गोमके जयपाल सिंह मुंडा ने प्रतिनिधित्व कर विश्व हॉकी में भारत का नाम रौशन किया एवं विश्व विजेता बनाने में भागीदारी निभायी।

प्रेस कांफ्रेंस : सुरक्षित प्रसव के साथ ही गरीबों के बचे करोड़ों रुपये : उपायुक्त

सरकारी अस्पतालों पर बढ़ा लोगों का विश्वास

महीनो में ओपीडी के मरीजों की संख्या 40 हजार के पार हुई

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त रमेश घोलप ने प्रेस वार्ता का आयोजन कर कहा है कि जिले में प्रसव के मामले में निजी अस्पतालों में चल रही अनैतिक गतिविधियां जैसे- बिना चिकित्सक के प्रसव/ऑपरेशन कराना, सरकारी अस्पतालों से नेक्सस के माध्यम से मरीजों को पैसे की लालच में निजी अस्पतालों में ले जाना, माता मृत्यु/शिशु मृत्यु की जानकारी छुपाना, गलत सहमति पत्र लगाकर अस्पतालों का निबंधन एवं संचालन आदि पर रोक लगाकर कानूनी कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा ऐसी कार्रवाई आगे भी होती रहेगी। उन्होंने बताया कि सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार कर गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क एवं सुरक्षित प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराना, मरीजों का आउट ऑफ पॉकेट एक्सपेनडिचर कम करना, सरकारी अस्पतालों में रोस्टर सुधार कर चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। डीसी ने बताया कि प्रसव के बाद जननी सुरक्षा योजना एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम का लाभ देना एवं सरकारी अस्पतालों के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से 11 जुलाई 2022 को 'प्रोजेक्ट स्वास्थय शुचिता' की शुरुवात गढ़वा जिले में की गई।

जुलाई माह में ही जिले के कुल निबंधित 117 निजी अस्पतालों के संचालकों के साथ उपायुक्त एवं सिविल सर्जन के द्वारा बैठक कर उनको सीईए के प्रावधानों के तहत अस्पतालों में आवश्यक मानव संसाधन, आवश्यक चिकित्सा उपकरणों आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। अहर्ता नही रखने वाले अस्पतालों को खामियों को सुधारने अन्यथा लाइसेंस सरेंडर करने की चेतावनी दी गई एवं भविष्य में जांच के क्रम में अनियमितता मिलने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

चिकित्सकों के रोस्टर में सुधार किया गया : सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों के रोस्टर में सुधार करते हुए विशेष कर सदर अस्पताल में रात्रि के समय चिकित्सक के उपलब्ध नहीं होने की शिकायत को दूर की गयी एवं 247 प्रसव एवं अन्य मरीजों के लिए चिकित्सक उपलब्ध रहें इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

सहिया एवं सहिया साथियों के साथ बैठक : उपायुक्त, श्री घोलप की उपस्थिति में जिले के सहिया/सहिया साथी/बीटीटी के साथ बैठक कर उनको इस अभियान की जानकारी दी गई एवं गर्भवती महिलाओं को अवैध रूप से संचालित निजी अस्पतालों के बारे में सतर्क करने एवं सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रचार-प्रसार करने की बात कही।

औचक निरीक्षण के लिए 07 विशेष पदाधिकारियों की नियुक्ति : सदर अस्पताल में 247 चिकित्सकों की उपस्थिति नहीं रहने की शिकायत मिल रही थी, जिसे ध्यान में रखते हुए 07 कार्यपालक दंडाधिकारियों की नियुक्ति रात्रि 09 बजे से सुबह 09 बजे तक सदर अस्पताल में विभिन्न पालियों में कार्यरत चिकित्सकों/पारा मेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

अनावश्यक रेफर को कम करने के लिए विशेष निगरानी : सरकारी अस्पतालों में भर्ती मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद अन्यत्र अस्पतालों में रेफर के मामले कम करने के लिए सिविल सर्जन, सदर उपाधीक्षक के द्वारा प्रत्येक रेफरल का कड़ाई से निगरानी की जा रही है।

अवैध निजी अस्पताल संचालकों पर प्राथमिकियां दर्ज हुई

दिनांक 11 जुलाई 2022 को उनके नेतृत्व में स्थानीय स्तर पर संचालित गढ़देवी अस्पताल की जांच हुई और वहां पर बिना चिकित्सा अनुभव के इंजीनियरिंग/डिप्लोमा डिग्रीधारक संचालक द्वारा गर्भवतियों/शिशुओं की जान के साथ खिलवाड़ कर ऑपरेशन का मामला संज्ञान में आने पर संचालक एवं सरकारी अस्पताल में कार्य करने वाली एक एएनएम को गिरफ्तार कर उनपर क्लिनिकल एस्टाब्लिश्मेंट एक्ट एवं आईपीसी की धारा-419/420/386/180(इ) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। जुलाई के बाद से अबतक इस तरह के मामलों में कुल 09 अस्पतालों पर प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं एवं 17 अस्पतालों को सील किया गया है। इसमें अबतक कुल 09 गिरफ्तारियां हुई हैं।

गढ़वा जैसे छोटे शहर में भी मरीज को पेसमेकर लगाने की सुविधा उपलब्ध

स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना ही मुख्य उद्देश्य : डॉ पंकज प्रभात

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जैसे पिछड़े जिले में जहां मरीजों को सामान्य इलाज नहीं मिल पाता है, ऐसे में डॉ पंकज प्रभात ने एक मरीज को पेसमेकर लगाकर जिले के स्वास्थ्य कार्य क्षेत्र में इतिहास रच दिया। उन्होंने उस मरीज को एक नया जीवन देने का काम किया है। इस संबंध में प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए डॉ पंकज प्रभात ने बताया कि नये साल के दूसरे दिन एक ऐसे मरीज से हम सबों की मुलाकात हुई, जिसका हार्टबीट बहुत ही कम चल रहा था। उन्हें बहुत जल्द पेसमेकर लगाना जरूरी था। इसके लिए हमारे पास सरस्वती चिकित्सालय में सारे संसाधन मौजूद थे। सारे संसाधन मौजूद रहने के साथ-साथ मरीज के परिजनों ने हमें ऑपरेशन करने की इजाजत दी और हम सब ने उनका ऑपरेशन कर पेसमेकर लगाया। वर्तमान में उनकी हालत ठीक है। साथ ही आने वाले दिन में यदि उन्हें जरूरत पड़ी तो उन्हें परमानेंट पेसमेकर लगा दिया जाएगा। डॉ पंकज प्रभात ने कहा कि मेरा जन्म यहीं हुआ है। मैं लाख कहीं दूर जाकर पढ़ाई किया हूं लेकिन जिले के लोगों को मेरे जरिए स्वास्थ्य सुविधा मिले यह मेरी जिम्मेवारी है। ह्रदय रोग से संबंधित पढ़ाई गुवाहाटी में पूरी करने के बाद मैं यहां के लोगों को उससे संबंधित बीमारी के इलाज के लिए सदैव तत्पर हूं। आज पेसमेकर लगाकर एक उपलब्धि हासिल की है। आगे यहां एंजियोग्राफी, एंजिओप्लास्टी जांच और इलाज करके भी यहां के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराउंगा।

साथ ही सरस्वती चिकित्सालय के निदेशक डॉ संजय कुमार ने कहा कि उनके पास तो सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं किंतु यहां उसे चलाने के लिए चिकित्सकों की कमी थी, किंतु आज डॉक्टर पंकज प्रभात ने उसे भी पूरा कर दिया और नये साल में नये तरीके से एक मरीज को पेसमेकर लगाकर इतिहास रचने का कार्य किया है, जो गढ़वा जिले के लिए बहुत ही बड़ी बात है।

पत्रकार के पिता के निधन पर शोक व्यक्त

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय के बस स्टैंड निवासी पत्रकार विकास कुमार के पिता सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी मुखलाल राम 74 वर्ष सोमवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय सरस्वती नदी शमशान घाट पर किया गया। मुखाग्नि बड़े पुत्र विनोद कुमार राम ने दी। घाट पर भारी संख्या में लोग उपस्थित थे। मुखलाल राम पिछले एक माह से बीमार चल रहे थे। उनके निधन पर स्थानीय पत्रकारों ने परिजनों से मिलकर शोक व्यक्त किया तथा सांत्वना दी। साथ ही मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से कामना की। शोक संवेदना प्रकट करने वालों में पत्रकार ब्रजेश कुमार मिश्र, बलराम शर्मा, भारत भूषण तिवारी, विवेकानंद चौबे, यासीन अंसारी, युवा समाजसेवी डॉ लालमोहन आदि शामिल थे।

जीएन कान्वेंट के संस्कारशाला कार्यक्रम में बच्चों को मिला स्वाध्याय का गुर

गढ़वा (आजाद सिपाही)। सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्थानीय जीएन कॉन्वेंट स्कूल में नववर्ष एवं आगामी नए सत्र के आगमन को मद्देनजर विद्यालय प्रबंधन की ओर से एक संस्कारशाला का आयोजन किया गया। नववर्ष की शुभकामना एवं बच्चों को आशीर्वाद देते हुए विद्यालय के निदेशक मदन केशरी ने कहा कि मनुष्य जीवन सभी प्राणियों में श्रेष्ठ और महत्वपूर्ण है जहां चेतन, ज्ञान और बुद्धि ही उसकी पहचान है। उसमें स्वाध्याय श्रेष्ठ और सुगम है, इसमें एकाग्रता प्रमुख है। यह एक तप और साधना है। स्वाध्याय का अर्थ स्वयं विद्या अध्ययन करना है और इसकी सहायता से जीवन निर्माण और सुधार सम्बंधित पुस्तकों का अध्ययन, श्रवण, मनन, चिंतन करना है। इससे आत्मज्ञान, तथा दोषों का पता चलता है। अपनी त्रुटियों को सुधारने का अवसर हमें स्वाध्याय से ही मिलता है। स्वाध्याय अज्ञान मिटाता है और अविद्या का नाश होता है। नियमित अभ्यास से हमारे अंदर स्वाभाविक रूप से ज्ञान भर जाता है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों वेद, पुराण और उपनिषदों में भी स्वध्याय का बखान किया गया है। ज्ञान प्राप्ति के मुख्य साधन तो माता-पिता व आचार्य होते रहे हैं परंतु स्वअधय्यन भी ज्ञान का एक प्रमुख स्त्रोत्र है। हर माता-पिता अपने बच्चों के अंदर इस विधा की अच्छी आदत डालें जिससे उन्हें अच्छा संस्कार मिल सके। स्वाध्याय से ही एक साधारण व्यक्ति असाधारण बन जाता है।वे विद्वान, ज्ञानी, वैज्ञानिक,चिंतक व मनीषी बन जाता है।स्वाध्यायशीलता एकअनुशासन है जिससे विद्यर्थियों को अच्छे संस्कार मिलते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपप्राचार्य बीके ठाकुर,शिक्षक विनय दुबे, उदय प्रकाश, खुर्शीद आलम, मुकेश भारती, एन के सिन्हा, संजीव कुमार, नीरा शर्मा, सरिता दुबे, रिजवाना शाहीन, शिवानी कुमारी, सन्तोष प्रसाद सुनीता कुमारी आदि की भूमिका सराहनीय रही।

किसकी लापरवाही से बंद हुआ गढ़वा का डायलिसिस सेंटर?

भटक रहे मरीजों ने उपायुक्त से लगायी गुहार

स्टेट मैनेजर ने कहा- मरीज सामग्री लेकर आयें तभी होगा डायलिसिस क्योंकि 60 लाख रुपये है विभाग का बकाया

सोनू कुमार गुप्ता

गढ़वा। जिला मुख्यालय के सदर अस्पताल में बीते वर्ष 2021 के मई महीने में स्थानीय विधायक सह झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर द्वारा सदर अस्पताल परिसर में किडनी रोग से ग्रसित डायलिसिस के मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए डायलिसिस सेंटर का शुभारंभ किया गया था। तब से लेकर 2023 के जनवरी माह के 2 तारीख तक लगभग 3700 मरीजों का डायलिसिस हुआ। किंतु 3 जनवरी 2023 दिन मंगलवार से डायलिसिस कार्य को बंद कर दिया गया। डायलिसिस कराने आये मरीजों को जब डायलिसिस कार्य बंद होने की जानकारी मिली तो मरीज उपायुक्त रमेश घोलप से अपनी शिकायत को लेकर पहुंचे।

उपायुक्त के द्वारा उनकी बातों को सुनने के बाद उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा गया कि डायलिसिस कार्य किसी भी हालत में बंद नहीं होगा। डायलिसिस आप सभी का होगा। क्या परेशानी है उसकी जानकारी गढ़वा सिविल सर्जन एवं उपाधीक्षक से लेकर जल्द ही आप सभी को डायलिसिस कार्य चालू कराने का कार्य किया जाएगा।

इधर डायलिसिस सेंटर के स्टेट मैनेजर अभिमन्यु मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि डायलिसिस का कार्य बंद नहीं किया गया है। लेकिन जब से इसकी शुरुआत हुई है तब से लेकर आज तक विभाग के द्वारा भुगतान नहीं किया गया है। जो कि अब तक 60 लाख रुपये तक बकाया हो चुका है। जिस कारण डायलिसिस करने में जो किट का उपयोग होता है वह खरीद पाने में हम लोग असमर्थ हैं। जहां से हम लोग डायलिसिस कीट की खरीदारी करते थे वह भेंडर भी हम लोगों को किट देना बंद कर दिया है। यदि आज भी डायलिसिस का मरीज डायलिसिस किट अपना लेकर आते हैं तो उनका डायलिसिस किया जाएगा। क्योंकि हमारे डायलिसिस सेंटर में 280 रजिस्टर्ड डायलिसिस के मरीज हैं, जिनका हर सप्ताह डायलिसिस किया जाता है।

फैक्स में धान विक्रय करने के बाद भी नहीं मिला पैसा

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिला आपूर्ति पदाधिकारी के कार्यालय पहुंच किसान पुरन मेहता ने आपूर्ति पदाधिकारी से गुहार लगाते हुए कहा कि 2021-22 में 26 क्विंटल धान मझिआंव फैक्स में जमा किये थे, जिसमें धान बिक्री करते समय बोरा और पलदारी के नाम पर 200 रुपया प्रति क्विंटल लिया गया और छह किलोग्राम प्रति क्विंटल धान भी लिया गया। जिसके बाद प्रथम किस्त का पैसा मिल गया, किंतु फाइनल किस्त का पैसा अब तक नहीं मिल पाया। अतः निवेदन है कि जिला आपूर्ति पदाधिकारी बकाया पैसा का भुगतान जल्द कर दें। पूरी जानकारी मेराल थाना क्षेत्र के अटौला खजूरी नावाडीह गांव निवासी देवधारी मेहता के पुत्र पूरन मेहता ने दी।

बंशीधर महोत्सव की स्वीकृति मिलना जिलावासियों के लिए नववर्ष का बड़ा उपहार : नगर भाजपा

सांसद वीडी राम व विधायक भानु प्रताप साही के अथक प्रयास से मिली स्वीकृति

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष कुमार कनिष्क, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विकास पांडेय, नगर प्रभारी सह सांसद प्रतिनिधि मुकेश चौबे ने गुलाब मेमोरियल मार्केट परिसर में प्रेसवार्ता आयोजित कर कहा कि सांसद विष्णु दयाल राम तथा विधायक भानुप्रताप शाही के अथक प्रयास से बंशीधर महोत्सव आयोजित करने की स्वीकृति मिली है। यह जिलावासियों के लिये नव वर्ष का सबसे बड़ा उपहार है। नेताओं ने कहा कि कोरोना काल मे बंशीधर महोत्सव नही हो पाया था,जिससे यहां के लोगों में मायूसी थी। स्वीकृति मिलने के बाद एक बार फिर से महोत्सव आयोजित होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। नेताओं ने कहा कि महोत्सव फरवरी या मार्च में होने की संभावना है। नेताओं ने कहा कि बंशीधर महोत्सव को राजकीय महोत्सव का दर्जा मिल चुका है। अलौकिक, अद्वितीय 32 मन शुद्व सोने की भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा बंशीधर मंदिर में स्थापित है। यहां कृष्ण भक्त देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी आते हैं। नेताओं ने कहा कि हमारी सरकार मंदिर को पर्यटन पटल पर स्थापित करने को लेकर कार्य कर रही है। सांसद वीडी राम लोकसभा में मंदिर को श्री कृष्ण सर्किट से जोड़ने की मांग कई बार कर चुके हैं।

प्रेसवार्ता में संजय कसेरा, विधायक प्रतिनिधि लालमोहन यादव, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष सोबराती खां, राम लखन गुप्ता, संजय कुमार चौबे, प्रो. महमूद आलम,अविनाश कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

सावित्रीबाई फुले की जयंती मनायी गयी

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय पतहरिया में मंगलवार को देश की प्रथम महिला शिक्षिका और महिला मुक्ति आंदोलन के प्रणेता सावित्री बाई फुले की 192वीं जयंती मनायी गयी।विद्यालय के प्रधानाध्यापक रघुराई राम सहित विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने उनकी तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। मौके पर आठवीं वर्ग के छात्राओं को जिला प्रशासन द्वारा जारी की गई पांच हजार राशि का स्वीकृति पत्र वितरण किया गया।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, कोडरमा

अज्ञात शव :– आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जयनगर थानान्तर्गत एक अज्ञात मृतक का शव पाया गया है। जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। उक्त मृतक पुरुष का हुलिया इस प्रकार है। उम्र–लगभग 50 वर्ष, पहनावा–काला रंग का हाफ पैंट, छींटेदार लुंगी, फुल शर्ट, लम्बाई करीब–5'4" रंग–सांवला है। इस संबंध में जयनगर थाना यू0डी0 कांड सं0–32/2022, दिनांक–25.12.2022, दर्ज किया गया है। यदि किसी को उक्त अज्ञात पुरुष का शव के बारे में जानकारी मिले तो, इसकी सूचना निम्नलिखित पता/मोबाईल नंबर पर दें।

पुलिस अधीक्षक, कोडरमा :–9431706350,
अनुमण्डल पुलिस पदा0 कोडरमा :–9431706351,
थाना प्रभारी, जयनगर :– 7677264597,

पुलिस अधीक्षक,
कोडरमा

PR286543 (Police)22-23*D

कार्यालय : जिला परिषद, रामगढ़

–: आम सूचना :–

एतत् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गोला प्रखण्ड अन्तर्गत बनतारा मेला, गोला का वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए बंदोबस्ती हेतु निर्धारित तिथि 02.01.2023 को किसी बंदोबस्तधारी द्वारा भाग नहीं लेने के कारण पुनः उक्त बंदोबस्ती दिनांक 10.01.2023 को अपराह्न 03:00 बजे अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्राधिकृत बंदोबस्ती चयन समिति द्वारा खुली डाक के माध्यम से की जायेगी।

डाक में भाग लेने हेतु इच्छूक आवेदको को आवश्यक सुरक्षित जमा राशि का ड्राफ्ट मूल रूप में एवं सभी वांछित कागजात सहित आवेदन सीलबंद लिफाफे में दिनांक 10.01.2023 को अपराह्न 02:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। उक्त अवधि के पश्चात आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा।

नोट : बंदोबस्ती से संबंधित नियम व शर्तें जिला परिषद, रामगढ़ के सूचना पट्ट एवं जिला के वेबसाईट : www.ramgarh.nic.in में देखी जा सकती है।

उप विकास आयुक्त
–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी
जिला परिषद, रामगढ़

PR 286559 District (22-23)_D

कार्यालय, झुमरी तिलैया नगर परिषद्
झुमरी तिलैया, जिला कोडरमा
Email – jhumritelaiyamunicipalcouncil@gmail.com

पत्रांक : ..... **आम सूचना** दिनांक : .....

झुमरी तिलैया नगर परिषद क्षेत्र के सभी नागरिकों को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद कार्यालय में उपलब्ध 2000/6000 लीटर क्षमता वाले टैंकर वाहन द्वारा वांछित स्थल पर आवश्यक्तानुसार जलापूर्ति हेतु सेवा शुल्क जमा कराते हुए टैंकर वाहन की सुविधानुसार बुकिंग कराई जा सकती है। इस संबंध में निम्नलिखित दरें अधिसूचित की जाती है।

क्रम सं0	टैंकर वाहन (क्षमता)	दर प्रति ट्रिप (24 घंटे) (रूपये में)	जमानत की राशि (सुरक्षित राशि) (Refundable)
1	**2000 लीटर**	500.00 प्रति ट्रिप	200.00
2	**6000 लीटर**	2000.00 प्रति ट्रिप	1000.00

समय–समय पर यह बात संज्ञान में आती रही है कि टैंकर सेवाओं के उपभोक्ताओं द्वारा टैंकर वाहन/जल टैंक/नल इत्यादि क्षतिग्रस्त अवस्था में नगर परिषद को वापस की जाती है। अतः इस संबंध में टैंकर वाहनों के बुकिंग के संबंध में उपरोक्त तालिका अनुसार सुरक्षित राशि बुकिंग के दौरान देय होगी, जिसे टैंकर वाहन/उपकरण/सामग्री के सुरक्षित लौटाने पर संबंधित उपभोक्ता को वापस कर दिया जाएगा। टैंकर वाहन क्षतिग्रस्त अवस्था में नगर परिषद के कर्मचारी को लौटाने/उपलब्ध कराने की स्थिति में पूरी जिम्मेदारी संबंधित उपभोक्ता की होगी एवं ऐसा करने पर जमानत की राशि जप्त करते हुए उक्त व्यक्ति/संस्था के विरूद्ध झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम 2011 के सुसंगत प्रावधानों के आलोक में कठोर कारवाई की जाएगी।

ह0/– प्रशासक
झुमरी तिलैया नगर परिषद

PR 286549 (Urban Development)22-23*D

खबर का असर : विधायक भानु के निर्देश पर भाजपा की टीम ने की चारदीवारी तोड़ने के मामले की जांच, कहा

24 घंटे में प्रशासन ने उचित कार्रवाई नहीं की तो भाजपा उग्र आंदोलन को बाध्य होगी

कानून को अपने हाथ में लेते हुए बाउंड्री को ध्वस्त करने के मामले में व्यवसायियों एवं ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है

आजाद सिपाही संवाददाता

पूर्व विधायक पर चारदीवारी गिराने का आरोप

विशुनपुरा। पूर्व विधायक राज राजेन्द्र प्रताप के द्वारा अर्द्धनिर्मित बाउंड्री को ध्वस्त करने का मामला तूल पकड़ लिया है।

मालूम हो कि पिछले दिनों विशुनपुरा निवासी मनोज गुप्ता के द्वारा निर्माण करायी गयी चारदीवारी को पूर्व विधायक राज राजेंद्र प्रताप देव के द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था। जिसकी जानकारी मिलने पर वर्तमान विधायक भानु प्रताप शाही ने संज्ञान में लिया है। विधायक के निर्देश पर भाजपा की एक टीम ने घटना स्थल पर पहुंच कर जानकारी ली। वहीं घटना स्थल पर पहुंचे भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी ने कहा कि यह बहुत ही गंभीर मामला है।

इसका ताजा प्रमाण है कि व्यवसायी मनोज गुप्ता के द्वारा अर्द्धनिर्मित बाउंड्री का निर्माण कराया गया था, जिसे पूर्व विधायक बंशीधर नगर गढ़ के बड़े राजा राज राजेन्द्र प्रताप देव के द्वारा ध्वस्त करवा दिया गया।

वहीं भाजपा जिला महामंत्री विकास स्वदेशी ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार में प्रशासन मूक दर्शक बन कर रह गयी है। ऐसी घटना के बावजूद अभी तक प्रसासन के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गयी।

बताते चलें कि बाउंड्री ध्वस्त करने पर भुक्तभोगी मनोज गुप्ता ने थाना में आवेदन दिया था, लेकिन अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गयी है। उन्होंने कहा कि 24 घंटे में प्रशासन उचित कार्रवाई नहीं करता है तो भाजपा व्यवसायियों के साथ खड़ा होकर उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

इस दौरान भाजपा के जिला कार्यकर्ताओं ने घटना को लेकर थाना एवं अंचल कार्यालय जाकर मामले की जानकारी ली।

बताते चलें कि संध्या मोड़ स्थित आम बगीचा में अर्द्धनिर्मित बाउंड्री निर्माण को ध्वस्त करने को लेकर भुक्तभोगी मनोज गुप्ता ने आरोप लगाते हुए थाना में लिखित आवेदन दिया था। जिसके बाद यह मामला विशुनपुरा अंचल में चल रहा है। बावजूद कानून को अपने हाथ में लेते हुए बाउंड्री को ध्वस्त करने के मामले पर व्यवसायियों एवं ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है। मौके पर जिला महामंत्री संतोष दुबे, राजेन्द्र गुप्ता, लक्ष्मण राम, ओमप्रकाश गुप्ता, मनीष कुमार, विधायक प्रतिनिधि कृष्णा विश्वकर्मा, अवध विहारी गुप्ता, अशोक पासवान, जितेंद्र दीक्षित, इंद्रजीत ठाकुर, महेंद्र सोनल, अशोक मेहता, शिवप्रसाद चन्द्रवंशी, अनिरुद मेहता सहित कई लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जयपाल सिंह मुंडा को दी श्रद्धांजलि

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी जिला जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने मंगलवार कों झारखंड राज्य के स्वप्नद्रष्टा मारंग गोमके जयपाल सिंह के पैतृक गांव टकरा में उनकी समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया। मौके पर जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि संविधान सभा का सदस्य होने से लेकर झारखंड आंदोलन तक मारंग गोमके ने आदिवासियों के हक में हमेशा लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि जयपाल सिंह जितने अच्छे नेता थे, उतना ही हॉकी के महान खिलाड़ी। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष रामकृष्ण चौधरी, विल्सन तोपनो, देवजीत देवघरिया, नरेश तिर्की, नइमुद्दीन खान, डॉ अनिल बड़ाइक, रविकांत मिश्रा, नरेश तिर्की, अनमोल होरो, सुशील सांगा, सयूम अंसारी, विजय स्वांसी आदि ने भी जयपाल सिंह को नमन किया।

सावित्रीबाई फुले की जयंती मनायी गयी

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू में ऐपवा के तत्वाधान पर सावित्रीबाई फुले की जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर शिक्षा रोजगार अधिकार अभियान 3 जनवरी से 9 जनवरी तक चलाने का निर्णय लिया गया। इस अभियान का समापन फातिमा शेख के जयंती 9 जनवरी तक शिक्षा के अधिकार का कार्यक्रम गांव-गांव में चला कर महिलाओं को जागृति किया जायेगा। इस मौके पर महिला नेत्री लकी मनी मुंडा, सुनैना देवी, गौतम मुंडा, भीष्म महतो, ओमलकांत, प्रह्लाद मुंडा आदि मौजूद थे।

आठ लोगों के विरुद्ध दर्ज करायी प्राथमिकी

बुंडू (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत बुंडू मे पेयजल नही मिलने को लेकर आंदोलन 20 दिसंबर को किया गया था। इस पर महेश शर्मा सहित आठ लोगों के ऊपर नगर पंचायत द्वारा प्राथमिकी दर्ज करायी गई है। पानी को लेकर प्राथमिकी दर्ज होने से नगर पंचायत के लोगों में भारी आक्रोश है ज्ञात हो की 20 दिसंबर को नगर पंचायत में पानी ना आने को लेकर महेश शर्मा द्वारा कुछ ग्रामीणों को लेकर नगर पंचायत कार्यालय का घेराव किया गया था, जिसे लेकर नगर पंचायत बुंडू द्वारा महेश शर्मा के अलावा 9 अन्य लोगों के ऊपर प्राथमिकी दर्ज करायी गई है।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन

बुंडू (आजाद सिपाही)। 'ब्लाइंड मिशन प्रोजेक्ट' के तत्वाधान आज बुंडू स्थित जिला परिषद प्रांगण मे निशुल्क नेत्र चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया है। नेत्र रोग से पीडित इस जांच शिविर में जिन मरीजों को मोतियाबिंद सर्जरी की आवश्यकता होगी उन्हें निशुल्क बस द्वारा रांची बरियातू स्थित 'बिहार आइ बैंक' ले जाया जायेगा। मरीजों की सर्जरी बिहार आइ बैंक में यूएस के प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ सुशांत सिन्हा (आइ सर्जन, यूएस) के नेतृत्व में कुशल डॉक्टरों के दल द्वारा किया जायेगा। सर्जरी के उपरांत चिकित्सा, दवा, चश्मा, भोजन एवं वाहन की व्यवस्था भी बिल्कुल निशुल्क है। यह जानकारी आयोजक मंडल के सदस्य रोहित सिन्हा ने दी है।

जयपाल सिंह मुंडा की 120वीं जयंती मनायी

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ प्रखंड के सरलोंगा जयपाल सिंह मुंडा चौक में सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की 120वी जयंती मनायी गयी। सामाजिक कार्यकर्ता एवं प्रबुद्ध जनों तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा जयपाल सिंह मुंडा के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित करेने के बाद कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। अतिथियों द्वारा उनके जीवनी पर प्रकाश डाला गया। सभी विभिन्न कार्यकर्ताओं ने जयपाल सिंह के विचारों को आम लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में रामधन मुंडा, जागरण मुंडा, कंहाई पातर, मदन सिंह मुंडा, गोविंद सिंह मुंडा, रमेश मुंडा, सुशील मुंडा, लक्ष्मण सिंह मुंडा, लाल सिंह स्वांसी, महावीर सोनी, बुरु मुंडा, बुधन मुंडा, नंदकिशोर मुंडा सहित कई लोग शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता हीरा दास ने किया।

जयपाल सिंह मुंडा नहीं होते, तो हम आदिवासियों को संवैधानिक अधिकार प्राप्त नहीं होते: बहुरा मुंडा

खलारी (आजाद सिपाही)। हेंजदा कुसुमटोला में जयपाल सिंह मुंडा की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बालेश्वर उरांव ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत में उपस्थित लोगों ने जयपाल सिंह मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर बारी बारी से पुष्प अर्पित किया। कार्यक्रम के दौरान बहुरा मुंडा ने जयपाल सिंह मुंडा की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अगर भारत की आजादी के समय जयपाल सिंह मुंडा नहीं होते तो हम आदिवासियों को संवैधानिक अधिकार प्राप्त नहीं होते क्योंकि इन्होंने 1948 की संविधान सभा में पूरे जोर-शोर से अपने आदिवासियों की आवाज बुलंद की। महेंद्र उरांव ने कहा कि इनकी कुशाग्र बुद्धि और विलक्षण प्रतिभा से अंग्रेज तक चकित रहते थे। उन्होंने पीएचडी की पढ़ाई विष्व की सर्वश्रेष्ठ ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय इंग्लैंड से की थी। वे हॉकी के प्रसिद्ध खिलाड़ी भी थे। जिन्होंने 1928 में भारतीय टीम को पहली बार स्वर्ण पदक दिलाया पर अफसोस कि आदिवासी समाज से होने के कारण अपेक्षित रहे। वह सिविल सर्विस आइसीएस उत्तीर्ण करने वाले पहले आदिवासी थे। हॉकी खेलने के लिए और आदिवासी समाज के लिए उन्होंने नौकरी को भी त्याग दिया। वे ताउम्र आदिवासियों के लिए संघर्ष करते रहे मूल संविधान में आदिवासियों को जो मजबूती मिलती है हम सबको उनसे प्रेरणा लेने चाहिए। जिन्होंने हर क्षेत्र में आदिवासी नेतृत्व का डंका बजाया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से बहुरा मुंडा, बालेष्वर उरांव, महेंद्र उरांव, सरजू उरांव, सर्वजीत उरांव, बिगन उरांव, भोला उरांव, जागेष्वर उरांव, सुनील उरांव, कामेश्वर उरांव, संतोष उरांव, अनिल उरांव, मुकेश उरांव, आकाश उरांव, उपेंद्र उरांव, रमेश उरांव, बाजे उरांव, सोहन उरांव, जगदीश उरांव, अर्जुन उरांव, राम कुमार उरांव, वीरेंद्र उरांव, मोहन उरांव, तेरा उरांव, शिव कुमार उरांव, हरिता उरांव, मुनिया उरांव, अनिता उरांव, बिरसा उरांव, आशा उरांव, सरिता उरांव, लाल मुनी उरांव, सुशील उरांव, सुकरी उरांव, फुलमनी उरांव, सुरजी उरांव, सावित्री उरांव, रीता उरांव, बुटनी उरांव, सुनील उरांव, मंतोष उरांव, बोले उरांव सहित काफी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे।

आजाद सिपाही की खबर का असर

मुआयना कर मुआवजा देने का दिया आश्वासन

आजाद सिपाही संवाददाता

सोनाहातू। डिजिटल में खबर छपने के बाद वन विभाग होश में आया प्रभारी वन पाल दिलीप सिंह मुंडा सोनाहातू पूर्वी दुलमी गांव पहुंच कर पीड़ित किसानों से मिलकर खेत जाकर फसल नुकसान का मुआयना कर मुआवजा देने का आश्वासन दिया और ग्रामीणों के बीच फटाके वितरण किया। वही गांव के ग्रामीणों को वन समिति बनाने का निर्देश दिया। इधर विधायक सुदेश महतो ने सोनाहातू प्रखंड के दुलमी गांव के लोगों के बीच हाथी भागने के लिये जरूरी सामग्री का वितरण किया। सोनाहातू प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र में कई दिनों से हाथियों का उत्पात जारी है। ग्रामीणों ने विधायक सुदेश महतो से मुलाकात कर समस्या की जानकारी दिये। विधायक ने वन विभाग से बात कर आवश्यक उपाय करने का निर्देश दिये तथा ग्रामीणों के बीच टॉर्च आदि का वितरण किया।

मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती मनायी गयी

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा सहित कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड आंदोलन के प्रणेता और जनजातियों के लिए अलग राज्य के स्वप्नद्रष्टा और महान हॉकी खिलाड़ी मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की 120वीं जयंती उनके पैतृक गांव खूंटी प्रखंड के टकरा गांव में मंगलवार को समारोहपूर्वक मनायी गई। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, उपायुक्त शशि रंजन, एसपी अमन कुमार सहित कई नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों ने मारंग गोमके की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। जयंती के मौके पर टकरा गांव में जयपाल सिंह मुंडा की आदमकद प्रतिमा का भी अनावरण किया गया। इस अवसर पर गांव के मैदान में महिला और पुरुष वर्ग के लिए हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया। हॉकी खिलाड़ियों के बीच जिला प्रशासन द्वारा खेल किट का वितरण किया गया। इस दौरान पूरे दिन गांव में उत्सव का माहौल रहा और मेला का आयोजन किया गया।

पैतृक गांव टकरा में आदमकद प्रतिमा का अनावरण, खिलाड़ियों के बीच किट वितरित

खेल के माध्यम से खूंटी की पहचान बरकरार रखनी है : अर्जुन मुंडा

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि मारंग गोमके ने झारखंड आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान के साथ आदिवासी समुदाय का सफल नेतृत्व किया। संविधान सभा के सदस्य रहे मारंग गोमके की अंतरराष्ट्रीय हॉकी जगत में एक अलग पहचान रही है। उनके नेतृत्व में भारतीय हॉकी टीम ने 1928 के ओलंपिक में स्वर्ण पदक हासिल किया था। मंत्री ने कहा कि वीर बिरसा की धरती खूंटी वीरों और योद्धाओं की भूमि रही है। इस मिट्टी की महक जिसे दुनिया ने महसूस किया है, उसे खेल के माध्यम से हमें बरकरार रखना है। उन्होंने कहा कि आजादी के दशक में हमारे पूर्वजों ने जो सपने देखे थे, उन्हें पूरा करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में तीव्र गति से काम किया जा रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन करने की अपील की। कार्यक्रम कों विधायक नीलंठ सिंह मुंडा ने भी संबोधित किया। नीलकंठ सिंह मुंडा सहित अन्य वक्ताओं ने भी समारोह को संबोधित किया। मौके पर उप विकास आयुक्त नीतीश कुमार सिंह, एसडीओ अनिकेत सचान, जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो, भाजपा जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता, ज्योतिष भगत, भीम सिंह मुंडा, लीलू पहान, प्रखंड प्रमुख छोटराय मुंडा, जितेंद्र कश्यप रुकमिला सारू, मदन मोहन मिश्रा, जोनिका गुड़िया, अरुण चंद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

तमाड़ प्रखंड के बाढ़ू, अमलेसा और रायडीह मोड़ में डालसा का जागरूकता कार्यक्रम

बाल अधिकार, बाल श्रम पर फोकस व राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी दी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झालसा के निदेर्शानुसार, न्यायायुक्त के मार्गदर्शन पर झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा आज तमाड़ प्रखंड के बाढ़ू, अमलेसा एवं कोकाडीह गांव में 'डोर-टू-डोर' जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया। 'डोर-टू-डोर' जागरूकता कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता, राजेश कुमार सिन्हा, पीएलवी सोमानदी देवी, रूकमनी देवी, फुलेश्वरी देवी, मुक्तेश्वर पाहन एवं राजा समेत अन्य लोग उपस्थित थे। डालसा के पैनल अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने उपस्थित लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची से मिलनेवाले सुविधाओं के बारे में अवगत कराया तथा उन्होंने कहां कि डालसा का पीएलवी ब्लॉक में रहता है, आप उनसे सहायता प्राप्त कर सकते है। उन्होंने नालसा एवं झालसा के द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा डायन-बिसाही के प्रति लोगों को जागरूक किये और कहा कि यह एक अंधविश्वास है। अनिमा मल्लिक एवं सोनामनी देवी ने उपस्थित लोगों को पीड़ित मुआवजा के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा उन्होंने न्यायालय में चल रहे विवादों को मध्यस्थता के माध्यम से निबटारा करने पर बल दिया एवं राष्ट्रीय लोक अदालत, विशेष मध्यस्थता अभियान एवं लोक अदालत के बारे में विस्तार से उपस्थित लोगों को बतायें। उन्होंने आगामी 11 फरवरी को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में भी जानकारी दी।

सावित्रीबाई फुले और जयपाल सिंह मुंडा की जयंती मनायी

खलारी (आजाद सिपाही)। एसटी एससी ओबीसी एकता मंच एनके एरिया खलारी के द्वारा अंबेडकर पार्क डकरा में भारत की प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाइ फुले एवं मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के जयंती मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित मंच के सदस्यों ने सावित्री बाइ फुले एवं जयपाल सिंह मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया गया। उपस्थित वक्ताओ ने बारी बारी से दोनो की जीवनी पर प्रकाश डाला। कन्हाइ पासी ने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा आदिवासी समाज के जननायक थे। जिन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त कर आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए आवाज बुलंद की। इंदिरा देवी ने कहा कि सावित्री बाइ फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका थी जिन्होंने महिलाओं को शिक्षा एवं अधिकारों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। इन्होंने महिलाओं को शिक्षित करने का काम किया। इस कार्यक्रम में कंहाई पासी, देवंती देवी, मधुबाला देवी, इंदिरा देवी, अनिता एक्का, भीम गंझू, सिया पति देवी, गीतांजलि कुमारी, नरेश कुमार, अमरलाल सतनामी, मास्टर धनेश, अनुज कुमार, सूरज कुमार, खेमलाल तुरी सहित कई लोग उपस्थित थे।

स्कूल बस की मांग को लेकर रोहिणी में बच्चों ने की सड़क जाम

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। स्कूल बस की मांग को लेकर रोहिणी में मंगलवार की सुबह स्कूली बच्चों ने सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण धमधमिया केडी डकरा मार्ग पूरी तरह बंद रहा। बच्चों ने बताया कि रोहिणी परियोजना की स्कूल बस से सरस्वती विद्या मंदिर एवं आदर्श उच्च विद्यालय के बच्चे जाते हैं। ऐसे में उनकी बस नहीं आयी जिससे नाराज होकर बच्चों ने सड़क जाम कर दिया। जानकारी मिलने पर मुखिया संतोष महली एवं पंचायत समिति सदस्य सहदेव महली एवं स्कूल के शिक्षक भी जामस्थल पर पहुंचे और विभागीय अधिकारियों से बात की। मुखिया ने प्रोजेक्ट इंजीनियर इएंडएम से बात की। उन्हे बताया गया कि रोहिणी परियोजना की बस खराब हो गया है और बनने के लिए भेजा गया है। तबतक रोहिणी परियोजना की शिफ्ट बस से स्कूली बच्चों को पहुंचाया जायेगा। उसके बाद बच्चे सड़क जाम से हटे। वहीं सड़क जाम के दौरान पुरनाडीह परियोजना की स्कूल बस भी जाम में फंस गई जिसके बाद बस के मालिक रोहिणी पहुंचे और पुरनाडीह की स्कूल बस को जाने के लिए जाम हटाने को कहा जिसके बाद बस मालिक आग बबूला हो गये और बच्चों के साथ काफी कहा सुनी हुई। जिस पर बच्चों एवं शिक्षकों ने कड़ा विरोध किया। उसके बाद बस मालिक स्वयं और वहां से बस पीछे वापस धमधमिया ले गया। वहीं बच्चों ने कहा कि प्रबंधन जल्द से जल्द बस की मरम्मत करायें क्योंकि बस नहीं रहने से स्कूल आने जाने में काफी परेशानी होती है और अभी परीक्षा का भी समय आने वाला है।

महाप्रबंधक को पत्र देकर दो बसों की मांग की गयी

सरस्वती विद्या मंदिर करकट्टा के प्रधानाचार्य शालिग्राम सिंह ने मंगलवार को पत्र के माध्यम से एनके एरिया महाप्रबंधक संजय कुमार को छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग दो बस की मांग की है। पत्र के माध्यम से संबंधित विषयों और परेशानियों को बताया गया है। पत्र में लिखा है की वर्तमान में एक बस ही चलती है। स्कूल के 250 बच्चे और बाहरी स्कूल के 50 बच्चे है होने के कारण बस में काफी भीड़ हो जाती है। इसके कारण दुर्घटना का भी भय बना रहता है। बच्चों की परेशानी को देखते हुए दो बस की मांग की गई है।

भारत मुंडा समाज ने जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर किया श्रद्धासुमन अर्पित

कर्रा (आजाद सिपाही)। मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की 120वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को भारत मुंडा समाज के एक प्रतिनिधिमंडल उनके जन्मस्थली गांव टकरा, जिला खूंटी में उपस्थित होकर उनके द्वारा समाज के लिए किये कार्यों को याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। साथ ही आज उनके टकरा गांव में उनका एक प्रतिमा स्थापित कर अनावरण भी जिला प्रशासन के द्वारा किया गया। भारत मुंडा समाज के प्रतिनिधि मंडल के द्वारा सर्व प्रथम उनके पैतृक घर जिसमें उनका जन्म हुआ था, जो इस खंडहर हो चुका है, उस स्थान पर पुजा अर्चना कर पुष्पांजलि अर्पित किया गया। तत्पश्चात उनके समाधी स्थल पर, फिर उसके बाद उनके नवनिर्मित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन एवं श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस अवसर पर भारत मुंडा समाज के एतवा मुंडा, राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील पहान, प्रदेश अध्यक्ष रूपलक्ष्मी मुंडा, बुधराम मुंडा, विशेश्वर सिंह मुंडा, भीम मुंडा, ज्योति निशा नाग, आशा कच्छप मुंडा, विजयलक्ष्मी सिंह मुंडा, दीपक नाग एवं अन्य समाज के सदस्य उपस्थित थे।

पंचायत समिति सदस्यों ने रद्द कराया टेंडर

कर्रा (आजाद सिपाही)। कर्रा प्रखंड कार्यालय परिसर में पंचायत समिति फंड से पीसीसी सड़क मरम्मती के लिए टेंडर कराया गया था। जिसे पंचायत समिति सदस्यों ने बीडीओ को रद्द करने का निर्णय लेते हुए लिखित आवेदन दिया। जिसके बाद मंगलवार को होने वाले टेंडर रद्द किया गया। प्रखंड प्रमुख अंजनी मिंज ने बताया कि प्रखंड कार्यालय परिसर में पीसीसी रोड मरम्मती के लिए लगभग सात लाख रूपये की राशि की लागत से पीसीसी पथ निर्माण के लिए टेंडर निकाला गया था, जिसे पंचायत समिति सदस्यो की मांग पर रद्द कराया गया। सभी सदस्यों का कहना है की इतनी राशि से अलग-अलग पंचायतों में छोटे-छोटे जरूरत के कार्य किया जा सकेगा और यहां के ग्रामीण जनता को इसका लाभ मिल सकेगा। इसे मद्देनजर रखते हुए टेंडर रद्द कराया के लिए प्रमुख के समक्ष सभी ने अपना प्रस्ताव रखा जिसके बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी को सभी पंचायत समिति सदस्य के हस्ताक्षर सहित लिखित आवेदन देकर टेंडर रद्द कराया गया।

राधा गोविंद उरांव का अंतिम संस्कार किया

बुंडू (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत के अध्यक्ष राजेश उरांव के बड़े भाई राधा गोविंद उरांव का मंगलवार को बुडू के भकुआडीह गांव में अंतिम संस्कार किया गया। उनकी मौत से हजारों लोगों की आंखों से आंसू बह रहे थे राजेश उरांव के बड़े भाई राधा गोविंद उरांव बहुत ही मिलनसार व्यक्ति थे, वे जब भी अपने आवास भकुवाडीह आते थे तो सभी से मिलते थे वे अपने पीछे पत्नी दो पुत्र तथा एक पुत्री छोड़ गए हैं वे हजारीबाग में एएसआइ के पद पर कार्यरत थे। ज्ञात हो कि सोमवार कि सुबह वे अपनी पुत्री सुनैना कुमारी को संत अन्ना स्कूल बहु बाजार के हॉस्टल में छोड़ने जा रहे थे। इसी बीच आर्या स्टील के पास एक कंटेनर ने पीछे से धक्का मारने से उनकी मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु सुनकर बुंडू के लोग हतप्रभ रह गये सोमवार की शाम ही उनकी शव को पुलिस लाइन ले जाकर उनके आवास पर लाया गया तथा आज उनके अपने पैतृक भूमि पर दफनाया गया। उनके मौत से मोहल्ले में घरो मे चूल्हा नहीं जला मृतक के परिजनों से मिलकर सैकड़ों लोगों ने शोक संवेदना प्रकट किया। बुंडू नगर पंचायत के अध्यक्ष राजेश उरांव के बड़े भाइ पुलिस अवर निरीक्षक राधा गोविंद उरांव की सड़क दुर्घटना में हुई। मौत की खबर पर बुंडू के गणमान्य लोगों ने मृतक के परिजनों से मिलकर शोक संवेदना प्रकट किये।

श्रमिक नेता को पितृ शोक

खलारी (आजाद सिपाही)। रोहिणी परियोजना के श्रमिक नेता सह सीएमयू केंद्रीय संघठन सचिव ध्वजा राम धोबी के पिता बद्रूलाल का निधन सोमवार को हो गया। स्वर्गीय बद्रूलाल केडीएच परियोजना में कार्यरत थे। वे 2007 में एनके एरिया के केडीएच परियोजना से सेवानिवृत हुए थे और काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनका निधन दो जनवरी को उनके छत्तीसगढ़ स्थित पैतृक आवास में हो गया था। बुधवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया। इधर शोक व्यक्त करने वाले में संजय गिरी, विनय सिंह मानकी, मिथलेश कुमार सिंह, रविंदर बैठा, अनूप रजक, सुखाराम सेठ, बिनोद कुमार निषाद, प्रदीप कुमार करमाली, बिरमल कुमार, प्रधान मुंडा, गोपीचंद यादव, रामा उरांव, प्रफुल मुर्मू, अभिजीत, संजय राम, रविंदर गंझू धनेशर दास, ब्रजेश कुमार, हीरालाल, नंदू मेहता, दिनेष्वर सिंह, रामगुनी महतो, बाबूलाल सिंह बिरेंदर कुमार नोनिया, राज कुमार उरांव, उमेश रजवार आदि शामिल है।

पिपरवार-टंडवा मुख्य मार्ग पर सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

पिपरवार (आजाद सिपाही)। पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में इन दिनों सड़क दुर्घटना थमने का नाम नहीं ले रहा है।मंगलवार की दोपहर पिपरवार-टंडवा मुख्य मार्ग पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मंगलवार की दोपहर पिपरवार-टंडवा मुख्य मार्ग के चोड़ा मोड़ पर तेज गति से चल रहे बाइक के अनियंत्रित होने से बाइक सवार की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार चोड़ा मोड़ पर एक युवक तेज रफ्तार बाइक से जा रहा था, इसी बीच तीखा मोड़ होने के कारण बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में गिर गई। वही बाइक सवार युवक का सर बिजली के पोल में टकरा गया। सर में गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही युवक ने दम तोड़ दिया। दुर्घटना में मृत युवक की पहचान पिपरवार थाना क्षेत्र के बहेरा पंचायत के खंधार गांव निवासी 22 वर्षीय इमील लकड़ा पिता मनुवेल लकड़ा के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक अगर हेलमेट लगाकर बाइक चला रहा होता तो शायद युवक की जान बच सकती थी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। वही सूचना पाकर पिपरवार और टंडवा पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली और शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए चतरा भेज दिया।

सीओ के निर्देश पर खलारी में की गयी अलाव की व्यवस्था

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी प्रखंड क्षेत्र में शीतलहरी एवं बढ़ती ठंड को देखते हुए खलारी अंचल अधिकारी के निर्देश पर ग्रामीणों को राहत देने के लिये मंगलवार को अलाव की व्यवस्था अंचलकर्मियों ने किया। इस संबंध में अंचल अधिकारी एसपी आर्य ने बताया कि शुरूवाती दौर में खलारी बैंक चौक सह रेलवे सटेशन चौक एवं मैक्लुस्कीगंज स्थित बिरहोर टोला में अलाव का व्यवस्था कराया गया है। अंचल द्वारा चैंक में अलाव जलाने से स्थानीय लोगों एवं राहगीरों को बहुत राहत हो रही है और ठंड में गरीबों का सहारा बन गया है अलाव। अलाव जलाने में अंचल की ओर से अंचलकर्मी विकास कुमार, रामचरित्र मिस्त्री, संजय कुमार साहू, शिवम श्रीवास्तव, विवेक कुमार शामिल है। प्रदेश कांग्रेस की सचिव इंदिरा देवी ने खलारी अंचल द्वारा अलाव की व्यवस्था करने के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि बढ़ती शीतलहरी को देखते हुए अंचलाधिकारी द्वारा जो खलारी एवं मैकलुस्कीगंज में अलावा की व्यवस्था की गई है वो एक सराहनीय कार्य है। वहीं इंदिरा देवी ने बढ़ती शीतलहरी को देखते हुए खलारी के सभी स्कूलों में फिलहाल छुट्टी दिए जाने की भी बात कही। कहा कि अभी ठंढ और बढ़ेगी जिस कारण छोटे-छोटे बच्चों को इस शीतलहरी और ठंढ में स्कूल आने जाने में काफी परेशानी होगी। उन्होंने क्षेत्र के सभी विद्यालय प्रबंधन से भी आग्रह किया कि इस शीतलहरी में स्कूलों में छोटे बच्चे के लिए छुट्टी दे दिया जाये।

पूर्व विधायक बंधु तिर्की ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर ली समस्याओं की जानकारी

चान्हो (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत मुरतो पंचायत स्थित स्कूल मैदान में मगंलवार को तीन पंचायत के कार्यकर्ताओं की बैठक रखी गयी। जिसमे झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री बंधु तिर्की उपस्थित हुए। बैठक में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने लोगों को नव वर्ष की बधाई दी। साथ ही ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं जैसे रोड, नाली, प्रधानमंत्री आवास, वृद्धा व विधवा पेंशन से अवगत हुए। उन्होंने इन समस्याओं को जल्द से जल्द निपटारा करने की बात कही। इस दौरान पूर्व मंत्री ने लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी व उसका लाभ उठाने को कहा। मौके पर पार्टी प्रखंड अध्यक्ष ईश्तियाक अंसारी, विधायक प्रतिनिधि अब्दुल्ला अंसारी, इरशाद खान, सुजीत शाही, पंचायत अध्यक्ष पवन उरांव, मोरहा उरांव एवं अन्य लोग मौजूद थे।

समाजसेवी नरेश साहू ने जरूरतमंदों के बीच कंबल का किया वितरण

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। नव वर्ष के उपलक्ष्य में क्षेत्र के समाजसेवी नरेश साहू ने बेड़वारी में दर्जनों जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया। मुख्य अतिथि भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र महतो के हाथों कंबल का वितरण कराते हुए नरेश साहू ने कहा कि ईश्वर को हम लोगों ने नहीं देखा है, पर गरीबों-असहाय की निस्वार्थ भाव से सेवा करता है वह ईश्वर का ही रूप है। सुरेन्द्र महतो ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। गरीब असहाय लोगों की मदद से मन को सच्चा सुख मिलता है। मौके पर कई ग्रामीण मौजूद थे।

पैका और चतरा पंचायत में आजसू ग्राम और महिला कमेटी का गठन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। प्रखण्ड के पैका एवं चतरा पंचायत में मंगलवार को आजसू पार्टी के ग्राम कमेटी एवं महिला कमेटी का गठन किया गया। पैका पंचायत अध्यक्ष जयंत महतो की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक के मुख्य अतिथि आजसू नेता पारसनाथ उरांव व विशिष्ठ अतिथि प्रखण्ड अध्यक्ष जगन्नाथ महतो थे। मौके पर संजय महतो, विष्णु महतो एवं नीतु कुमारी की देखरेख हुए चुनाव में ग्राम प्रभारी बिजला उरांव एवं महिला संगठन प्रभारी सबिता कुमारी चुने गये। इधर चतरा पंचायत में भी ग्राम कमेटी एवं महिला कमेटी का चुनाव संपन्न किया गया। मौके पर हरिपद महतो, बैजनाथ महतो, प्रदीप महतो, बिष्णु महतो, सुरेश महतो, प्रेम साहू, अनिता देवी, संगीता देवी, सबिता देवी, बेबी देवी, राजेश महतो, आकाश कुमार, राजू महली, अंजु देवी समेत सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

ग्रामीणों ने श्रमदान से की रोड की सफाई

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। टाटी पंचायत अंतर्गत बड़का गढ़ा से मुरूत बेड़ा जाने वाली सड़क के दोनों किनारे झाड़ी काफी बढ़ गई थी। ग्रामीणों को आने-जाने में काफी कठिनाई हो रही थी। गाड़ी आने पर राहगीरों को पास देने की जगह तक नहीं मिलता थी। आज मंगलवार के दिन ग्रामीणों ने मिलकर श्रमदान से सड़क के दोनों किनारे साफ-सफाई की। इस कार्य में पंचायत समिति सदस्य सुधू बेदिया, सहायक शिक्षक रिझू महतो, नगेन महतो, परेश महतो, सुषेण महतो, केशर महतो, जतन महतो, सुनिल महतो, विजय महतो, सनोज महतो, चन्द्र देव महतो, अजय महतो, विकास महतो सहित अन्य लोग शामिल थे।

रातू तारूप पंचायत में झामुमो पंचायत कमेटी का गठन, राजेश महतो अध्यक्ष, सचिव बने कृष्णा मुंडा

रातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के तारूप में मंगलवार को प्रखंड झामुमो पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई। प्रखंड अध्यक्ष बेलाल अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में झामुमो पंचायत समिति का गठन किया गया। बैठक का संचालन प्रखंड उपाध्यक्ष बबलू मिंज ने किया। जिसमें सर्वसम्मति से राजेश महतो को अध्यक्ष व कृष्णा मुंडा सचिव बनाया गया। इसके अलावा सतीश महतो, प्रदीप महतो को उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष इनोद महतो व संगठन सचिव मंतोष महतो को तथा सरवन महतो संजय महतो को सह सचिव बनाया गया। इसके अलावा विनोद राय संजीत महतो राजेश वर्मा शिव लोहार प्रकाश महतो को कार्यकारिणी सदस्य में रखा गया है कार्यक्रम में जीत नंदन महतो, जरूर महतो, विनोद राय, सनी लोहरा, मंतोष कुमार, संजू महतो सहित दर्जनों पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

टाटीसिलवे की टीम को 3-1 से हरा कर नामकुम टीम पहुंची सेमीफाइनल में

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। स्वर्णरेखा फुटबॉल क्लब सिकिदिरी के द्वारा आयोजित चैंपियन ट्राफी फुटबॉल टूर्नामेंट में मंगलवार को सिकिदिरी मैदान में खेले गए चौथे क्वार्टर फाइनल के एक तरफा मुकाबले में सावना लकड़ा एफसी नामकुम की टीम ने टाटीसिलवे एफसी को 3-1 से हराया। इस चैंपियन ट्राफी के सेमीफइनल में पहुंचने वाली नामकुम चौथी टीम बनी। पूरे खेल के दौरान शानदार प्रदर्शन के लिए नामकुम के खिलाड़ी विकास नायक को मुख्य अतिथि झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष देवचंद मुंडा व विशिष्ट अतिथि कोषाध्यक्ष गुलाब महतो और सिकिदिरी थाना के पूर्व थाना प्रभारी प्रवीण कुमार सिन्हा ने मैन आफ द मैच का पुरस्कार देकर सम्मानित किया। अतिथि के रूप में चमरू बेदिया,मुखिया राजेंद्र बेदिया,एसआई अरुण कुमार सिंह,आजसू के प्रकाश लकड़ा, अजगुत करमाली, जयनंदन सिंह व नंदलाल राम उपस्थित थे। मैच का संचालन आयोजन समिति के प्रवक्ता शिवधर रजवार ने किया। मैच की सफलता में समिति के संरक्षक फारूक खान, अध्यक्ष राजेश पहान, सचिव प्रकाश कुमार यादव, पवन महतो, रथुवा मुंडा, अशोक रजवार, बलराम कुमार साहू,जोतिलाल रजवार व जगदीश रजवार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल बुधवार को फोर एस बड़ाम और एफसी गाड़ी होटवार की टीम के बीच खेला जायेगा।

रिवर व्यू प्रोजेक्ट का निरीक्षण करने पहुंचे कांके सीओ व कर्मचारियों को रैयतों ने घेरा

कहा- हमारी पुश्तैनी जमीन को विवादित नहीं बनायें

आजाद सिपाही संवाददाता

कांके। कांके अंचल क्षेत्र के हलका-6 के मौजा नगड़ी स्थित रिवर व्यू प्रोजेक्ट का निरीक्षण करने मंगलवार को कांके सीओ दिवाकर सी द्विवेदी, अंचल निरीक्षक बासुकीनाथ टूडू, राजस्व कर्मचारी गोवर्धन बैठा एवं अमीन जितेंद्र साहू, रामलाल महतो पंहुचे थे। इन अधिकारियों ने जमीन का लगभग ढाई घंटे तक निरीक्षण किया। निरीक्षण कर यहां पर खाता संख्या 136 और खाता संख्या 142 की पूरी जमीन को घूम-घूम कर देखा। अधिकारियों ने जुमार नदी की सरकारी जमीन, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय की अधिग्रहित की गयी जमीन और सरकारी गैरमजरूआ जमीन का भी स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने पाया कि जमीन पर गाड़े हुए पूर्व के सरकारी बोर्ड के साथ ही साथ सभी जमीन भी सुरक्षित है। इस पर किसी तरह का किसी व्यक्ति द्वारा या जमीन दलाल द्वारा निर्माण कार्य नहीं किया जा रहा है। इसी बीच वहां सीओ एवं अन्य पदाधिकारियों के पंहुचने की जानकारी मिलते ही प्रोजेक्ट की जमीन के दर्जनों रैयत वहां पंहुचे। जिसमें महिलाओं की संख्या ज्यादा थी। वे सभी सीओ दिवाकर सी द्विवेदी के समक्ष हो अपनी अपनी बातें रखी। रैयतों का कहना था कि उक्त जमीन पर सीआई बासुकीनाथ टुडू, हल्का- 6 के राजस्व कर्मचारी गोवर्धन बैठा व अंचल अमीन जितेंद्र साहू, रामलाल महतो व ललित महतो को लगातार भेजकर परेशान किया जा रहा है। तीखी बहस में जमीन रैयतों ने कहा कि यह हम लोगों की खतियानी, पुश्तैनी और पुरखौती जमीन है। यह विवादित नहीं है। राज्य सरकार के अधिकारी गण सभी सरकारी भूमि का सीमांकन कर इसे अलग करें और अपनी घेराबंदी करें और हमारी जमीन को विवादित ना बनायें। प्रोजेक्ट पर पहुंचे सभी रैयत अंचल अधिकारी को

जमीन रैयतों ने बार-बार उनकी पुस्तैनी जमीन को रिवर व्यू का कथित नाम देकर बदनाम किये जाने का लगाया आरोप

जमीन रैयतों का कहना था कि बार-बार हमारी पुस्तैनी जमीन को रिवर व्यू का कथित नाम देकर बदनाम किया जा रहा है। जबकि हमलोगों ने सालों पूर्व रिवर व्यू से हुए समझौता को रद्द कर वहां से रिवर व्यू का बोर्ड भी हटा दिया है। जुमार नदी, बीएयू की अर्जित जमीन एवं गैरमजरुआ जमीन से हमारा कोई लेना देना नहीं है। रैयतों द्वारा सीओ से घंटो की बहस हुई और रैयतों ने बार बार सीओ से एक ही बात का आग्रह किया कि सरकारी भूमि को घेर कर हम लोगों की पुस्तैनी भूमि को बदनाम ना किया जाये और हमलोग को परेशान न किया जाये।

सरकारी जमीन एवं बीएयू की अर्जित जमीन पर सीमांकन कर घेराबंदी करने की मांग पर अड़े थे। उनका कहना था हमारी रैयती जमीन पर कार्य करने से क्यों हमें बार-बार रोका जा रहा है। जबकि उक्त जमीन से रिवर व्यू प्रोजेक्ट व उनके प्रोपराइटर कमलेश कुमार का हमारी जमीन से कोई लेना देना नहीं है। कुछ सफेदपोश लोग इस जमीन को कमलेश कुमार का बता कर इसे विवादित बना रहे हैं।

इस पर सीओ ने कहा डीसी के निर्देश पर रिवर व्यू की जमीन का निरीक्षण करने पंहुचे थे। इसी बीच ग्रामीण हो हंगामा कर सरकारी जमीन की घेराबंदी की मांग पर अड़े थे। रैयतों को कहा गया है कि इस जमीन पर पूर्व में सीओ निलबिंत हो चुके हैं। घेराबंदी कराना मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर है। इस मामले में मुझे उपायुक्त या अपर समाहर्ता से निर्देश प्राप्त होने पर ही घेराबंदी कर सकते हैं। साथ ही कहा कि निरीक्षण के दौरान बीएयू, जुमार नदी की जमीन व गैरमजरुवा जमीन सभी सुरक्षित है। जिस पर किसी प्रकार का कोई भी निर्माण कार्य नहीं किया गया है।

सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

चान्हो (आजाद सिपाही)। कक्षा आठवीं में पढ़ने वाली प्रखंड की एक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है। यह घटना 26 दिसंबर की है। मिली जानकारी के अनुसार प्रखंड के गांव की लड़की घटना के दिन देर शाम को अपने बगल गांव में कुछ सामान घर के लिए लेने गयी थी, सामान लेने के बाद जब वह वापस लौट रही थी तो उसी गांव के तीन लड़कों ने उसे खेत में ले जाकर उसके साथ बारी बारी से दुष्कर्म किया था। दुष्कर्म के बाद उन लोगों ने घटना को किसी को बताने पर उसे जान से मारने की भी धमकी दी थी। डर जाने के कारण उसने इस घटना की चर्चा अपने घर में किसी से नहीं की। एक या दो दिन बाद घटना की जानकारी उसने अपने घर वालों को दी। जिसके बाद मंगलवार को पीड़िता की मां ने प्रमोद उरांव, रमेश उरांव और नवीन उरांव तीनों सोपारण तुरी टोला निवासी पर नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी। पुलिस ने प्रमोद और रमेश को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि तीसरा आरोपी फरार है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल टेस्ट बुधवार को कराया जायेगा।

समाजसेवी ने मंदिर में आर्थिक सहयोग कर की पूरा टाईल्स का खर्च देने की घोषणा

अर्द्धनिर्मीत बजरंगबली मंदिर के प्रांगण में सस्वर हनुमान चालीसा सह महाआरती के पश्चात किया गया प्रसाद वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। मंगलवार को नगड़ी पुराना बाजार टांड़ रोड में स्थित अम्बेडकर मुहल्ला के अर्द्धनिर्मीत बजरंगबली मन्दिर के प्रांगण में संध्या सात बजे भक्तिमय वातारण में दर्जनों ग्रामीणों और क्षेत्र के गणमान्य धर्मप्रहरी की उपस्थित में सस्वर हनुमान चालीसा सह महाआरती की गयी और इसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नगड़ी पंचायत के पूर्व मुखिया दिनेश केसरी, समाजसेवी मधुसुधन साहू, सुरेश केसरी, बसंत सोनी, सहदेव केसरी, रोहित केसरी सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। मौके पर मंदिर समिति के द्वारा मुख्य अतिथि को हनुमान वाटिका देकर सम्मानित किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व मुखिया सह समाजसेवी दिनेश केसरी ने अर्ध निर्मित हनुमान जी के मंदिर को पूर्ण करने के लिए आर्थिक सहयोग देते हुए पूरे मंदिर का टाइल्स का सारा खर्च करने की घोषणा की। मौके पर मंदिर समिति में प्रसाद देकर धन्यवाद दिया।

मौके पर बजरंगबली निर्माण समिति के सत्यनारायण चौधरी सुखदेव राम, परमानंद चौधरी, रघुनंदन केशरी, रामानंद केशरी, कमलेश केशरी, जगदेव राम, लक्ष्मण नायक, राजेश नायक, गोबर्धन राम, संजय राम अरुण कुमार प्रमाणिक, रामप्रवेश राम, रवि कुमार केशरी, शिवनन्दन राम,संतोष राम,विशाल केशरी, विकास राम, सोनू राम, विशाल राम, सूरज राम एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

कड़ाके की ठंड के बावजूद लापुंग में अलाव की व्यवस्था नहीं

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग प्रखंड में बढ़ती ठंड को लेकर अभी तक अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। पश्चिमी हवा के तेज रफ्तार से एक सप्ताह से ठंड में इजाफा हुआ है। इसके बावजूद भी प्रखंड मुख्यालय से लेकर पंचायत स्तर पर कहीं भी अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। जिससे यहां के गरीब जनता को ठंड से बचाव के आसार नहीं लग रहे हैं। लापुंग प्रखंड में 11 पंचायत हुलसु, महुगांव, सापुकेरा, मालगो, बोकरन्दा, दाड़ी, दानेकेरा, दाढ़ी, ककरिया, देवगांव, लतरातु के अलावे प्रखण्ड मुख्यालय में भी ठण्ड से बकनर के लिए अलावे की कुछ व्यवस्था नहीं है। इस ओर न ही पंचायत के मुखिया और न ही प्रखंड विकास पदाधिकारी का ध्यान गया है। मुख्य रूप से प्रखंड मुख्यालय, बिरसा चौक लापुंग, लालगंज, महुगांव, दोलैचा, दानेकेरा में मुख्य रूप से अलाव की व्यवस्था होनी चाहिए।

महत्वपूर्ण न्यूज

आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के बीच किया गया स्वेटर का वितरण

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग प्रखंड लालगंज गांव के आंगनबाड़ी केंद्र में 40 बच्चों के बीच स्वेटर वितरण किया गया। इस अवसर उपप्रमुख विश्वनाथ मुंडा, बोकरन्दा पंचायत मुखिया सरोज मुंडा व समाजसेवी चरकु साहू के द्वारा बालविकास केंद्र से मुफ्त में उपलब्ध कराये गये स्वेटर का वितरण संयुक्त रूप से किया गया। मौके पर उप प्रमुख विश्वनाथ मुंडा ने आंगनबाड़ी केंद्र में मिलने वाले पोषाहार व पोषण मेनू की जानकारी दी। साथ ही ग्रामीणों से केंद्र में मिलने वाले लाभ के बारे में भी जानकारी ली। किशोरी बच्ची को सरकार की ओर से मिलने वाले, लाभ सुकन्या योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी योजना की जानकारी दी। बच्चों को कड़ाके की ठंड में गर्म स्वेटर मिलने से खुशी से झूम उठे। मौके पर सेविका कौशल्या देवी, सहायिका मीना देवी, ग्रामीण महिलाओं के अलावे दर्जनों बच्चे उपस्थित थे।

बेड़ो के आंगनबाड़ी में पढ़नेवाले बच्चों में वितरण के लिए सेविकाओं को मिले स्वेटर

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ने वाले बच्चों को अब स्वेटर दिया जायेगा। जो बाल विकास परियोजना के द्वारा हर आंगनबाड़ी केंद्र को दिया जाएगा। प्रखंड कार्यालय के बाल विकास कार्यालय में मंगलवार को जिला सांसद प्रतिनिधि राकेश भगत व सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार राय ने सेविकाओं के बीच वितरण किया। जिसे आंगनबाड़ी केंद्र के द्वारा आंगनबाड़ी में पढ़ने वाले बच्चों को स्वेटर दिया जाएगा। मौके पर राकेश भगत ने कहा बच्चों के बीच स्वेटर वितरण होने से इस बढ़ते ठंड में उन्हें राहत मिलेगी बाल विकास परियोजना कार्यालय से सेविकाओं को बच्चों के लिए स्वेटर उपलब्ध कराया गया है।

बेड़ो के सेरो गांव में सांसद के प्रयास से लगा नया ट्रांसफॉर्मर

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सेरो गांव में पिछले एक महीने से ट्रांसफार्मर के जल जाने से ग्रामीण अंधरे में रहने को मजबूर थे। बिजली की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सूचना सांसद सुदर्शन भगत को लिखित तौर पर दिया था जिसके बाद गांव में नए 100 केवीए का ट्रांसफॉर्मर गांव में लग गया। गांव में ट्रांसफार्मर के लगने से ग्रामीणों ने सासद, प्रतिनिधि व विधुत विभाग सतीश कुमार शाह का धन्यवाद किया। मौके पर भाजपा के प्रदेश सदस्य राजीव रंजन अधिकारी महामंत्री बलराम सिंह व राजेश साहू पंचयात के मुखिया महावीर उरांव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान नरकोपी मंडल उपाध्यक्ष कुमोद कुमार वर्मा,धीरज साहू अल्पसंख्यक महामंत्री शाहबाज अंसारी अजीत अंसारी बबलू उरांव जितेंद्र मुंडा उरांव शशि भूषण उरांव सहित भाजपा कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद थे।

स्व. लक्ष्मण महतो जयंती के अवसर पर क्रॉस-कंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

कांके। स्व. लक्ष्मण महतो की जयंती पर कांके चौक में क्रॉस-कंट्री दौड़ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व कांके चौक स्थित स्व. लक्ष्मण महतो की प्रतिमा पर अतिथियों ने माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। क्रॉस-कंट्री दौड़ के लिए रांची के विभिन्न इलाकों से बालक-बालिका वर्ग के धावकों ने भाग लिया। कांके से तीन किमी दौड़ के लिए बालक वर्ग में सिकंदर मुंडा, शिव सागर कुमार, आर्यण कुमार और बालिका वर्ग मनीता कुमारी, रिधि कुमारी, नीति चैरसिया, अंजली कुमारी सफल रहे। पांच किमी बालक वर्ग में संदीप कुमार महतो, प्रमानन्द महतो, रोहित कच्छप, बालिका वर्ग में सुषमिता कुमारी, नीता कुमारी, पूनम कुमारी, सात किमी बालक वर्ग में रंजीत महतो, शुभम महतो, सुजीत सरकार, बालिका वर्ग में अंजू कुमारी, सुशांति कुमारी, मनीता कुमारी सफल रहे वहीं सभी आयु वर्ग के लिए कांके चौक से 10 किमी दौड़ में उरुगुट्टू से विकास कुमार, ओरमांझी से लक्ष्मण महतो, सुकुरहुट्टू से हरीलाल महतो, चाइबासा से रासीक कुमार, धुर्वा से विजय महली सफल रहे। सफल प्रतिभागियों को लक्ष्मण महतो स्मारक समिति के मुख्य संयोजक मदन कुमार महतो, वरिष्ठ समाजसेवी अशोक गोप, कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश किरण महतो, सुरेश कुमार बैठा, चंदन बैठा, गौरीशंकर महतो, अषोक महतो, गुलजार अहमद, विनोद साहू, इंद्रासन सिंह, शालीग्राम महतो, अर्जुन मुंडा धनेष्वर महतो, सुमित सुरीन,तिर्थनाथ महतो, ललीन्द्र महतो, सीताराम मुंडा, सूरज महतो, भुगोल उरांव के द्वारा मेडल व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

ठंड से मौत : कड़कड़ाती ठंड गरीबों के लिए बन गयी है मुसीबत

बाजार के शेड में सो रहे मजदूर की ठंड लगने से हुई मौत

मजदूर की मौत से उसके परिवार के सात लोगों पर टूट पड़ा है मुसीबतों का पहाड़

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले दो दिनों से पड़ रही कुहासा व हाड़ कंपाने वाली ठंड से जनजीवन बेहद प्रभावित हुआ है। वहीं सोमवार की रात बाजार टांड़ स्थित सर्वेश्वर धाम आश्रम के समीप शेड में सो रहे मजदूर की ठंड लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के लमकाना गांव निवासी 42 वर्षीय हिंदू उरांव पिता बंधना उरांव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार साप्ताहिक बाजार आया था, जो रात में शेड में ठहरा हुआ था। वहीं अत्यधिक ठंड होने के कारण उसकी मौत हो गई। जहां मंगलवार की सुबह में ग्रामीणों ने मृत अवस्था में पड़ा हुआ देखकर इसकी सूचना बेड़ो थाना पुलिस को दी। जिसकी सूचना पर एएसआई राजेंद्र प्रसाद यादव सदल बल घटना स्थल पहुंच कर स्वजनों व पंचायत

के मुखिया अनिता बाड़ा को सूचना दी। सूचना पर पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा, वार्ड सदस्य राजेश उरांव ने बताया कि मृतक हिंदू उरांव मजदूरी करने के लिए बाहर गया हुआ था, जो 31 दिसंबर को अपने घर आया था। वह 1 जनवरी की रात में अपने घर से निकला था।

मृतक के पास से आधार कार्ड व वोटर आईडी बरामद किया गया। उसी के अनुसार यह पता किया गया कि यह व्यक्ति लमकाना गांव का है। मृत व्यक्ति के पास से अन्य सामानों में एक बैग व 580 रुपये नगद बरामद हुए हैं। वहीं बेड़ो पुलिस ने शव का पंचनामा करते हुए शव को उठाकर बेड़ो थाना ले आयी। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स रांची भेज दिया। इस संदर्भ में बेड़ो थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता ने यह आशंका जतायी है कि अत्यधिक ठंड की वजह से इसकी मृत्यु हो गई होगी। वहीं पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। इधर मृतक की पत्नी फुलमनी उरांव बच्चों व स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

सड़क हादसे में एक की मौत, दो घायल

मांडर (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के नारो पतरा के निकट मंगलवार की शाम हुए सड़क हादसे में बेड़ो प्रखंड के झरिया टोली निवासी 60 वर्षीय दोगे उरांव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार दोगे मांडर प्रखंड के पत्रा गांव स्थित अपनी बेटी के ससुराल आई थी। वहां से वापसी के दौरान पतरा के निकट ऑटो असंतुलित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में दोगे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वही दो अन्य को मामूली चोटे आई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने सभी को रेफरल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दोगे को मृत घोषित कर दिया। वहीं दो अन्य लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी।

सुरक्षा समिति की हुई बैठक दुकानदारों की सुरक्षा पर चर्चा

कमेटी का हुआ पुर्नगठन, रवींद्र उपाध्याय प्रधान संरक्षक व पंकज कुमार लाल बने अध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू)। बिश्रामपुर बाजार सुरक्षा समिति की एक अहम बैठक मंगलवार को स्थानीय डाक बंगला परिसर में हुई। बैठक की अध्यक्षता विधायक प्रतिनिधि पंकज कुमार लाल व संचालन गांधी विचार मंच के अध्यक्ष रवींद्र नाथ उपाध्याय ने किया। बैठक में दुकानदारों की सुरक्षा और एकजुटता पर बल दिया गया। इसके अलावा बाजार सुरक्षा समिति को सर्वसम्मति से पुनर्गठित किया गया। पुनर्गठित कमेटी का अध्यक्ष पंकज कुमार लाल को बनाया गया। वहीं रवींद्र नाथ उपाध्याय को कमेटी का प्रधान संरक्षक चुना गया। जबकि संजय पांडेय व लक्ष्मण साव को संरक्षक, संजय प्रसाद साह व अमितेशवर दयाल को उपाध्यक्ष, संतोष कुमार गुप्ता व विजय कुमार राम को महासचिव, धर्मराज प्रसाद गुप्ता को कोषाध्यक्ष, मशीर खलीफा व प्रभु गुप्ता को सचिव, अमित कुमार को मीडिया प्रभारी, उमा शंकर गुप्ता को संगठन मंत्री तथा आनंद कुमार गुप्ता को संगठन सचिव मनोनित किया गया। इसके अलावा 21 सदस्यीय कार्यकारणी का भी गठन किया गया। बैठक में रमेश चौबे, शंभू गुप्ता, विकास पाल, अल्ताफ अंसारी, रघुनाथ प्रसाद सोनी, टुन्ना बक्सराय, सत्यनारायण सोनी, सुनील चंद्रवंशी, राजेंद्र केशरी, बबलू डिश, फैजान, विजय पेंटर, आनद कुमार गुप्ता, शशि चंद्रवंशी, दीपक केशरी, आदित्य केशरी, विगन सोनी, अनिल राम, मनीष गुप्ता सहित कई लोग मौजूद थे ।

कड़ाके की ठंड में अलाव बना सहारा

सतबरवा/ पलामू(आजाद सिपाही)। सतबरवा प्रखंड मुख्यालय समेत आसपास के क्षेत्रों में सुबह 10:00 बजे तक कुहासा गिरता रहा वही शाम तक छाए रहे बादल। रांची रोड पर हेड लाइट और पार्किंग लाइट जला कर चलती देखी गाड़ियां। पूरे दिन में एक बार भी नहीं निकला धूप , ठंड से ठिठुरते लोगों ने लिया अलाव का सहारा। ठंड अधिक होने के सड़कों पर पसरा रहा सन्नाटा तो दुकानों पर नहीं दिखे ग्राहक। चौक चौराहे पर आग ताते नजर आए लोग। सामाजिक कार्यकर्ता आशीष सिन्हा ने कहा कि कड़ाके की ठंड पड़ने शुरू हो गई है सरकार को विद्यालयों में अभिलंब छुट्टी का आदेश जारी करने के साथ-साथ चौक चौराहा पर अलाव की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि गरीब मजदूर और फुटपाथ पर रहने वाले लोग ठंड से राहत पा सके।

बढ़ती ठंड के मद्देनजर सरकारी व निजी विद्यालयों में वर्ग 1 से 5 तक के शैक्षणिक कार्य 8 जनवरी तक स्थगित : डीसी

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। राज्य एवं जिले में पिछले कुछ दिनों से ठंड लगातार बढ़ती जा रही है। जिले में बढ़ती ठंड के मद्देनजर पलामू डीसी आंजनेयुलू दोड्डे ने जिले के सरकारी व निजी विद्यालयों में वर्ग 1 से 5 तक के शैक्षणिक कार्यों को 8 जनवरी 2023 तक बंद रखने का आदेश दिया है। इसके बाद 9 जनवरी से सामान्य रूप से कक्षा संचालित की जायेगी। इस अवधि में शिक्षक विद्यालय में उपस्थित होकर सभी अभिलेख अद्यतन करेंगे एवं ऑनलाइन डाटा एंट्री करेंगे। गरीब बच्चों के खाद्य सुरक्षा के आलोक में कक्षा 1 से 5 के उपस्थित बच्चों को इस अवधि में मध्यान भोजन यथावत उपलब्ध कराया जाएगा। बताते चलें कि जिले में बढ़ती ठंड व शीतलहरी के कारण कई बच्चों के अभिभावक व अभिभावक संघ के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त से बच्चों के हित में विद्यालय बंद करने को लेकर अनुरोध किया था।

पलामू डीसी कार्यालय में हुआ जनता दरबार का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के डीसी आंजनेयुलु दोड्डे ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में डीसी श्री दोड्डे ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से पहुंचे 25 से अधिक लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए समुचित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दरबार में मुख्य रूप से जमीन संबंधी, वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास व म्यूटेशन, जमीन मापी, जबरदस्ती जमीन कब्जा, भुगतान, राशन नहीं मिलने, माइंस बंद करने, डीप बोर व जमीन को सरकारी अतिक्रमण मुक्त करवाने से संबंधित मामलों पर सुनवाई हुई।

पाटन के उताकी में संचालित स्टोन माइंस को कैंसिल करने की मांग

जनता दरबार में पाटन के उताकी में संचालित सतीश तिवारी का स्टोन माइंस कैंसिल करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। इस आवेदन में स्थानीय 50 ग्रामीणों द्वारा हस्ताक्षर कर उक्त स्टोन माइंस को बंद करने को लेकर आवेदन दिया गया। दिए गये आवेदन के अनुसार उक्त स्टोन माइंस रद्द को रद्द किये जाने को लेकर भी कारण मौजूद है बावजूद इसके यह संचालित किया जा रहा है।

उपायुक्त ने एसडीओ को कार्रवाई करने का दिया कड़ा निर्देश

विश्रामपुर अंचल के ग्राम तोलरा से आयी श्यामा देवी ने डीसी को बताया कि उनके पड़ोसी मुखदेव तिवारी ने उनके हिस्से के जमीन पर जबरदस्ती घर बना लिया है। श्यामा देवी ने उपायुक्त को बताया कि इस मामले को लेकर वो सीओ, थाना प्रभारी व एसडीओ के पास कई बार गयी एवं उक्त जमीन पर धारा 144,145,146,188 सब हुआ बावजूद इसके उनके पड़ोसी ने जबरदस्ती घर का निर्माण कार्य जारी रखा। महिला ने डीसी को बताया कि उनके पति मातृभूमि की सेवा में बॉर्डर पर है और यहां उनके पुश्तैनी जमीन पर जबरदस्ती कब्जा किया जा रहा है। श्यामा देवी ने उपायुक्त से जमीन की मापी करवाने की मांग की इसपर डीसी ने सदर एसडीओ को कॉल कर पूरे मामले की जांच करने एवं जांच के पश्चात दोषी पाए जाने पर पड़ोसी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिया। इसी तरह चैनपुर के भगन भुइयां ने डीसी से कहा कि पिछले एक वर्ष से अपने जमीन का रसीद कटवाने को लेकर परेशान हूँ बावजूद इसके चैनपुर अंचलाधिकारी द्वारा रुचि नहीं दिखाया जा रहा है इसपर डीसी ने चैनपुर सीओ को अविलंब रसीद काटने हेतु निर्देशित किया।

मध्य विद्यालय में छात्रवृत्ति योजना के सफल अभ्यर्थियों को किया गया सम्मानित

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना 2022 में शहर के मध्य विद्यालय के 7 छात्र-छात्राओं ने सफलता पाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।मंगलवार को सावित्रीबाई फुले के जन्मदिवस पर चयनित अभ्यर्थियों को विद्यालय परिसर में सम्मानित किया गया।उत्तीर्ण छात्र - छात्राओं ने बताया कि परीक्षा की तैयारी के लिए विद्यालय में अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन किया गया था।साथ ही कोरोना काल के दौरान भी शिक्षकों द्वारा पूरी तन्मयता के साथ व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से शिक्षण कार्य संचालित किया जाना हमारी सफलता के लिए बेहतर प्रयास रहा।मौके पर बिद्यालय के प्रधानाध्यापक यूपी सिंह ने कहा की बच्चों का बेहतर प्रदर्शन बिद्यालय के लिए गौरव की बात है। परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को आगामी चार वर्ष तक एक हजार रुपये प्रतिमाह की छात्रवृत्ति शासन द्वारा दी जाएगी। परीक्षा पास करने वाले बिकास पाल, रजनीश कुमार, रिशु कुमार, अंकित कुमार, अभिषेक कुमार, रुद्र प्रकाश, सन्ना कौशर आदि के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षकों ने सम्मानित किया। इस मौके पर एके सिंह कालेज के प्रो0 डॉ आलोक रंजन, वरीय शिक्षक राजेश कुमार गुप्ता, जुबैर अंसारी, कन्हैया प्रसाद, जीएस चौबे, पुष्पा कुमारी, राजेश कुमार सिन्हा आदि मौजूद थे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय एकडरी में पोशाक वितरण

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद प्रखंड के पथरा पंचायत स्थित एकडरी उत्क्रमित मध्य विद्यालय में मंगलवार को एक सादे समारोह का आयोजन कर सत्र 2022-23 का पोशाक छात्र- छात्राओं के बीच वितरण किया गया।इस अवसर पर पंचायत के मुखिया नरेश कुमार पासवान व वार्ड सदस्य ममता देवी, बिद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष आरती देवी, सचिव सह प्रधानाचार्य निर्मल कुमार ने संयुक्त रूप से 65 छात्र-छात्राओं के बीच स्कूली पोशाक, जूता मोजा व स्वेटर का वितरण किया।मौके पर मुखिया नरेश पासवान ने छात्र- छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिदिन विद्यालय निश्चित तौर पर आए और मन लगा कर शिक्षा ग्रहण करें और क्षेत्र का नाम रौशन करे।उन्होंने कहा कि पोशाक से बच्चों में एकरूपता आती है। मौके पर बिद्यालय के प्रधानाचार्य निर्मल कुमार ने कहा कि आपलोगों को जो स्कूली पोशाक दिया जा रहा है उस पोशाक को पहनकर प्रतिदिन स्कूल आना है और स्कूली पोशाक को हमेशा साफ रखें।इस बीच पोशाक, जूता, गर्म कपड़े पाकर बच्चे काफी खुश नजर आए। मौके पर लक्ष्मी कुमारी, मोहम्मद असलम, उपेंद्र कुमार समेत कई छात्र-छात्राए मौजूद थे।

टीम सुर्या पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में दरुआ बेनी ने बड़ेपुर को हराया

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। टीम सूर्या के बैनर तले पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता बड़ेपुर उच्च विद्यालय के मैदान में टीम सूर्या बड़ेपुर बनाम दरूवा बेनी के बीच खेला गया। टूनार्मेंट का उद्घाटन हुसैनाबाद के कपूर्री मैदान में विधायक कमलेश कुमार सिंह व युवा नेता सूर्या सिंह ने गत माह किया था। मंगलवार को बड़ेपुर उच्च विद्यालय के मैदान में खेले गए मैच में दरुआ बेनी की टीम ने बड़ेपुर को 57 रन से पराजित कर दिया। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि बैरिस्टर सिंह ने कहा कि टीम सूर्या के बैनर तले लगातार किसी न किसी पंचायत में मैच खेला जाएगा। 20 सूत्री अध्यक्ष योगेंद्र कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने कहा कि सभी पंचायतों में टीम सूर्या क्रिकेट टीम है। क्षेत्र के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर आगे बढ़ाने की मुहिम के तहत प्रतियोगिता का आयोजन अलग अलग इलाकों में किया जा रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को उत्साहित करने आम लोगों को भी आगे आना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि बुधवार को सुबह 11 बजे से जपला-हैदरनगर मुख्य पथ स्थित सिमरसोत मैदान में मैच खेला जाएगा। मौके पर मुखिया जोगेंद्र सिंह, एनसीपी नेता नीतू सिंह, जयप्रकाश उपाध्याय, ओमप्रकाश राजवंशी, राजेंद्र सिंह, विनय पासवान, गोरख पासवान, प्रिंस शर्मा, अभिषेक सिंह हरी, राजन सिंह, अमित पाठक, गुड्डु सिंह, बबल सिंह, शिवम सिंह, अक्षय सिंह, हंसराज सिंह, चंचल सिंह, मुकेश सिंह, बबलू सिंह उपस्थित हुए।

विश्रामपुर स्थित जोड़ा मंदिर परिसर में केसरवानी वैश्य समाज का हुआ सम्मेलन

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू)। विश्रामपुर जोड़ा मंदिर परिसर में केसरवानी वैश्य समाज का सम्मेलन हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता राजेंद्र केशरी व संचालन संतोष केशरी ने किया। सम्मेलन की शुरूआत मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री रामचंद्र केशरी ने कश्यप मुनि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। सम्मेलन में केसरवानी समाज के उत्थान पर बल दिया गया। निर्णय लिया गया कि समाज मे फैली कुरीतियों को संगठित होकर दूर किया जायेगा। इसके अलावे राजनीत में केसरवानी समाज के भूमिका पर भी चर्चा हुई। सम्मेलन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। मौके पर संरक्षक रामलखन केशरी, राजू केशरी, कामेश्वर केशरी, राजेश केशरी, राकेश केशरी, ललू केशरी, अवधेश केशरी, राजेंद्र केशरी, शिव केशरी, रंजीत केशरी, प्रमोद केशरी, सुबोध केशरी, संजय केशरी, अजय केशरी, प्रभा देवी, किरण केशरी, पूजा केशरी, जय प्रकाश केशरी, सुरेंद्र केशरी, विजय केशरी, सुभम केशरी, मंटू केशरी, उमेश केशरी, सतीश केशरी, मोनू केशरी, डॉ पतंजलि केशरी सहित कई लोग मौजूद थे।

40 मृतकों के नाम पर अनाज का उठाव कर रहा था डीलर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। अनियमितता एवं राशन गबन करने वाले राशन डीलरों पर पलामू डीसी आंजनेयुलू दोड्डे का कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को पांकी के सुड़ी पंचायत के राशन डीलर पर प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। ज्ञातव्य है कि कुछ दिनों पूर्व सुड़ी के ग्रामीणों ने डीसी से मिलकर राशन डीलर अनिल कुमार यादव पर 40 मृतकों के नाम पर सैकड़ों क्विंटल सरकारी अनाज हड़पने को लेकर शिकायत की थी जिसके आलोक में डीसी ने टीम गठित कर पूरे मामले की जांच करवायी। जांच के क्रम में डीलर अनिल कुमार यादव के विरुद्ध शिकायत सही पाया गया जिसके पश्चात डीसी ने पांकी के अंचलाधिकारी को उक्त राशन डीलर पर प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर निर्देशित किया था।

हस्तक्षेप से मृतक की पत्नी को मिला मुआवजा व नौकरी

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू)। पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे के हस्तक्षेप से मृतक मजदूर के पत्नी को मुआवजा तथा नौकरी मिल गई है। मालूम हो कि पांडू थाना क्षेत्र के बरवाही गांव निवासी उम्मत रसूल बोकारो स्थित वेदांता इलेक्ट्रिकल प्लांट में ऑपरेटर का काम करते थे। पिछले 26 दिसंबर को उम्मत रसूल (37) की मौत कंपनी के आवासीय परिसर में संदेहास्पद स्थिति में हो गई थी। सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजन बोकारो गए। कंपनी प्रबंधन व ठेकेदार से मिले। आश्रित को मुआवजा और नौकरी की मांग की। लेकिन परिजनों का दुखड़ा किसी ने नहीं सुना। मायूस परिजन ददई दुबे से मिलकर न्याय की गुहार लगाई। तब ददई दुबे ने बोकारो स्थित अपने कार्यालय पर त्रिपक्षीय वार्ता बुलाई। जिसमे मृतक के परिजन, कंपनी के प्रतिनिधि व ठेकेदार शामिल रहे। वार्ता में सहमति के बाद मृतक के आश्रित को चार लाख मुआवजा, अंतिम क्रियाकर्म हेतु नकद पच्चास हजार रुपए और मृतक की पत्नी को स्थाई नौकरी मिली। ददई दुबे ने कहा कि किसी भी कामगार के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। झारखंड के हर मजलूम के साथ ददई दुबे खड़ा मिलेगा। मौके पर कई लोग मौजूद थे।

मां से मिली प्रेरणा के चलते दो महिला कॉलेज की स्थापना करायी : रामचंद्र चंद्रवंशी

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू)। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सह स्थानीय विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी की माँ लक्ष्मी चंद्रवंशी की आठवी पुण्यतिथि मनायी गयी। इस अवसर पर रेहला लक्ष्मी चंद्रवंशी महिला महाविद्याल परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी व संचालन प्रचार्या नूतन रानी ने किया। कॉलेज परिसर में स्थापित लक्ष्मी चंद्रवंशी के आदमकद प्रतिमा पर विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी व वरीय भाजपा नेता भोला चंद्रवंशी ने श्रद्धा-सुमन अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। रामचंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि मेरी माँ हमेशा शिक्ष के प्रति उत्प्रेरित करते रहती थी। उसका कहना था कि बालिका शिक्षा से ही समाज मे इंकलाबी बदलाव आयेगा। अपनी माँ से मिली प्रेरणा से ही दो महिला महाविद्यालय की स्थापना उन्ही के नाम से की। वरीय भाजपा नेता भोला चंद्रवंशी ने कहा कि माँ का सपना पूरा कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी जा रही है। पुण्यतिथि के मौके पर पूर्व मंत्री सह स्थानीय विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का भी वितरण किया। मौके पर वरीय भाजपा नेता शुशील चौबे उर्फ टिकैत चौबे पुलिस निरीक्षक अजय कुमार, रेहला थाना प्रभारी नेमधारी रजक, तेतरी चंद्रवंशी, मंजू चंद्रवंशी, संजय चंद्रवंशी, अनुराग चंद्रवंशी, मनीषा चंद्रवंशी, पुष्पा देवी, डॉ बीपी शुक्ला, शिक्षाविद अरुण कुमार सिंह, विवेक, कुमार चंद्रवंशी, आदित्य चंद्रवंशी, तासु रानी, विधायक के जिला प्रतिनिधि रामचंद्र यादव, रविंद्र नाथ उपाध्याय, बशिष्ठ दीक्षित, नीलम केशरी, नंदकुमार पांडेय, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम, रमेश राम, रजनीश कुमार, प्रमोद दीक्षित, आशुतोष कुमार सिंह, जितेंद्र चौधरी, राहुल तिवारी, रामप्रवेश उरांव सहित कई लोग मौजूद थे।

जेजेएमपी के फरार अभियुक्त को हुसैनाबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही) जेजेएमपी का फरार अभियुक्त को हुसैनाबाद पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस सबंध में हुसैनाबाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पूज्य प्रकाश ने बताया कि जानकारी मिली कि जेजेएमपी का सक्रिय सदस्य व हुसैनाबाद थाना कांड संख्या 241/21 का अभियुक्त औरंगाबाद जिले के टंडवा थाना क्षेत्र में देखा गया है। टंडवा थाना व हुसैनाबाद पुलिस एसएसबी के सहयोग से उसे टंडवा नबीनगर क्षेत्र से गिरफ्तार की।गिरफ्तार अभियुक्त हैदरनगर थाना क्षेत्र के सरहु डीह पर निवासी दिनेश विश्वकर्मा है।

विद्यार्थियों के लिए अलाव की व्यवस्था कर शिक्षकों ने जतायी सहानुभूति

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। जिले में हरिहरगंज प्रखण्ड क्षेत्र के कई उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों ने विद्यार्थियों के प्रति सहानुभूति प्रकट करते हुए मंगलवार को अलाव का व्यवस्था करते हुए देखा गया।मंगलवार को पुरे दिन रिकॉर्ड तोड़ शीत लहर का प्रकोप रहा। इससे विद्यार्थियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही शिक्षक भी ठंढ से परेशान थे। अलाव का व्यवस्था कर शिक्षक अपने साथ बच्चों को भी ठंढ से राहत पहुंचाई। शीत लहर के कारण विद्यार्थी कभी पढ़ने का प्रयास करते तो कभी अलाव के पास जाते, ताकि ठंढ से राहत मिल सके। विद्यार्थी पुरे दिन परेशान रहें।वहीं कई शिक्षकों ने कहा कि विगत दिनों शिक्षा विभाग के द्वारा विद्यालय बंद का आह्वान बेकार थी। विद्यालय को अब बंद करने की जरूरत है। क्योंकि अभी पूरे दिन शीत लहर चल रही है। पिछले बंदी में ठंढ नहीं थी।

अखबार विक्रेता संघ ने नव वर्ष के उपलक्ष्य में काटा केक

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। नया साल के स्वागत मे पलामू जिला अखबार विक्रेता संघ ने केक कट कर किया स्वागत किया। इस मौके गोपाल प्रजापती अध्यक्ष, बीरेंद्र प्रजापती सचिव, मनोज प्रजापती कोषाध्यक्ष, जोगेंद्र तिवारी, रवींद्र दुबे, भूनेशर प्रजापती, युगल प्रजापती, सतीश कुमार, प्रविन कुमार, जितेन्द्र कुमार मुकेश कुमार, मनोज गुप्ता, राजा पाण्डेय, अमित राज, पंकज सिंह, आशुतोष पाण्डेय एवं सभी अखबार विक्रेता और एजेंट सरकुलेसन के लोग मौजूद थे।

स्पोर्ट्स

हॉकी विश्व कप को लेकर टीम में काफी उत्साह : हरमनप्रीत सिंह

आइपीएल 2023: दिल्ली कैपिटल्स के साथ क्रिकेट निदेशक के तौर पर जुड़ेंगे सौरव गांगुली

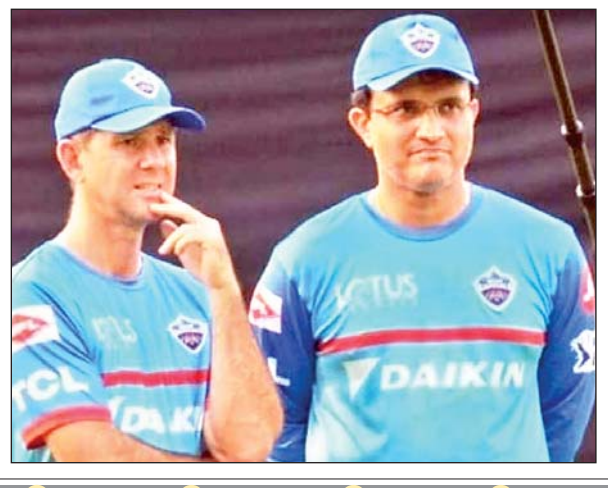

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ रहे हैं। उन्हें दिल्ली ने डॉयरेक्टर ऑफ क्रिकेट नियुक्त किया है। हालांकि इसकी अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। सूत्रों के अनुसार गांगुली, आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ-साथ दुबई और प्रिटोरिया कैपिटल्स के संचालन की भी देखरेख करेंगे। गांगुली आगामी सत्र के लिए डीसी के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के साथ मिलकर काम करेंगे। इससे पहले आईपीएल में गांगुली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पुणे वारियर्स के लिए खेल चुके हैं। लीग में उनकी आखिरी उपस्थिति 2012 में पुणे स्थित फ्रेंचाइजी के लिए आई थी। इसके अलावा गांगुली 2019 में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर थे। पूर्व भारतीय कप्तान ने हाल ही में बीसीसीआई अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था।

श्रीलंका के खिलाफ एकदिनी श्रृंखला से वापसी करेंगे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह

मुंबई। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिनी श्रृंखला से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। अखिल भारतीय वरिष्ठ चयन समिति ने बुमराह को श्रीलंका के खिलाफ आगामी 3 मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया है। बुमराह सितंबर 2022 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर हैं। वह पीठ की चोट के कारण आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप से भी बाहर हो गए थे। बुमराह रिहैबिलिटेशन से गुजरे हैं और उन्हें राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) द्वारा फिट घोषित किया गया है। श्रीलंका के खिलाफ तीन एकदिनी मैच 10, 12 और 15 जनवरी को क्रमशः गुवाहाटी, कोलकाता और त्रिवेंद्रम में खेले जाएंगे। श्रीलंका के खिलाफ एकदिनी श्रृंखला के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (उपकप्तान), वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, मो. शमी, मो. सिराज, उमरान मलिक, अर्शदीप सिंह।

मार्बल से दबकर 13 वर्षीय बच्चे की मौत, गांव में मातम

महुदा (आजाद सिपाही)। मधुबन थाना क्षेत्र के खरखरी बस्ती निवासी शेख मुन्ना का 13 वर्षीय पुत्र शेख आतिफ की मार्बल से दबकर मौत हो गयी। मृतक राजकीय मध्य विद्यालय नावागढ़ में छठे वर्ग का छात्र था। घटना के बाद स्वजन सहित पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। घटना बीते सोमवार देर शाम की बताई जा रही है। ज्ञात हो की घर मे लगाने के लिये 6/4 का 16 पीस मार्बल लाया गया था। मार्बल को वाहन से उतारने की तैयारी की जा रही थी। इससे पहले मृतक आतिफ खेल खेल में वाहन पर चढ़कर मार्बल में बंधा हुआ रस्सी को खीच दिया। जिससे खड़ा मार्बल बच्चे के ऊपर गिर गया। मार्बल के गिरते ही चीख पुकार मच गई। मौजूद लोगो ने किसी तरह मार्बल के नीचे से बच्चे को निकालकर आनन-फानन में उसे निचितपुर क्लिनिक ले जाया गया। जहां-जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक चार भाई, वहनों में सबसे छोटा था। वहीं मंगलवार की सुबह से ही मृतक का अंतिम संस्कार के लिए जगह-जगह से लोग मिट्टी देने के लिए उपस्थित हुए। वहीं दोपहर स्थानीय कब्रिस्तान में बच्चे की अंतिम संस्कार किया गया। घटना के बाद से ही मां शबनम आरा और वहनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

ग्रामीणों ने झरिया थाना गेट के समक्ष किया विरोध प्रदर्शन, कहा: वर्षों से चल रहा जिस्मफरोशी का धंधा, प्रशासन मौन

झरिया (आजाद सिपाही)। 12 वर्षो से बस्ताकोला में जिस्मफरोशी का धंधा चल रहा है, अगर कोई स्थानीय जिस्मफरोशी धंधा के खिलाफ विरोध करता है तो उसे झूठे केस में फसा दिया जाता है और प्रशासन भी उसे पकड़ कर थाना ले आती है, इससे साफ प्रतीत हो रहा है की झरिया थाना की मिलीभगत से ही यह धंधा चल रहा है। उक्त बाते मंगलवार को बस्ताकोला आटा चक्की के रहने वाले गणेश निषाद एवं अन्य ने झरिया थाना गेट के समक्ष विरोध प्रर्दशन के दौरान आरोप लगाते हुए कही। इस दौरान ग्रामीण स्थानीय पुलिस बेगुनाहों को झूठे केस में फसाना बंद करो, गलत धंधा बंद करने का नारे लगा रहे थे। गणेश निषाद ने कहा कि प्रशासन को सब मालूम है क्या हो रहा है इसके बावजूद चुप है, वही झरिया नगर कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की महामंत्री रेखा देवी ने कहा कि पिछले कई वर्षो से बस्ताकोला में देह व्यापार का धंधा चल रहा है। इससे आसपास के लोग काफी परेशान हैं। धंधे को लेकर अक्सर मारपीट की घटनायें होती रहती हैं, लेकिन पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। उन्होंने झरिया पुलिस से बस्ताकोला क्षेत्र में हो रहे गलत धंधे को जल्द बंद कराने की मांग की। वहीं दूसरी ओर झरिया पुलिस बस्ताकोला सामुदायिक भवन के समीप मारपीट मामले में पकड़े गये आरोपी को जेल भेजने की तैयारी में जुटी है।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। जन भागीदारी अभियान के तहत बीसीसीएल द्वारा जेलगोरा क्षेत्रीय अस्पताल में मंगलवार को तीन दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 165 लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। शिविर में सुगर, ब्लड प्रेशर, थाइराइड, नेत्र अन्य जांच किया गया। इसके अलावा कैंसर के बारे में लोगो को जागरूक कर खान पान का परामर्श दिया गया। इस दौरान मास्क का भी वितरण किया गया। शिविर जांच के दौरान 18 लोगो को शुगर तथा 15 लोगो मे उच्च रक्तचाप पाया गया, जिसमे से दो लोगो को सेंट्रल अस्पताल तथा एसएनएमसीएच रेफर किया गया। जिन मरीजों को दवा की आवश्यकता उन्हें दवा भी उपलब्ध कराया गया। वही गंभीर बीमारी पाये जाने वाले को समुचित इलाज का परामर्श दिया गया। डॉक्टरों में डॉ एस के मिश्रा, डॉ स्वेता मिश्रा, मेट्रोन अनामिका आदि शामिल थे।

युवा राजद का विद्युत कार्यालय पर धरना प्रदर्शन

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। चिरकुंडा युवा राष्ट्रीय जनता दल द्वारा सात सूत्री मांगों को लेकर चिरकुंडा विद्युत कार्यालय के समक्ष मंगलवार को धरना प्रदर्शन किया गया व वहीं विद्युत विभाग के अधिकारी को एक मांग पत्र सौंपा गया, साथ ही चेतावनी दी गई की 15 दिन में मांग पूरी नहीं की गई तो पार्टी विद्युत विभाग चिरकुंडा कार्यालय का घेराव करने को विवश हो जायेगी। युवा राजद के जिलाध्यक्ष बीट्टू मिश्रा ने बताया कि सात सूत्री मांगों में चिरकुंडा नगर के पूरे क्षेत्र में बिजली पोल की स्थिति जर्जर स्थिति में है उसे ठिक किया जाये, सभी ट्रांसफार्मर में हेडेन स्वीच लगाया जाये, घर में अभिभावक ना हो तो मीटर चेक करने को लेकर घर में प्रवेश ना करें। उन्होने कहा कि आर्यन खान की मृत्यु बिजली विभाग की लापरवाही के कारण हुआ था उसका मुआवजा अति शिघ्र दिया जाये। धरना स्थल पर मुख्य रूप से सुनिता सिंह, बिट्टू मिश्रा, मो नौशाद, सोनू खान, लाल बाबु यादव, सोनू यादव, सुनील रजक, रीतेश सिंह, नवाब खान, उपेंद्र यादव, किशोरी यादव, लक्ष्मी देवी, चांदनी शेख, मंदा कुमारी, फरहान खान, आरजू खान, विक्की साहू, रोमन सिंह, राहुल सिंह, डोमन सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शहीद रणधीर वर्मा और श्यामल को श्रद्धांजलि

कोविड को लेकर एक बार फिर संगीतमय कार्यक्रम हुआ स्थगित

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। वीरता के लिए मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा व शहीद श्यामल चक्रवर्ती को उनके 32वें शहादत दिवस पर धनबाद वासियों ने याद किया। रणधीर वर्मा चौक व आइआइटी आइएसएम गेट स्थित उनके प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए किया गया। इस बार भी संगीतमय श्रद्धांजलि सभा का आयोजन नहीं हुआ। इस दौरान जिला पुलिस बल ने उन्हें सशस्त्र सलामी दी। मातमी धुन बजाया गया और शस्त्र उल्टा कर दो मिनट का मौन रखा गया। तत्पश्चात वहां मौजूद लोगों ने शहीद वेदी पर पुष्प अर्पित किये।

सादे समारोह में दी गई श्रद्धांजलि

कोरोना के संभावित खतरे को देखते हुए इस बार भी सादे समारोह में ही स्व रणधीर वर्मा की पुण्यतिथि मनाई गई। इससे पहले हर वर्ष संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया जाता था। पूरे समारोह के दौरान स्व रणधीर प्रसाद वर्मा की पत्नी एवं पूर्व सांसद प्रो रीता वर्मा समारोह स्थल पर ही मौजूद रहीं। मुख्य रूप से उपायुक्त संदीप सिंह, एसएसपी संजीव कुमार, ग्रामीण एसपी रेशमा रमेशन, सांसद पशुपतिनाथ सिंह, धनबाद विधायक राज सिंहा, निरसा विधायक अपर्णा सेन गुप्ता, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह, कांग्रेस जिला अध्यक्ष संतोष सिंह समेत कई लोगों ने श्रद्धा के फूल चढ़ाकर स्व. रणधीर वर्मा को नमन किया। मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ रीता वर्मा ने बताया कि कोरोना के संभावित खतरे को देखते हुए एहतियातन श्रद्धांजलि सभा का कार्यक्रम सीमित किया गया। उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अशोक चक्र विजेता स्व. रणधीर वर्मा के नाम पर गोल्फ ग्राउंड का नामकरण स्व रणधीर प्रसाद वर्मा स्टेडियम रखा गया था। जिसे नजरअंदाज करते हुए धनबाद नगर निगम ने मिटा दिया। शहीदों को शायद ही ऐसी श्रद्धांजलि पूरे देश में कहीं और मिलती होगी। वही इस प्रकरण में उपायुक्त संदीप सिंह ने कहा मामले कि जानकारी हुई है स्व रणधीर प्रसाद वर्मा स्टेडियम का नाम बदल दिया गया है। इस संबंध में नगर आयुक्त से बात कर उचित प्रक्रिया की जायेगी। मौके पर वरीय पुलिस अधीक्षक संदीप संजीव कुमार ने बताया कि हम लोगों के लिए रणधीर प्रसाद वर्मा एक उदाहरण और आदर्श थे। स्व. रणधीर प्रसाद वर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके हिम्मत और शौर्य को वह सलाम करते हैं। बता दें कि 3 जनवरी 1991 में बैंक लूटने पहुंचे आतंकियों से लोहा लेते हुए धनबाद के पूर्व एसपी शहीद हो गये थे। मौके पर भाजपा महानगर जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह, महामंत्री नितिन भट्ट, उपाध्यक्ष संजय झा, पूर्व जिलाध्यक्ष हरी प्रकाश लाटा, भाजपा नेता मुकेश पांडेय के आलावा अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

शहीद श्यामल चक्रवर्ती को अर्पित की भावपूर्ण श्रद्धांजलि

शहीद श्यामल चक्रवर्ती स्मारक समिति व मार्क्सवादी युवा मोर्चा द्वारा आईआईटी आईएसएम के मुख्य द्वार पर अवस्थित श्यामल चक्रवर्ती की प्रतिमा के समीप श्रधांजलि सभा का आयोजन के उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। मौके बगोदर विधायक विनोद सिंह, पूर्व विधायक आंनद महतो, पूर्व विधायक अरूप चटर्जी, मासस नेता रुस्तम अन्सारी के अलावा दर्जनों नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। वही आयोजित शहीद श्यामल चक्रवर्ती पुण्यतिथि पर सांसद पशुपतिनाथ सिंह, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह सहित अन्य भाजपाइयों ने उनकी मूर्ति पर पुष्प गुच्छ अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मौके भाजपा महानगर जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह, महामंत्री नितिन भट्ट के आलावा अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

शहीद रणधीर वर्मा के साथ श्यामल चक्रवर्ती भी है समाज का गौरव

मार्क्सवादी युवा मोर्चा के अध्यक्ष पवन महतो ने कहा की शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा के साथ शहीद हुए श्यामल चक्रवर्ती भी समस्त नागरिक और समाज का गौरव है। धनबाद के नागरिकों द्वारा शहीद श्यामल चक्रवर्ती स्मारक समिति एवं मार्क्सवादी युवा मोर्चा के नेतृत्व में उन्हें सम्मानित करते हुए उनके कार्यस्थल आइएसएम प्रथम गेट के समक्ष उनकी प्रतिमा स्थापित की गई है। उक्त तिथि से हर वर्ष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर उन्हें नमन किया जाता है। इसी संदर्भ में राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार से अपील है कि देर से ही सही मगर इन्हें भी शहीद का दर्जा गजट में घोषणा कर दे, तभी आम नागरिक के साथ इंसाफ होगा।

मधुबन कोल वाशरी में मैनुअल लोडिंग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन भी जारी

पुलिस की तत्परता से टला हिंसक टकराव, सिंडिकेट समर्थकों को खदेड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा/कतरास। बीसीसीएल ब्लॉक टू क्षेत्र के अंतर्गत संचालित मधुबन कोल वाशरी में मैनुअल स्लरी उठाव कार्य की मांग को लेकर स्थानीय सैकड़ो महिला पुरुष कांग्रेस के बैनर तले सोमवार से अनिश्चितकालीन धरना में बैठे हुए है। धरनास्थल पर मंगलवार को सिंडीकेट समर्थक पहुंचकर जबरन मशीन से लोडिंग कार्य प्रारंभ करने के लिए कोशिश कर रहे थे की सूचना पाकर पहुंची बाघमारा पुलिस ने सिंडीकेट समर्थक को खदेड़ कर भगा दिया। जिससे एक बड़ी घटना टल गई। धरना दे रहे कांग्रेस समर्थक और सिंडीकेट समर्थक के बीच टकराव की स्थिति उत्पन्न हो चुकी थी। हालांकि पुलिस ने धरनास्थल पर बैठे ग्रामीणो को भी चेतावनी देते हुए सख्त निर्देश किया की शान्तिपूर्वक घटनास्थल पर बैठे। इधर ग्रामीणो की हौसला अफजाई के लिए कांग्रेस के धनबाद जिलाध्यक्ष संतोष सिंह धरनास्थल पर पहुंच कर धरना को संबोधित करते हुए कहा की धनबाद जैसे शहर में माफियाओ के नाक में नकेल कसने में कोई दिक्कत नही हुई तो बाघमारा से भी सफाया होने में देर नहीं लगेगी। गरीब मजदूर ग्रामीणो का हक छीनने वाले को बर्दास्त नही किया जाएगा। मैनुअल लोडिंग की मांग बेरोजगार युवाओ व ग्रामीण का सही है। सभी ग्रामीण प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो के नेतृत्व में आंदोलनरत है। वही बीसीसीएल ब्लॉक टू क्षेत्र के स्थानीय प्रबंधन ने ग्रामीणो से वार्ता कर धरना-प्रदर्शन समाप्त कराने का प्रयास किया लेकिन प्रबंधन को सफलता नही मिली। ग्रामीण अपने मांग पर अडिग है।

इनकी रही मौजूदगी

धरना में शंकर महतो, टीपी पांडेय, पूर्व मुखिया ललिता देवी, इंदल यादव, राधा देवी, अजय महतो, शोभा देवी, महादेव महतो, गीता देवी, लखिंद्र महतो, सुनीता देवी, सत्येंद्र पांडेय, मुनिया देवी, पिंकू पांडेय, विकास सिंह, रणधीर सिंह, विशाल महतो सहित अन्य कई शामिल है।

डीएवी-6 में ह्यूस्टन और टेक्सस विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने की बच्चों की कैरियर काउंसलिंग

बोकारो (आजाद सिपाही)। डीएवी-6 में ह्यूस्टन एवं टेक्सस विश्विद्यालय के प्रोफेसर ने की बच्चों की कैरियर काउंसलिंग। डीएवी 6 में कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूएसए से आए डॉ रिंकी रत्नप्रिया बेलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन एवं आशीष कपूर टैक्सस विश्वविद्यालय ह्यूस्टन ने बच्चों को बारहवीं के बाद कैरियर के चुनाव के संबंध में जानकारी दी। डॉ आशीष कपूर ने बच्चों को जीवविज्ञान के क्षेत्र में विदेशो में रोजगार के संबंध में जानकारी दी। डॉ रिंकी रत्नप्रिया ने बच्चों को हृदय के रोग, कैंसर, डीएनए, जींस म्युटेशन एवं ट्रांसप्लांटेशन के संबंध में विश्व में जो रिसर्च हो रहे है उनके बारे में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को रिसर्च के क्षेत्र में अपना कैरियर के चुनाव के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री एस के मिश्र ने बच्चों को बारहवीं के बाद अपना कैरियर का सही चुनाव करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान बच्चों ने कई प्रश्न पूछे। इस अवसर पर नागेंद्र प्रसाद, मनोज मिश्र, नीलम झा, सुनील कुमार शर्मा, श्याम भूषण श्रीवास्तव आदि शिक्षक उपस्थित थे।

कतरास कांग्रेस कार्यालय में समीक्षा बैठक, संगठन को मजबूत बनाने पर दिया बल

कतरास (आजाद सिपाही)। कतरास कांग्रेस पार्टी के प्रधान कार्यालय में मंगलवार को कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एक समीक्षा बैठक की। जिसमें संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। कांग्रेस पार्टी को गांव-गांव तक पहुंचाना संगठन को मजबूत बनाना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के मजबूती के लिए कांग्रेसी कार्यकताओं को संगठित होने की अपील की। बैठक में प्रखंड अध्यक्ष बलराम महतो जावेद रजा, अनिल चंद्र यादव, विकास सिंह, शिवेश सिन्हा, रोबिन पाल, अजय पासवान, विनोद सिंह, जियाउल हक, दक्षिणेश्वर कुंभकार, जनक लाल, प्रोफेसर टी पी पांडेय, मजहर अंसारी, योगेंद्र रजक, सतेंद्र पांडेय, नरेश कुमार, कुलदीप ठाकुर, महादेव महतो, श्रीनिवास राय, राजाराम यादव, विनोद शर्मा, दिगंबर सिंह, गंगाधर महतो, विशाल महतो, इंद्रजीत भुइयां, सुभाष बंसल, कुंदन भुइंया, शौकत खान आदि ने संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष रंजीत कुमार पांडे ने की मंच का संचालन माधव सिंह ने किया।

आरपीएफ की छापेमारी, भारी मात्रा में प्रतिबंधित गुटखा जब्त

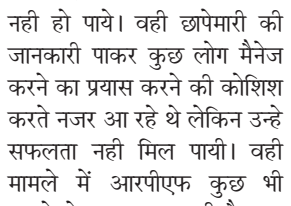

कतरास (आजाद सिपाही)। धनबाद आरपीएफ की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार को निचितपुर हाल्ट पर छापेमारी कर भारी मात्रा मे प्रतिबंधित गुटखा के कई बोरा पकड़ कर अपने साथ धनबाद ले गई। मंगलवार को आरपीएफ की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर निचितपुर हाल्ट पर गया मेमू पैसेंजर ट्रेन से हाल्ट पर उतरने के दौरान लगभग एक दर्जन बोरो मे भरा प्रतिबंधित गुटखा पकड़ा। आरपीएफ के द्वारा की गई इस कारवाई से हाल्ट परिषर मे आफरा तफरी मच गई। धंधेबाज को जिधर से भी मौका मिला उधर से भागने मे सफल रहे। फिलहाल आरपीएफ किसी भी धंधेबाज को पकड़ने मे असफल रही। धंधेबाजो को जिधर भी मौका मिला उधर झाड़ीयो मे बोरा को छुपाने का भरसक प्रयास किये लेकिन सफल नही हो पाये। वही छापेमारी की जानकारी पाकर कुछ लोग मैनेज करने का प्रयास करने की कोशिश करते नजर आ रहे थे लेकिन उन्हे सफलता नही मिल पायी। वही मामले में आरपीएफ कुछ भी बताने से इनकार कर रही है।

तीन साल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गयी: कुणाल षाड़ंगी

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। झारखंड प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता कुणाल सारंगी ने राज्य सरकार का एक्सीडेंटल डेथ का दावा किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और खनिज संपदा की लूट के मामलों में यह सरकार पूरी तरह घिर चुकी है। इडी समेत कई एजेंसियां जांच कर रही हैं। अपने कर्मों के कारण सीएम कार्यकाल पूरा नहीं कर पायेंगे। इस सरकार का बीच में ही अंत होना तय है। झूठ, लूट और भ्रष्टाचार के तीन साल राज्य की सरकार के तीन साल पूरे होने पर भाजपा हमलावर है। भाजपा ने नारा दिया है कि झूठ, लूट और भ्रष्टाचार, बलात्कार के तीन साल। भाजपा के नेता कमिश्नरेट लेबल पर संवाददाता सम्मेलन कर राज्य सरकार की विफलताओं को जनता के बीच रख रहे हैं। इसी कड़ी में प्रवक्ता पूर्व विधायक कुणाल सारंगी बोकारो में थे। उन्होंने भाजपा कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन कर राज्य सरकार की नाकामियों को गिनाया। तीन साल में महज 357 युवाओं को दी गई नौकरी उन्होंने कहा कि चुनाव के समय सोरेन ने हर साल पांच लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा किया था। सरकार ने विधानसभा में स्वीकार किया है कि पिछले तीन साल में वह गिनती के 357 लोगों को ही नौकरी दे पायी है। राज्य सरकार ने चुनावों में बेरोजगारी भत्ता देने की बात थी लेकिन कोई बेरोजगारी भत्ता बेरोजगारों को नहीं दिया जा रहा है। खनिज संपदा की मची लूट पर हमला करते हुए सिंह जी ने कहा कि राज्य में खनिज संपदा की लूट मची हुई है। मुख्यमंत्री से लेकर उनके विधायक प्रतिनिधि और पत्नी तक का नाम घोटाले में सामने आया है। इन सब मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए मुख्यमंत्री सोरेन 1932 का खतियान और भाषा का खेल खेल रहे हैं। विपक्ष के सवालों पर खेल रहे हैं भावनात्मक खेलसोरेन ने विधानसभा में खुद कहा था कि 1932 का खतियान लागू नहीं किया जा सकता है। जब भ्रष्टाचार में फंसे तो 1932 का प्रस्ताव विधानसभा में पारित कर केंद्र सरकार को भेजने की बात कर रहे हैं। यह लागू हो सकता है तो उन्हें खुद कर देना चाहिए। विपक्ष के सवालों का जवाब न देकर भावनात्मक खेल खेल रहे हैं। कुल बजट का महज 30 फीसद हुआ खर्च सांसद सिंह ने राज्य सरकार के बजटीय खर्च पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष के नौ महीने में राज्य का कुल बजट 57 हजार करोड़ रुपये का था लेकिन बजट का महज 30 से 35 फीसद ही खर्च किया गया है। उन्होंने कहा कि यह सरकार के वित्तीय मिस मैनेजमेंट के कारण हो रहा है। राज्य सरकार के पास पैसे की कमी नहीं है। केंद्र सरकार ने जितना रघुवर दास के समय राज्य को पैसा नहीं दिया उतना सरकार को अब तक दे चुकी है। केंद्र एवं पूर्व रघुवर दास के सरकार योजनाओं को किया जा रहा बंद पर कुणाल सारंगी ने आगे कहा कि खनन के साथ अन्य क्षेत्रों में भी रेवेन्यु कलेक्शन के नाम पर लूट की छूट दी गई है। इसका सीधा असर राज्य की विकास पर पड़ रहा है। अब समग्र शिक्षा अभियान और आयुष्मान भारत योजना में राज्य सरकार अपना अंशदान नहीं दे रही है। इससे अब इन दोनों योजना को बंद करने की बात भी शुरू हो गई है। तीन सालों में चरमराई कानून व्यवस्थाराज्य में कानून व्यवस्था को पूरी तरह से चरमरा गई है। राज्य में दलित-आदिवासी लड़कियां सुरक्षित नहीं है। बोकारो जिला कार्यालय में प्रदेश प्रवक्ता कुणाल सारंगी का पुष्प गुच्छ एवं साल देकर जिला अध्यक्ष भरत यादव ने स्वागत एवं अभिनंदन किया। प्रेस वार्ता में झारखंड विधानसभा के विपक्ष दल के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण भी विशेष रूप से मौजूद थे।

इनकी रही उपस्थिति

प्रेस वार्ता में मुख्यरूप से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रोहितलाल सिंह, दिलीप श्रीवास्तव, कमलेश राय, अनिल स्वर्णकार, जयदेव राय, संजय त्यागी, जयनारायण मरांडी, अशोक कुमार पप्पू, इंद्र कुमार झा, विश्वनाथ दत्ता, विनय आनंद, महेंद्र राय, नीरज कुमार, बीरभद्र सिंह, एके वर्मा, द्वारिका मुन्ना, अनिल सिंह, मनोज सिंह, पीयूष आचार्या, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष मुकेश राय, अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष रामलाल सोरेन उपस्थित थे।

कार्यालय, जिला शिक्षा अधीक्षक, लोहरदगा
पाण्डेय गणपत राय भवन प्रथम तल्ला, समाहरणालय परिसर, लोहरदगा
Email-mdmloh@rediffmail.com,lohardagamdm@gmail.com

-: अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना :-

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत् लोहरदगा जिला में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (मध्याह्न भोजन) योजना अन्तर्गत स्कूल स्टेप डिलीवरी के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए लोहरदगा जिला के सभी प्रखण्ड में अवस्थित राज्य खाद्य निगम गोदाम से सभी संबंधित प्रखण्ड के विद्यालयों तक सरकार द्वारा निर्धारित अधिकतम 42.50 (बियालीस रूपये पचास पैसे) मात्र प्रति क्विंटल की दर सीमा अंतर्गत, जो वर्ष 2022-23 तक मान्य होगा के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है।

खाद्यान्न (चावल) के परिवहन-सह-हथालन कार्य करने हेतु लोहरदगा जिला के सभी प्रखण्डों के विद्यालयों के लिए **दिनांक 04.01.2023 से 11.01.2023 के 5.00 बजे अपराह्न तक** विहित प्रपत्र में सशर्त खुली निविदा आमांत्रित की जाती है तथा **दिनांक 12.01.2023 को 3.00 बजे निविदा समिति** के समक्ष खोली जायेगी।

निविदा की अन्य शर्तें https://lohardaga.nic.in पर देखी जा सकती है।

जिला शिक्षा अधीक्षक, लोहरदगा — उपायुक्त, लोहरदगा

PR 286584 Lohardaga(22-23).D

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण कार्य विभाग, मुख्य अभियंता का कार्यालय
102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी रोड, राँची

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

ई-निविदा संख्या:- **212/2022-23/RWD/KODERMA** दिनांक :- **02.01.2023**

मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, झारखण्ड, राँची द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)		कार्य समाप्ति की तिथि
			अंक में	अक्षर में	
1.	RWD/ KODERMA/ 08/2022-23	पंचायत चन्दवारा पूर्वी में एन0एच0-31 से जौंगी स्टेडियम तक पथ निर्माण कार्य (लं- 2.600 कि0मी0)	2,52,64,500.00	दो करोड़ बावन लाख चौंसठ हजार पाँच सौ रू0 मात्र	15 माह
2.	RWD/ KODERMA/ 09/2022-23	पंचायत थाम ग्राम बारा से दुरगिनिया तक पथ निर्माण कार्य (लं- 1.500 कि0मी0)	1,41,45,500.00	एक करोड़ इकतालीस लाख पैंतालीस हजार पाँच रू0 मात्र	09 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:- **16.01.2023**
3. ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय:- **25.01.2023** अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. **(क)** मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, अभियंत्रण भवन, कचहरी, राँची अथवा **(ख)** जिला नियंत्रण कक्ष, **राँची** अथवा **(ग)** जिला नियंत्रण कक्ष, **कोडरमा** में से किसी भी कार्यालय में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:- **27.01.2023** पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 3.30 बजे तक।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय:- **30.01.2023** पूर्वाह्न 11.30 बजे।
6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:- मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, 102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी चौक, राँची, झारखण्ड, पिन- 834001
7. ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0- 0651-2207818
8. निविदा शुल्क झारखण्ड राज्य में अवस्थित भारतीय स्टेट बैंक/अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निविदाकार के नाम/अकाउंट से ही निर्गत बैंक ड्राफ्ट के रूप में कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, **कोडरमा** के पक्ष में एवं **कोडरमा** में भुगतेय होगा जो लौटाया नहीं जायेगा।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

नोडल पदाधिकारी
ई-प्रोक्युर्मन्ट सेल

PR 286571 (Rural Work Department) 22-23 (D)

पीएम ने 108वें इंडियन साइंस कांग्रेस का किया उद्घाटन

टेक्नोलॉजी से बड़ा बदलाव संभव : मोदी

- साइंस में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हुई

आजाद सिपाही संवाददाता

नागपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को 108वें इंडियन साइंस कांग्रेस का वर्चुअली उद्घाटन किया। इवेंट का फोकस महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर रहा। पीएम मोदी ने कहा कि अगले 25 सालों में भारत जिस ऊंचाई पर होगा, उसमें भारत की वैज्ञानिक शक्ति की भूमिका बहुत अहम होगी।

पीएम मोदी आगे बोले- टेक्नोलॉजी से बड़ा बदलाव संभव है। 2015 तक हम 130 देशों के ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 81वें स्थान पर थे, लेकिन 2022 में हम 40वें स्थान पर पहुंच गये हैं। स्टार्टअप में भारत टॉप-3 पर है। महिलाएं भी आगे आकर इसमें हिस्सा ले रही हैं। हर क्षेत्र की तरह साइंस में भी महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हुई है।

कार्यक्रम का सब्जेक्ट- साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट विद वुमन एंपावरमेंट रखा गया। इसका आयोजन तुकोजी महाराज नागपुर यूनिवर्सिटी में हुआ। तुकोजी महाराज नागपुर यूनिवर्सिटी इस साल शताब्दी समारोह मना रही है। इस दौरान महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहे।

देश ने आठ सालों में असाधारण काम किये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 8 सालों में गवर्नेंस से लेकर इकोनॉमी तक कई ऐसे असाधारण काम किये हैं, जिनकी आज चर्चा हो रही है। 8 सालों में एक्सट्रा मोरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हुई है। महिलाओं की ये बढ़ती भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि समाज भी आगे बढ़ रहा है और साइंस भी आगे बढ़ रही है।

लैब से निकल कर जमीन तक पहुंचे कोशिश

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि साइंस की कोशिश बड़ी उपलब्धियों में तभी बदल सकते हैं, जब वो लैब से निकलकर लैंड तक पहुंचे। जब उसका इफेक्ट ग्लोबल से लेकर ग्रासरूट तक हो। जब उसका विस्तार जर्नल्स से लेकर जमीन तक हो। जब उससे बदलाव रिसर्च से होते हुए रियल लाइफ में दिखने लगे। पीएम मोदी ने कहा कि देश की साइंस भारत को आत्मनिर्भर बनाने वाली होनी चाहिए।

दो साल बाद आयोजन

यह कार्यक्रम दो साल बाद आयोजित किया गया। इससे पहले 2020 में बेंगलुरु में यह इवेंट किया गया था। कोविड-19 की वजह से इसे दो साल के लिए इसे टाल दिया गया था। ये पहला मौका है, जब ढट मोदी व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग क्षेत्रों के टॉप साइंटिस्टों के समागम में हिस्सा नहीं लिया। बता दें कि इंडियन साइंस कांग्रेस पहला सेशन 1914 में किया गया था। तब से यह हर साल आयोजित किया जाता है।

महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर की गयी चर्चा

मंगलवार को हुए इस इवेंट में भाग लेने वाले मेंबर एजुकेशन, रिसर्च और इंडस्ट्री में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई। साइंस कांग्रेस में शामिल होने वाले सदस्य साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीइएम) के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के तरीकों के साथ ही एजुकेशन में उनके समान स्तर, रिसर्च के मौके और इकोनॉमिक पार्टनरशिप को बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा हुई।

एनटीपीसी के कोयला उत्पादन में 51% की वृद्धि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/भुवनेश्वर। एनटीपीसी का कोयला खनन प्रभाग अपने विकास पथ को बनाए रख रहा है और एनटीपीसी के बिजली संयंत्रों को कोयला उत्पादन और टिकाऊ गुणवत्ता वाले ईंधन की आपूर्ति के मामले में अपने पहले के रिकॉर्ड को पार कर गया है। पिछले वर्ष की समान अवधि में 9.65 मिलियन मीट्रिक टन कोयले के उत्पादन की तुलना में इस वित्तीय वर्ष में दिसंबर 22 तक 14.55 मिलियन मीट्रिक टन के कोयले के उत्पादन के साथ, एनटीपीसी ने 51% की सालाना उत्पादन वृद्धि दर्ज की है। चार परिचालन कोयला खदानें अर्थात। पकड़ी-बरवाडीह (झारखंड), चट्टी-बरियातू (झारखंड), दुलंगा (ओडिशा) और तलाईपल्ली (छत्तीसगढ़) ने स्थापना के बाद से दिसंबर'22 में 22.83 लाख मीट्रिक टन के उच्चतम मासिक कोयला उत्पादन को पूरा करने में योगदान दिया है।

अब तक कैप्टिव खदानों ने एनटीपीसी के 22 से अधिक बिजली संयंत्रों को 60.95 मिलियन मीट्रिक टन कोयले की आपूर्ति की है।

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में, एनटीपीसी ने 5.79 मिलियन मीट्रिक टन कोयले का उत्पादन किया है, जो एक तिमाही में अब तक का सबसे अधिक उत्पादन है और इसके बिजली संयंत्रों को 5.42 मिलियन मीट्रिक टन भेजा गया है, जो कि स्थापना के बाद से अब तक का सबसे अच्छा तिमाही प्रदर्शन है। इस कोयले के उत्पादन के साथ-साथ, एनटीपीसी ने दिसंबर 2022 में 89.16 लाख क्यूबिक मीटर का अब तक का सर्वाधिक मासिक ओवरबर्डन हटाने का लक्ष्य भी हासिल किया है और पिछले वर्ष की समान अवधि में 206.08 लाख क्यूबिक मीटर की तुलना में इस वित्तीय वर्ष में 448.77 लाख क्यूबिक मीटर का ओवरबर्डन हटाने का लक्ष्य हासिल किया है। साल-दर-साल उत्पादन में 118% की वृद्धि के साथ।

एनटीपीसी माइनिंग डिविजन के लिए ग्रोथ का रास्ता अच्छा नहीं रहा है। यह लगातार कई समस्याओं का सामना कर रहा है। दुर्जेय नेतृत्व, उत्साही कार्यबल और जिला और राज्य प्रशासन के निरंतर समर्थन के साथ, मुख्य रूप से निहित स्वार्थ वाले व्यक्तियों के कुछ समूह के आंदोलन की बाधाओं को दूर किया जा सकता है। इसके अलावा, सावधानीपूर्वक योजना, संसाधन जुटाने और नियमित निगरानी के साथ, एनटीपीसी ने इतनी बड़ी वृद्धि हासिल की है।

एनटीपीसी का खनन प्रभाग सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल खनन प्रथाओं के लिए एक के बाद एक उद्योग बेंचमार्क स्थापित कर रहा है। ई-एसएमपी (डिजिटल सुरक्षा प्रबंधन योजना) के सफल कार्यान्वयन के बाद, एनटीपीसी ने उत्पादन और प्रेषण की शिफ्ट-वार रिपोर्टिंग के लिए इन-हाउस वेब-ऐप 'खानन दृष्टि' को लागू किया है, 'सचेतन' सभी के लिए सुरक्षा मोबाइल ऐप है। यह पायलट परियोजना के रूप में अपनी एक खदान में 'सुरक्षा के लिए मेन-मशीनरी ट्रैकिंग' खान है। इसके अलावा, 'एकीकृत कोयला प्रबंधन प्रणाली' जैसी परियोजनाएं भी पाइपलाइन में हैं। सिस्टम और प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार और स्थिरता के साथ निरंतरता एनटीपीसी के कोयला खनन प्रभाग की सफलता की कुंजी है।

एक साल तक पांच किलो चावल मुफ्त : नवीन पटनायक

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के हिताधिकारियों को 23 जनवरी से 23 दिसंबर तक मुफ्त चावल देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री के आदेशानुसार जनवरी 2023 से 12 माह तक राज्य खाद्य सुरक्षा योजनांतर्गत हिताधिकारियों

को पांच किलो चावल निःशुल्क उपलब्ध कराया जायेगा। इसके लिए कुल 185 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। यह अतिरिक्त खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। राज्य सरकार अक्टूबर 2018 से 'राज्य खाद्य सुरक्षा योजना' नामक राज्य योजना के तहत हिताधिकारियों को एक रुपये प्रति माह की दर से 5 किलो चावल प्रदान कर रही है। इन हिताधिकारियों को राज्य में चल रही कोविड-19 महामारी के लिए पिछले 28 महीनों के दौरान अतिरिक्त चावल और दाल की आपूर्ति की गयी है। इसके अलावा इन हिताधिकारियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत प्रति परिवार को 1000 रुपये की दो बार प्रोत्साहन राशि दी गयी है।

पूर्व तट रेलवे माल लदान और बुनियादी ढांचे के विकास के क्षेत्र में रिकॉर्ड प्रदर्शन को तैयार

- बेहतर मार्जिन के साथ पिछले साल के 232.13 मिलियन टन माल लदान को पार करने का लक्ष्य
- चालू वित्त वर्ष के दिसंबर 2022 तक 3.5% की वृद्धि के साथ 175.32 मिलियन टन माल का लदान
- 36 स्टेशनों के उन्नयन के साथ तीन विश्व स्तरीय स्टेशनों के लिए निविदा जारी, काम शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। कई बाधाओं और विभिन्न चुनौतियों के बावजूद, पूर्व तट रेलवे (पूतरे) संरक्षा संबंधी कार्यों और अन्य बुनियादी ढांचे के कार्यों के साथ-साथ राजस्व, माल लदान और नयी लाइनों के निर्माण, दोहरीकरण परियोजनाओं और यातायात सुविधा कार्यों के क्षेत्र में नयी ऊंचाई स्थापित करने जा रहा है। यह रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की लगातार निगरानी और महाप्रबंधक रूप नारायण सुनकर के मार्गदर्शन से संभव हो पाया है। पूतरे ने चालू वित्त वर्ष के दिसंबर 2022 तक 175.32 एमटी माल ढुलाई की है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान 169.39 एमटी माल ढुलाई थी, जो 5.93 एमटी अधिक है और इसमें लगभग 3.5% की वृद्धि आयी है। माल ढुलाई से आय के संदर्भ में, पूतरे ने इस अवधि के दौरान

13134.98 करोड़ की तुलना में 14247.88 करोड़ की कमाई की है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 8.47% की वृद्धि दर्ज करते हुए 1112.9 करोड़ रुपये अधिक है।

यात्री मोर्चे पर, पूतरे ने 148.5% की वृद्धि दर्ज कर पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 21.37 मिलियन यात्रियों की तुलना में दिसंबर 2022 तक 53.11 मिलियन यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाया। यात्रियों से आय में पूतरे ने 82.17% की वृद्धि दर्ज करते हुए 770.45 करोड़ की तुलना में 1403.58 करोड़ की आमदनी की है। इसके अलावा, पूतरे का लक्ष्य उल्लेखनीय ढांचागत कार्यों को पूरा करना भी है। महत्वपूर्ण यातायात संबंधी कार्य जैसे, पूरे संबलपुर-टिटिलागढ़ रेलवे सेक्शन का दोहरीकरण, अंगुल-तालचेर रोड सेक्शन (12 किमी), अंगुल-बलराम (14 किमी) लिंक इनर कोल कॉरिडोर कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट, सलगांव-राजआठगढ़ के बीच तीसरी और चौथी लाइन, सालागांव-कपिलास रोड के बीच दोहरीकरण, 3 ब्लॉक सेक्शन को छोड़कर जखपुरा-नयागढ़ का दोहरीकरण, कपिलास रोड और निरगुंडी के बीच तीसरी लाइन, बुढ़ापांक-एनटीपीसी ब्लॉक केबिन के बीच तीसरी लाइन और बुढ़ापंक-तालचेर रोड के बीच चौथी लाइन, टिटिलागढ़-केसिंगा के बीच तीसरी लाइन और सीकिर के बीच दोहरीकरण -टिटिलागढ़ के साथ-साथ यार्ड रिमॉडलिंग, काकलुर-कवरगांव-डबपाल के बीच 21 किलोमीटर की दोहरी लाइन, विद्युतीकरण के साथ-साथ रूपरा रोड-नोरला रोड-लांजीगढ़ रोड के बीच तीसरी लाइन, कोरापुट-रायगडा शाखा लाइन में दुमुरिपुट-दमनजोड़ी सेक्शन के बीच दोहरीकरण का काम इस वर्ष पूरा कर लिया गया है और इसकी शुरुआत कर दी गयी है।

खोरधा रोड-बलांगीर रेलवे लाइन परियोजना को प्राथमिकता देते हुए इसे जल्द पूरा करने के लिए निर्माण कार्य किया जा रहा है। खोरधा रोड-बलांगीर परियोजना के 10.65 किमी बिछुपाली-झरतरभा सेक्शन का काम हाल ही में पूरा किया गया है। खंबेश्वरपल्ली-झरतरभा के बीच 11.40 किमी को मार्च 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके अलावा नुआगांव-दसपल्ला के बीच 15.445 किमी का काम फरवरी 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

किसी मंत्री के बयान पर सरकार नहीं खुद मंत्री ही जिम्मेदार : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। सुप्रीम कोर्ट ने मंत्रियों, सांसदों और विधायकों की बोलने की आजादी पर ज्यादा पाबंदी लगाने से इनकार कर दिया है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की बेंच ने कहा कि इसके लिए पहले ही संविधान के आर्टिकल 19(2) में जरूरी प्रावधान मौजूद हैं। कोर्ट ने कहा कि किसी भी आपत्तिजनक बयान के लिए उसे जारी करने वाले मंत्री को ही जिम्मेदार माना जाना चाहिए। इसके लिए सरकार जिम्मेदार नहीं होनी चाहिए। इस मामले की सुनवाई करने वाली बेंच की अगुआई जस्टिस एसए नजीर ने की। वहीं इसमें जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस एएस बोपन्ना, जस्टिस वी रामसुब्रमण्यम और जस्टिस बीवी नागरत्ना भी शामिल रहीं। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एक याचिका में सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों के लिए बोलने की आजादी पर गाइडलाइन बनाने की मांग की गयी थी।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**